शेयर बाजार में तीन बाद तेजी लौटी, सेंसेक्स 639 अंक चढ़ा-12

ममता बनर्जी ने दक्षिण कोलकाता में किया रोड शो, मांगा जनसमर्थन-12

जस्टिस स्वर्णकांता की अदालत में पेश होने से केजरीवाल का इन्कार-13

हमें ब्रेक चाहिए और खिलाड़ियों को जिम्मेदारी लेनी होगी : ऋषभ पंत-14

आज का मौसम
38.0^0 अधिकतम तापमान
26.0^0 न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.38
सूर्यास्त 06.48

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| हल्द्वानी |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ▪ बरेली ▪ कानपुर ▪ मुरादाबाद ▪ अयोध्या ▪ हल्द्वानी

बैशाख शुक्ल पक्ष द्वादशी 06:52 उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत 2083

मंगलवार, 28 अप्रैल 2026, वर्ष 6, अंक 62, पृष्ठ 14 ▪ मूल्य 6 रुपये

भारत-न्यूजीलैंड के बीच एफटीए, 100% निर्यात को मिलेगी शुल्क-मुक्त पहुंच

एफटीए के दौरान उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और न्यूजीलैंड के मंत्री टॉड मैक्ले।

दोनों देशों ने किए हस्ताक्षर, प्रधानमंत्री मोदी ने बताया ऐतिहासिक क्षण

नई दिल्ली, एजेंसी

- किसानों, युवाओं और एमएसएमई को होगा बड़ा लाभ, श्रम-प्रधान क्षेत्रों में बढ़ेगी प्रतिस्पर्धा

भारत और न्यूजीलैंड ने सोमवार को ''पीढ़ियों में एक बार'' होने वाले मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत भारतीय निर्यात को न्यूजीलैंड में 100 प्रतिशत शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी। समझौते पर वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और न्यूजीलैंड के व्यापार एवं निवेश मंत्री टॉड मैक्ले ने हस्ताक्षर किए।

इस समझौते के इस साल के अंत तक लागू होने की उम्मीद है, जिसके लिए न्यूजीलैंड की संसद की मंजूरी लेनी जरूरी होगी, जबकि भारत में इसे केंद्रीय मंत्रिमंडल स्वीकृति देता है। इस समझौते के तहत न्यूजीलैंड ने भारत में अगले 15 वर्षों के भीतर 20 अरब डॉलर के प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की प्रतिबद्धता जताई है। इससे पहले यूरोपीय संघ के साथ हुए समझौते में भी 100 अरब डॉलर का निवेश वादा किया गया था। यह करार पांच वर्षों में द्विपक्षीय वस्तु एवं सेवा व्यापार को दोगुना कर पांच

अरब डॉलर तक पहुंचाने में मदद करेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने इस व्यापार समझौते का स्वागत करते हुए कहा कि यह एफटीए किसानों, युवाओं, महिलाओं, एमएसएमई, कारीगरों, स्टार्टअप एवं नवाचार करने वालों को लाभ पहुंचाएगा तथा कृषि, विनिर्माण एवं प्रौद्योगिकी में सहयोग को मजबूत करेगा। मोदी ने यह भी कहा कि न्यूजीलैंड की 20 अरब डॉलर निवेश की प्रतिबद्धता कृषि, विनिर्माण, नवाचार और प्रौद्योगिकी में द्विपक्षीय सहयोग को और मजबूत करेगी। इससे दोनों देशों के लिए अधिक समृद्ध और गतिशील भविष्य का रास्ता खुलेगा। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने इसे ''पीढ़ियों में एक बार'' होने वाला समझौता करार देते हुए कहा कि इससे निर्यातकों को 1.4 अरब लोगों के भारतीय बाजार तक अभूतपूर्व पहुंच मिलेगी।वर्तमान में यह आंकड़ा करीब 2.4 अरब डॉलर है। इस समझौते के तहत भारत के वस्त्र, परिधान, चमड़ा, जूते, रत्न एवं आभूषण, इंजीनियरिंग उत्पाद और प्रसंस्कृत खाद्य जैसे निर्यातों को न्यूजीलैंड में पूर्ण शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी। पहले न्यूजीलैंड इन पर 10 प्रतिशत तक शुल्क लगाता था।

भारत ने न्यूजीलैंड के लिए 70% शुल्क श्रेणियों पर दी रियायत

दूसरी तरफ, भारत ने न्यूजीलैंड के लिए लगभग 70 प्रतिशत शुल्क श्रेणियों पर रियायत दी है, जो द्विपक्षीय व्यापार के 95 प्रतिशत मूल्य को कवर करती हैं। हालांकि कुछ उत्पादों को समझौते के दायरे से बाहर भी रखा गया है। इनमें डेयरी (दूध, मलाई, दही, पनीर), पशु उत्पाद (भेड़ के मांस को छोड़कर), कृषि वस्तुएं (प्याज, चना, मटर, मक्का, बादाम), चीनी, कृत्रिम शहद, पशु/वनस्पति वसा एवं तेल, हथियार एवं गोला-बारूद, रत्न एवं आभूषण, तांबा एवं उससे बने उत्पाद (कैथोड, कार्ट्रिज, रॉड, कॉइल) तथा एल्युमीनियम एवं उससे जुड़े उत्पाद शामिल हैं। दूसरी तरफ, भारत न्यूजीलैंड के कुछ उत्पादों जैसे लकड़ी, कोकिंग कोल, धातु स्क्रैप, भेड़ का मांस और कच्ची खाल को शुल्क-मुक्त पहुंच देगा। वहीं न्यूजीलैंड से आने वाले पेट्रोलियम तेल, वनस्पति तेल और मशीनरी पर शुल्क चरणबद्ध तरीके से कम किए जाएंगे। कुछ उत्पादों जैसे मनुका शहद, सेब और कीवी पर कोटा-आधारित रियायतें दी गई हैं, जिनमें न्यूनतम आयात मूल्य और अन्य सुरक्षा उपाय शामिल हैं ताकि घरेलू किसानों के हितों की रक्षा हो सके।

न्यूज ब्रीफ

दक्षिण सूडान में विमान हादसा, 14 की मौत

जूबा। दक्षिण सूडान की राजधानी जूबा के बाहरी इलाके में सोमवार को विमानन कंपनी सेसना का एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे उसमें सवार सभी 13 यात्रियों और पायलट की मौत हो गई। नागरिक उड्डयन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि शुरुआती रिपोर्ट से संकेत मिलता है कि खराब मौसम और कम दृश्यता होने के कारण विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया होगा। उन्होंने बताया कि विमान में सवार दो लोग केन्या के नागरिक थे, जबकि बाकी 12 दक्षिण सूडान से थे।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2026 के लिए नामांकन आमंत्रित

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2026 के लिए नामांकन आमंत्रित किये हैं। यह राष्ट्रीय स्तर का एक प्रतिष्ठित पुरस्कार है, जो प्रतिवर्ष देश भर के बच्चों की असाधारण उपलब्धियों को मान्यता देने के लिए प्रदान किया जाता है। यह पुरस्कार उन बच्चों को दिया जाता है, जो वीरता, खेल, सामाजिक सेवा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पर्यावरण और कला एवं संस्कृति के क्षेत्रों में राष्ट्रीय स्तर पर पहचान के पात्र हैं। देश में रहने वाला कोई भी भारतीय नागरिक, जिसकी आयु 31 जुलाई 2026 तक पांच वर्ष से 18 वर्ष से अधिक न हो, इन पुरस्कारों के लिए पात्र है।

कृषि विवि, पंतनगर के कुलपति बने प्रो. शिवेन्द्र कुमार कश्यप

देहरादून। राज्यपाल एवं कुलाधिपति लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने प्रो. शिवेन्द्र कुमार कश्यप को गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पंतनगर का कुलपति नियुक्त किया है। प्रो. शिवेन्द्र कुमार कश्यप को उनके द्वारा कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से 03 वर्ष अथवा 70 वर्ष की आयु पूर्ण होने तक अथवा अग्रिम आदेश तक जो भी पहले हो, तक की अवधि के लिए कुलपति नियुक्त किया गया है। प्रो. शिवेन्द्र कुमार कश्यप वर्तमान में कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में कार्यरत हैं।

ईरान ने परमाणु समझौते के बिना होर्मुज को खोलने का दिया प्रस्ताव

नए प्रस्ताव में अमेरिका से नाकेबंदी समाप्त करने की मांग की

दुबई, एजेंसी

ईरान ने परमाणु समझौता किए बगैर होर्मुज को फिर से खोलने के लिए अमेरिका को प्रस्ताव दिया है। प्रस्ताव की जानकारी रखने वाले दो क्षेत्रीय अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम पर कोई समझौता किए के बिना होर्मुज को खोलने की पेशकश कर रहा है। समझौते को लेकर बंद कमरें में हुई बातचीत के बारे अधिकारियों ने बताया कि ईरान अपने प्रस्ताव में अमेरिका से देश की नाकेबंदी को भी समाप्त करने की मांग कर रहा है।

पाकिस्तान के माध्यम से अमेरिका को भेजे गए इस नए प्रस्ताव को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन मिलने की संभावना नहीं है। ट्रंप ईरान के परमाणु कार्यक्रम को समाप्त करना चाहते हैं, ताकि होर्मुज जलडमरूमध्य सहित एक समग्र समझौते के तहत युद्धविराम को स्थायी रूप दिया जा

सके। ट्रंप ने ''फॉक्स न्यूज चैनल'' से कहा, हमारे पास सभी विकल्प मौजूद हैं। अगर वह बात करना चाहते हैं, तो हमारे पास आ सकते हैं, या हमें बुला सकते हैं। वहीं, ईरानी संसद के प्रवक्ता इब्राहिम रजाई ने सोमवार को ईरान और अमेरिका के बीच वार्ता को लेकर पाकिस्तान की मध्यस्थता पर कड़ी आलोचना करते हुए स्पष्ट रूप से कहा कि ''मध्यस्थता के लिए पाकिस्तान के पास आवश्यक विश्वसनीयता नहीं है। सांसद ने आरोप लगाया कि इस्लामाबाद ''हमेशा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हितों का ध्यान रखता है और अमेरिकियों की इच्छा के विरुद्ध एक शब्द भी नहीं बोलता। पाकिस्तान हमारा एक अच्छा दोस्त और पड़ोसी है, लेकिन वह बातचीत के लिए उपयुक्त मध्यस्थ नहीं है। उन्होंने कहा कि ईरान का मानना है कि एक मध्यस्थ को निष्पक्ष होना चाहिए और दोनों पक्षों को असहज सच बोलने के लिए तैयार रहना चाहिए, जिसमें पाकिस्तान विफल रहा है। वहीं, तेहरान और वाशिंगटन में दूसरे दौर की शांति वार्ता को लेकर जारी अनिश्चितता के बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची रूस की यात्रा पर हैं।

- ईरानी सांसद बोले- पाकिस्तान मध्यस्थ बनने के लायक नहीं, वह अमेरिका के पक्ष में झुका है

टोगो फ्लैग वाले टैंकर पर हमला जहाज में सवार थे 12 भारतीय

ईरान ने टोगो के झंडे वाले केमिकल टैंकर पर हमला किया है। इस जहाज पर कुल 12 भारतीय क्रू मेंबर मौजूद थे। यह घटना ओमान के शिनास पोर्ट के बाहर हुई। जहाज उस समय दूसरे जहाजों के साथ आगे बढ़ रहा था तभी ईरान की कोस्ट गार्ड ने उसे रोक लिया और चेतावनी के तौर पर गोली भी चलाई। इसके बाद जहाज को रोककर जांच की गई। शिपिंग मिनिस्ट्री ने साफ कहा कि किसी भी भारतीय को नुकसान नहीं पहुंचा है।

निलंबित डीआईजी भुल्लर और उनसे जुड़े संगठनों पर छापेमारी

चंडीगढ़। ईडी ने राज्य पुलिस के निलंबित डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर और उनसे जुड़े संगठनों के खिलाफ धन शोधन जांच के तहत सोमवार को पंजाब में कई स्थानों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने बताया कि चंडीगढ़, लुधियाना, पटियाला, नाभा और जालंधर में आरोपी, उसके सहयोगियों और संदिग्ध बेनामीदारों (वे मालिक जिनके नाम पर बेनामी संपत्ति है) से जुड़े लगभग 11 परिसर को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जांच में शामिल किया जा रहा है।

केंद्रीय अर्धसैनिक बल के कर्मियों की टीम ने छापेमारी में जुटी एजेंसी की टीमों को सुरक्षा प्रदान की। एजेंसी ने हाल ही में इस जांच को शुरू करने के लिए प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दाखिल की है। ईडी की जांच सीबीआई द्वारा भुल्लर के खिलाफ दर्ज किए गए एक मामले पर आधारित है, जिसमें उन पर एक आपराधिक मामले के निपटारे के लिए एक बिचौलिए के माध्यम से रिश्वत मांगने और आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति का आरोप है। सीबीआई ने भुल्लर के परिसर से 75 लाख रुपये नकद और 25 किलोग्राम सोने के आभूषण भी जब्त किए थे।

नैनीताल कलेक्ट्रेट की पार्किंग में कार में वकील ने खुद को मारी गोली

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचारः कलेक्ट्रेट पार्किंग क्षेत्र में सोमवार को एक ऐसी घटना सामने आई, जिसने पूरे नैनीताल शहर को स्तब्ध कर दिया। कार के भीतर अधिवक्ता पूरन सिंह भाकुनी का शव संदिग्ध परिस्थितियों मंड मिला। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि उन्होंने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। वहीं, आरोप है कि घटना के बाद करीब तीन घंटे तक न तो अधिवक्ता को अस्पताल पहुंचाया गया और न ही मौके पर डॉक्टरों की टीम को तुरंत बुलाया गया।

इससे पूर्व घटना का खुलासा तब हुआ जब पार्किंग संचालक सागर आर्य को एक पर्यटक ने कार के अंदर बैठे व्यक्ति के कान से खून बहने की सूचना दी। मौके पर पहुंचकर देखा गया कि अधिवक्ता अचेत अवस्था में थे। तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कार के भीतर अधिवक्ता का शव बरामद किया।मौके से एक पिस्टल

- कार के भीतर मिला अधिवक्ता पूरन सिंह भाकुनी का शव
- डैश बोर्ड में मिला सुसाइड नोट, इलाज में देरी पर उठे सवाल

और कार के डैशबोर्ड में रखा एक सुसाइड नोट भी मिला है। नोट में अधिवक्ता ने अपनी गंभीर बीमारी से परेशान होने का जिक्र करते हुए लिखा है कि वह अब जिंदगी की गाड़ी नहीं खींच पा रहे हैं। साथ ही उन्होंने कुमाऊं आयुक्त, डीएम और एसएसपी से अपनी पत्नी का ख्याल रखने की अपील की है। मामले मे एसपी क्राइम डॉ. जगदीश चंद्र ने बताया कि स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी उन्हें दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर वैधानिक कार्रवाई की है। साथ ही फोरेंसिक टीम से जांच भी कराई गई है। मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

मैं घबराया नहीं था, देखना चाहता था घटनाक्रम इसलिए सीक्रेट सर्विस को नहीं किया था सहयोग

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि शनिवार रात 'व्हाइट हाउस करेस्पॉन्डेंट्स एसोसिएशन' के रात्रिभोज के दौरान होटल के बॉलरूम के बाहर हुई गोलीबारी के बाद जब सुरक्षाकर्मी उन्हें बाहर ले जा रहे थे, तब वह खुद देखना चाहते थे कि आखिर क्या हो रहा है।

एक साक्षात्कार में ट्रंप ने वाशिंगटन हिल्टन होटल में गोलीबारी के बाद फैली अफरातफरी का पूरा घटनाक्रम

बताया। जब उनसे पूछा गया कि क्या गोलियों की आवाज सुनकर वह चिंतित थे, तो ट्रंप ने कहा, मैं घबराया नहीं था। मैं जिंदगी को समझता हूं। आजकल की दुनिया में कुछ भी हो सकता है, वह खुद घटनाक्रम को देखना चाहते थे, संभवतः इसी वजह से 'सीक्रेट सर्विस' के कर्मियों को उन्हें सुरक्षित स्थान पर ले जाने में समय लग गया। मैं उनके (सीक्रेट सर्विस के) साथ सहयोग नहीं कर रहा था। मैं जानना चाहता था कि क्या चल रहा है। धीरे-धीरे जब बात समझ में आई, तो लगा कि यह बॉलरूम का शोर नहीं, कुछ और ही मामला है, और गंभीर है।

- ट्रंप ने हिल्टन होटल में गोलीबारी के बाद फैली अफरातफरी का पूरा घटनाक्रम किया बयां

खेत की आग बुझाने के प्रयास में किसान की दर्दनाक मौत

सितारगंज, अमृत विचारः अपने खेत में लगी आग को बुझाने की कोशिश में एक किसान की बुरी तरह झुलसकर मौत हो गई। सोमवार दोपहर यहां तहसील के अंतर्गत ग्राम सैजनी में यह घटना हुई। जानकारी के अनुसार, दोपहर करीब साढ़े तीन बजे किसान गुरबाज सिंह (45) के गेहूं के खेत में रखे भूसे के ढेर में अचानक आग लग गई। आग को फैलता देख गुरबाज उसे बुझाने के लिए दौड़े, लेकिन तेज लपटों ने उन्हें चारों ओर से घेर लिया। वह आग की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गए।

ग्रामीणों की सूचना पर सरकड़ा चौकी इंचार्ज दीपक तिवारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। घायल किसान को तुरंत 108 एंबुलेंस के जरिए उप जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। किसान की मौत से पत्नी मनप्रीत कौर सहित पूरे परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

आप के सात सांसद भाजपा में आधिकारिक तौर पर शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी

राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने आप के सात सांसदों का भाजपा सदस्य माने जाने का अनुरोध सोमवार को आधिकारिक तौर पर स्वीकार कर लिया, जिससे उच्च सदन में अरविंद केजरीवाल की पार्टी आप के सदस्यों की संख्या 10 से घटकर तीन रह गई। इसके साथ ही भाजपा सदस्यों की संख्या बढ़कर 113 हो गई है।

राघव चड्ढा, अशोक मित्तल, हरभजन सिंह, संदीप पाठक, विक्रमजीत साहनी, स्वाति मालीवाल और राजिंदर गुप्ता वे सात सांसद हैं जो आम आदमी पार्टी छोड़ कर भाजपा में शामिल हुए हैं। राज्यसभा की वेबसाइट पर अब इन सातों सांसदों को भाजपा के सदस्यों की सूची में दिखाया गया है। उच्च सदन में पंजाब का प्रतिनिधित्व करने वाले कुल सात सांसदों में से छह भाजपा के साथ हैं और केवल एक सांसद आम आदमी पार्टी के साथ हैं। दिल्ली का प्रतिनिधित्व करने वाले कुल तीन सांसदों में से दो अब आप के साथ हैं जबकि एक भाजपा के साथ है।

- राज्यसभा के सभापति राधाकृष्णन ने आधिकारिक तौर पर किया स्वीकार
- उच्च सदन में अब आप के सदस्यों की संख्या 3 और भाजपा की 113 हुई

बंगाल चुनाव : टीएमसी सांसद पर हमला सीआईएसएफ जवान को लगी गोली

कोलकाता, एजेंसी

दक्षिण पश्चिम बंगाल में हिंसा की अलग-अलग घटनाओं में तौर पर तृणमूल कांग्रेस की एक सांसद पर हमला किया गया और सीआईएसएफ के एक जवान को गोली मार दी गई। राज्य में बुधवार को दूसरे चरण का चुनाव होना है।

हुगली जिले में, आरामबाग की सांसद मिताली बाग ने सोमवार को आरोप लगाया कि जब वह पार्टी नेता अभिषेक बनर्जी की रैली में शामिल होने जा रही थीं, तब गोघाट पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनकी गाड़ी में तोड़फोड़ की। उन्होंने आरोप लगाया कि महिला और दलित जन प्रतिनिधि होने के बावजूद, उन्हें फासीवादी भाजपा द्वारा संरक्षित गुंडों ने निशाना बनाया। भाजपा ने आरोपों का खंडन करते हुए इस घटना को नाटक बताया और इसके बजाय तृणमूल कांग्रेस समर्थकों पर उनके नेता पर हमला करने का आरोप लगाया। निर्वाचन आयोग ने मामले में रिपोर्ट मांगी गई है। एक अन्य घटना में, रविवार देर रात उत्तरी 24 परगना के भाटपारा में भाजपा उम्मीदवार पवन सिंह के आवास के बाहर हुई गोलीबारी में सीआईएसएफ का एक जवान घायल हो गया।

- बुधवार को दूसरे चरण के मतदान से पूर्व कई जगह हुईं घटनाएं

चुनाव बाद 60 दिन तक तैनात रहेंगे केंद्रीय सुरक्षा बल

कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद 60 और दिन तक केंद्रीय सुरक्षा बल तैनात रहेंगे। उन्होंने मतदाताओं से चुनाव के अंतिम चरण में 'दीदी के गुंडों' से डरे बिना मतदान करने की अपील की। शाह बेहाला में रोड शो के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे, जहां 29 अप्रैल को दूसरे और अंतिम चरण में मतदान होना है। कहा कि वोट जरूर दीजिएगा, गुंडों से डरने की जरूरत नहीं है।

मुलाकात | मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दिल्ली में पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी से की भेंट

चारधाम यात्रा में गैस आपूर्ति सुचारु रखने का अनुरोध

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी से नई दिल्ली स्थित कर्तव्य भवन में भेंट कर उत्तराखंड की भौगोलिक परिस्थितियों एवं आपदाजन्य संवेदनशीलता के दृष्टिगत विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की।

केंद्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री द्वारा प्रस्तुत सभी प्रस्तावों पर सकारात्मक विचार करते हुए आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन प्रदान किया तथा राज्य के हितों के प्रति केंद्र सरकार

नई दिल्ली में केन्द्रीय मंत्री हरदीप पुरी से मिलते उत्तराखंड के मुख्यमंत्री धामी।

की प्रतिबद्धता को पुनः दोहराया। मुख्यमंत्री ने चारधाम यात्रा के निर्बाध, सुरक्षित एवं सुचारू संचालन के लिए व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडरों की आपूर्ति को पूर्ववत् 100 प्रतिशत बनाए रखने का अनुरोध किया। उन्होंने अवगत कराया कि राज्य में अप्रैल से नवम्बर तक संचालित होने वाली चारधाम यात्रा के दौरान देश-विदेश से लाखों श्रद्धालुओं का आगमन होता है, जिससे व्यावसायिक एलपीजी की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। इस अवधि में राज्य को लगभग 9,67,949 व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडरों की आवश्यकता होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जून से सितम्बर के मध्य मानसून अवधि में राज्य को प्रतिवर्ष प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ता है। पर्वतीय भू-भाग एवं दुर्गम परिस्थितियों के कारण आपदा प्रबंधन एवं राहत कार्यों में एलपीजी गैस की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। इस परिप्रेक्ष्य में उन्होंने व्यावसायिक सिलेंडरों का अतिरिक्त 5 प्रतिशत (लगभग 48,397 सिलेंडर) आवंटन सुनिश्चित किए जाने का अनुरोध किया, ताकि राहत एवं बचाव कार्यों का प्रभावी एवं त्वरित क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था मुख्यतः पर्यटन आधारित है, जिसमें धार्मिक पर्यटन, तीर्थाटन एवं साहसिक पर्यटन का महत्वपूर्ण योगदान है। चारधाम यात्रा राज्य की आस्था, सांस्कृतिक पहचान एवं आर्थिक गतिविधियों का प्रमुख आधार है।

स्टेट ब्रीफ

उत्तराखंड विस का विशेष सत्र आज

देहरादून : उत्तराखंड विधानसभा का एक दिवसीय विशेष सत्र आज आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में धामी सरकार की तरफ से सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। वहीं, विधायी विभाग की ओर से इस संदर्भ में सभी विभागों को दिशा निर्देश दिए गए हैं। विशेष सत्र के दौरान कोई भी विधायी कार्य नहीं होगा। मिली जानकारी के अनुसार, सत्र में संसद और विधानसभाओं में 33 फीसदी महिला आरक्षण पर चर्चा की जाएगी और विपक्ष की ओर से संसद में इस प्रस्ताव को पारित न होने देने के लिए निंदा प्रस्ताव भी लाया जाएगा। प्रमुख सचिव विधायी सहदेव सिंह की ओर से सभी विभागों के सचिव और प्रमुख सचिवों को एक दिवसीय विशेष सत्र के लिए नोडल अफसर तैनात करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

सीएस ने गर्मी के साथ विद्युत मांग बढ़ने पर यूपीसीएल के साथ की उच्चस्तरीय बैठक, यूपीसीएल उपभोक्ताओं को निर्बाध आपूर्ति के लिए प्रतिबद्ध

ऐतिहासिक स्तर पर पहुंची बिजली की मांग, शासन उठाएगा ठोस कदम

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

सचिवालय में अधिकारियों के साथ बैठक करते मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन।

अमृत विचारः वर्तमान समय में देश भर में पड़ रही भीषण गर्मी एवं हीट वेव के कारण विद्युत मांग ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गई है। विगत 24 अप्रैल को भारत की अधिकतम विद्युत मांग लगभग 252 गीगावाट दर्ज की गई, जो लगभग 250 गीगावाट के पूर्व रिकॉर्ड से अधिक है। पिछले वर्ष जून 2025 में यह मांग लगभग 242 गीगावाट रही थी, जबकि वित्तीय वर्ष 2026-27 में यह मांग 270 से 277 गीगावाट तक पहुंचने का अनुमान है।

इसी क्रम में उत्तराखंड राज्य में भी 24 अप्रैल 2028 को अधिकतम मांग 2646 मेगावाट तथा 25 अप्रैल 2026 को 2647 मेगावाट दर्ज की गई है।

इसी मामले को लेकर मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन की अध्यक्षता में सोमवार को राज्य में विद्युत आपूर्ति की वर्तमान स्थिति की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। मुख्य सचिव ने मई एवं जून माह में निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए अतिरिक्त विद्युत प्रबंधन के लिए ठोस कदम उठाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्व में ही सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान बताया गया कि देशभर में हीट वेव के प्रभाव से विद्युत मांग में तीव्र वृद्धि हुई है, वहीं अंतर्राष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण गैस की सीमित उपलब्धता से राज्य के गैस आधारित संयंत्रों से उत्पादन प्रभावित हुआ है। नदियों में जल स्तर में कमी से जल विद्युत उत्पादन में गिरावट आई है। चालू वित्तीय वर्ष में औसतन 5 फीसद की मांग वृद्धि दर्ज की जा रही है। उपभोक्ताओं द्वारा इंडक्शन कुकर एवं अन्य विद्युत उपकरणों के बढ़ते उपयोग से अतिरिक्त 50 से 100 मेगावाट तक का लोड भी सिस्टम पर आया है, जिससे पीक डिमांड के समय दबाव और बढ़ा है।

अत्यधिक मांग के कारण विद्युत की उपलब्धता सीमित

देश के 40 से अधिक शहरों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया है। उत्तर एवं मध्य भारत में सामान्य से अधिक तापमान के कारण घरेलू एवं वाणिज्यिक क्षेत्रों में एयर कंडीशनर, कूलर एवं अन्य विद्युत उपकरणों के उपयोग में तीव्र वृद्धि हुई है, जिससे बिजली की मांग में अभूतपूर्व उछाल आया है। इस अत्यधिक मांग के कारण राष्ट्रीय स्तर पर पीक आवर्स के दौरान विद्युत की उपलब्धता सीमित हो रही है। यहां तक कि ऊर्जा एक्सचेंज में अधिकतम निर्धारित दर 10 प्रति यूनिट पर भी पर्याप्त विद्युत उपलब्ध नहीं हो पा रही है।

आने वाले दिनों में आपूर्ति और सुदृढ़ होने की उम्मीद

देहरादून : राज्य सरकार के सक्रिय प्रयासों से भारत सरकार द्वारा केन्द्रीय पूल से अतिरिक्त 150 मेगावाट विद्युत उपलब्ध कराने का आश्वासन प्राप्त हुआ है, जिससे आगामी दिनों में आपूर्ति व्यवस्था और सुदृढ़ होने की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त, ऊर्जा एक्सचेंज के माध्यम से अग्रिम रूप से विद्युत क्रय की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है, ताकि उपभोक्ताओं पर न्यूनतम प्रभाव पड़े। यूपीसीएल ने सभी उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे बिजली का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करें, विशेषकर पीक आवर्स (शाम के समय) में अनावश्यक विद्युत उपकरणों के उपयोग से बचें, ताकि सभी को समान रूप से विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

जंगलों में आग लगाने वालों पर होगी कार्रवाई

देहरादून : मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने कहा कि फारेस्ट फायर के संबंध में रिस्पांस टाइम लगातार कम करने के लगातार प्रयास किए जाएं। उन्होंने जानबूझ कर जंगलों में आग लगाने वालों पर भी कठोर कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए। साथ ही मुख्य सचिव ने कुंभ मेला 2027 की तैयारियों की भी जानकारी ली। उन्होंने कुंभ 2027 से संबंधित कार्यों की शासनादेश शीघ्र से शीघ्र जारी किए जाने के निर्देश दिए ताकि निर्माण कार्यों को समय से पूर्ण किया जा सके।

जन हित को प्राथमिकता देते हुए आगे बढ़ाएं विकास कार्य

मुख्यमंत्री धामी ने उत्तराखंड भवन, नई दिल्ली में की बैठक

नई दिल्ली में लैंड पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अधिकारियों के साथ बैठक करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

प्रमुख संवाददता, देहरादून

अमृत विचारः मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि विकास कार्यों को स्थानीय आवश्यकताओं एवं जनहितों को प्राथमिकता देते हुए आगे बढ़ाया जाए, जिससे स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा मिलेगा तथा क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती प्राप्त होगी। सीएम धामी नई दिल्ली स्थित उत्तराखंड भवन में लैंड पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष जयंत सिंह व अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए अपनी बात रख रहे थे।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने चम्पावत के बनबसा (गुदमी) क्षेत्र में भारत-नेपाल सीमा पर निर्माणाधीन आधुनिक लैंड पोर्ट परियोजना की प्रगति की जानकारी ली। इस परियोजना को एशियन हाईवे से जोड़कर अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री सीएम धामी ने भारत-नेपाल सीमा पर स्थित उत्तराखंड राज्य के पिथौरागढ़ जनपद के सीमावर्ती क्षेत्रों धारचूला एवं झूलाघाट में सीमा व्यापार, आवागमन तथा आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ किए जाने से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की।

सीमावर्ती क्षेत्रों के उत्पादों को बेहतर बाजार मिलेगा

मुख्यमंत्री के मुताबिक, इससे सीमावर्ती क्षेत्रों के उत्पादों को बेहतर बाजार उपलब्ध हो सकेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी, जिससे सुगमता के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित हो सकेंगे। मुख्यमंत्री ने लैंड पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया को सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थानीय निवासियों की सुविधा के लिए चल रहे कार्यों को समयबद्ध एवं सुव्यवस्थित ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए।

ये है नए भारत की तेज रफ्तारः मुख्यमंत्री धामी

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

- मुख्यमंत्री ने ढाई घंटे में पूरा किया इकोनॉमिक कॉरिडोर से दिल्ली से देहरादून का सफर

दिल्ली-दून इकोनॉमिक कॉरिडोर पर मुख्यमंत्री धामी।

अमृत विचारः मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दिल्ली दौरे के बाद सड़क मार्ग से लौटते हुए दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर का अनुभव साझा किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने दिल्ली से देहरादून का सफर महज करीब ढाई घंटे में पूरा किया, जो पहले की तुलना में बेहद कम समय है।

मुख्यमंत्री धामी ने इस दौरान केंद्र सरकार और विशेष रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी का उत्कृष्ट उदाहरण है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में जिस गति से सड़क और परिवहन सुविधाओं का विकास हो रहा है, यह उसी का परिणाम है। अब उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्यों को भी इसका सीधा लाभ मिल रहा है। कहा कि दिल्ली-देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर न केवल यात्रा समय को कम कर रहा है, बल्कि पर्यटन, निवेश और स्थानीय रोजगार के नए अवसर भी पैदा कर रहा है। इससे चारधाम यात्रा समेत राज्य के प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थलों तक पहुंच और अधिक सुगम होगी। मुख्यमंत्री ने इसे नए भारत की नई रफ्तार बताते हुए कहा कि इस तरह की परियोजनाएं उत्तराखंड के समग्र विकास में मील का पत्थर साबित हो रही हैं।

एनर्जी प्लांट्स शीघ्र हों संचालित

देहरादून : मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने प्रदेश के सभी कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट्स और वेस्ट टू एनर्जी प्लांट्स को शीघ्र तैयार कर संचालित किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग सिस्टम को भी शीघ्र से शीघ्र शुरू क्या जाए, ताकि डोर टू डोर कूड़ा उठान कार्य की निगरानी सुनिश्चित की जा सके।

सोमवार को सचिवालय में स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 की समीक्षा की। बैठक के दौरान विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। इस दौरान मुख्य सचिव बर्द्धन ने प्रदेश में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए कम्पलीट मैकेनिज्म तैयार किए जाने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए शीघ्र कार्ययोजना प्रस्तुत किए जाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही, उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन के तहत अधिकारियों को चारधाम यात्रा मार्गों एवं जनपदों के प्रवेश मार्गों पर ठोस अपशिष्ट के निस्तारण के लिए अतिरिक्त फंड्स उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने चारधाम यात्रा मार्गों एवं चारों धामों के आसपास स्वच्छता बनाए रखने के लिए जिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने पूरे प्रदेश सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट द्वारा उपचारित जल को गैर पेयजल कार्यों में उपयोग किए जाने के निर्देश दिए हैं।

वित्तीय साक्षरता सशक्त बनाएंः संजय मल्होत्रा

वित्तीय साक्षरता कैंप का जायजा लेते आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा।

प्रमुख संवाददाता, देहरादून

अमृत विचारः भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने देहरादून जिले के भोपालपानी, बडासी और सोडा सरौली ग्राम पंचायतों के स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों के लिए क्रिसिल फाउंडेशन के सहसपुर स्थित वित्तीय साक्षरता केंद्र (सीएफएल) द्वारा आयोजित वित्तीय साक्षरता शिविर का दौरा किया।

इस मौके पर उन्होंने वित्तीय साक्षरता के महत्व पर ज़ोर देते हुए नागरिकों को सशक्त बनाने की बात कही। उन्होंने वित्तीय जागरूकता, समृद्धि और दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता को बढ़ावा देने, भारत सरकार की विभिन्न पेंशन तथा बीमा संबंधित सामाजिक योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने सीएफएल अधिकारियों से समाज के सभी वर्गों, विशेष रूप से दूरदराज और वंचित क्षेत्रों में रहने वालों को शिक्षित करने के लिए और अधिक प्रयास करने का आह्वान किया, ताकि वित्तीय समावेशन सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने प्रतिभागियों से ऐसे शिविरों के दौरान प्राप्त वित्तीय जागरूकता को अपने परिवार के सदस्यों, मित्रों और पड़ोसियों के साथ साझा करने का आग्रह किया। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के सदस्यों से भी बातचीत की। इस मौके पर क्षेत्रीय निदेशक, आरबीआई, देहरादून अरविंद कुमार सहित भारतीय रिज़र्व बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, उत्तराखंड ग्रामीण बैंक के वरिष्ठ अधिकारी तथा ब्लॉक विकास अधिकारी उपस्थित रहे।

पुत्र-पुत्रवधू पर सीडीओ ने की एक्ट में कार्यवाही

देहरादूनः राजधानी में सोमवार को मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) अभिनव शाह की अध्यक्षता में आयोजित जनता दरबार में विभिन्न विषयों से संबंधित 167 समस्याएं दर्ज कराई गईं। शिकायतों में से अधिकांश का मौके पर ही समाधान किया गया, जबकि शेष प्रकरणों को संबंधित विभागों को अग्रसारित करते हुए विधि सम्मत एवं त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

इस दौरान, एक बुजुर्ग दंपती ने अपने पुत्र और पुत्रवधू पर मारपीट करने की शिकायत की। इस पर तत्काल वरिष्ठ नागरिक अधिनियम के अंतर्गत कार्यवाही के आदेश दिए गए। एक अन्य बुजुर्ग ने भी अपने पुत्र पर मारपीट एवं दुर्व्यवहार करने की शिकायत दर्ज कराई, उसके खिलाफ इसी अधिनियम में कार्यवाही के आदेश दिए गए। तीसरे मामले में भी एक महिला ने अपने पुत्र व बहू पर उत्पीड़न की शिकायत की, जिस पर एसडीएम को भरण-पोषण अधिनियम में वाद दायर करने के निर्देश दिए गए।

लोकसभा अध्यक्ष पहुंचे कॉर्बेट

संवाददाता, हल्द्वानी/रामनगर

रामनगर में पहुंचे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का स्वागत करते सांसद अजय भट्ट।

अमृत विचार : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला सोमवार को रामनगर पहुंचे। वह जनपद नैनीताल के पांच दिवसीय दौरे पर हैं।

सोमवार को रामनगर पहुंचे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला का सांसद अजय भट्ट, डीएम ललित मोहन रयाल, अपर प्रमुख वन संरक्षक विवेक पांडे, एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी, कॉर्बेट पार्क के निदेशक साकेत बडोला ने स्वागत किया। सांसद भट्ट ने कुमाउनी टोपी पहना और शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया। लोकसभा अध्यक्ष बिड़ला 27-28 अप्रैल को जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क में ही रात्रि विश्राम करेंगे। वह 29 अप्रैल (बुधवार) को सुबह 10 पार्क से प्रस्थान कर दोपहर 12 बजे नैनीताल पहुंचेंगे।

फिर दोपहर 12:30 बजे से एटीआई में वन पंचायत के प्रतिनिधियों के साथ वार्ता करेंगे। दोपहर में विश्राम के बाद वह शाम चार बजे से एटीआई में ही पंचायती राज संस्थाओं और शहरी स्थानीय निकायों के निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ वार्ता करेंगे।

शाम को 6 नैना देवी मंदिर के दर्शन कर स्थानीय दर्शनीय स्थलों का भ्रमण करेंगे और रात्रि विश्राम नैनी रिट्रीट में करेंगे। वह 30 अप्रैल (गुरुवार) को सुबह 10 बजे भवाली में कैंचीधाम जाएंगे और नैनीताल का स्थानीय भ्रमण करेंगे। वह 1 मई (शुक्रवार) को सुबह 9:30 बजे सड़क मार्ग से नैनीताल से दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे।

मसूरी में ट्रैफिक सुधार को बनाएं हाईपावर कमेटी

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचारः हाईकोर्ट ने पहाड़ों की रानी मसूरी में जाम और यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए सोमवार को बेहद अहम निर्णय जारी किया है।

वरिष्ठ न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी और न्यायमूर्ति सिद्धार्थ साह की खंडपीठ ने मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन को निर्देश दिए हैं कि वह दो सप्ताह के अंदर हाईपावर कमेटी गठित करें। कमेटी आठ सप्ताह में सभी पक्षकारों से बात कर सरकार को रिपोर्ट पेश करे। कमेटी में प्रमुख सचिव गृह, प्रमुख सचिव शहरी विकास और प्रमुख सचिव पर्यटन को शामिल करने के निर्देश दिए गए हैं।

खंडपीठ ने कहा कि कमेटी समस्या के समाधान के लिए सभी पक्षकारों के साथ सार्वजनिक सुनवाई (पब्लिक हियरिंग) करेगी और सभी के सुझाव के बाद आठ सप्ताह में रिपोर्ट तैयार की जाएगी।

अदालत ने कहा कि जन सुनवाई से पूर्व कमेटी एक सार्वजनिक सूचना जारी करेगी। जनसुनवाई में पर्यटन कारोबार से जुड़े सभी पक्षकारों, संगठनों, होटल स्वामियों, शहर के सुधी नागरिकों के साथ ही सभी एसोसिएशनों को शामिल करने के निर्देश दिए गए हैं। कमेटी रिपोर्ट सरकार को सौंपेगी और उस पर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

केंद्र के अधिकार में आता है बिजली उत्पादन कर

नैनीताल : हाईकोर्ट ने जल विद्युत कंपनियों पर बिजली उत्पादन कर (जनरेशन ऑफ इलेक्ट्रिसिटी टैक्स) लगाने के मामले में स्पष्ट कहा कि यह राज्य सरकार का विषय नहीं बल्कि केंद्र सरकार के अधिकार में आता है। मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति आलोक कुमार वर्मा की पीठ ने विभिन्न हाइड्रो पावर कंपनियों के पक्ष में फैसला सुनाया है। पीठ ने कहा कि विद्युत उत्पादन पर कर लगाना राज्य सूची का विषय नहीं है, इसलिए सरकार द्वारा लगाया गया वाटर टैक्स असंवैधानिक है। इससे पहले एकलपीठ ने 'उत्तराखंड वाटर टैक्स ऑन इलेक्ट्रिसिटी जनरेशन एक्ट, 2012' को वैध ठहराते हुए विद्युत उत्पादन कंपनियों की याचिकाएं खारिज कर दी थीं। हाइड्रो पावर कंपनियों की ओर से पीठ के आदेश के खिलाफ विशेष अपील दायर की गई। विशेष अपीलों पर पूर्व मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी और न्यायमूर्ति रवीन्द्र मैठाणी की खंडपीठ में हुई सुनवाई इस मामले में विभाजित नजर आयी और अलग-अलग मंतव्य दिए। इसके बाद मामले को पुन: विचार के लिए तीसरे न्यायमूर्ति आलोक कुमार वर्मा की पीठ को संदर्भित किया गया, जिस पर अंतिम निर्णय सामने आया है।

हाईकोर्ट ने मांगा आय-व्यय का ब्योरा

नैनीताल : हाईकोर्ट ने उत्तराखंड क्रिकेट एसोसिएशन (यूसीए) में कथित वित्तीय गड़बड़ियों को लेकर दायर याचिकाओं पर सोमवार को सुनवाई करते हुए यूसीए को निर्देश दिए कि बीसीसीआई से मान्यता मिलने के बाद से अब तक का वर्षवार आय-व्यय का पूरा ब्योरा शपथपत्र के माध्यम से पेश करें। धीरज भंडारी की याचिका पर न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की पीठ में सुनवाई हुई। अदालत ने स्पष्ट कहा कि वित्तीय पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए आय व्यय का ब्योरा जरूरी है। साथ ही, कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं को भी निर्देशित किया कि वे जिन दस्तावेजों के आधार पर आरोप लगा रहे हैं, उन्हें भी शपथपत्र के साथ अदालत में दाखिल करें।

सिटी इंवेंट्स

- कांग्रेस का नैनीताल रोड स्थित अंबेडकर पार्क में धरना प्रदर्शन 10 बजे
- आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का मांगों को लेकर बुद्ध पार्क में धरना 10 बजे
- जनसमस्याओं पर जन सुनवाई करेंगे प्रशासनिक अधिकारी 11 बजे

सिटी ब्रीफ

बनभूलपुरा अतिक्रमण मामले में सुनवाई आज

हल्द्वानी : बनभूलपुरा अतिक्रमण मामले में आज (मंगलवार) सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होगी। मामले में पीएम आवास का लाभ लेने के लिए पात्रता सूची के लिए प्रभावितों से आवेदन मांगे गए थे। 20 मार्च से 1 अप्रैल तक चले इस विशेष अभियान के तहत कैंप लगाकर फॉर्म जमा किए गए। जो लोग आवेदन फॉर्म जमा नहीं कर पाए थे, उनके लिए 2 और 4 अप्रैल को नगर निगम कार्यालय में फॉर्म जमा हुए। इसके तहत 6 हजार से अधिक फार्म जमा हुए।

हल्द्वानी में 28 वर्षों से सेहत की नई अलख जगा रहे रमेश सती, एक कप चाय 10-15 रु. की मिलती है, 10-20 रु. में दे रहे जूस

सेहतमंद बनाने का 'नशा' है रमेश को, पिला रहे जड़ी-बूटियों की ड्रिंक

- सीधे पेड़ों और जड़ों से निकली औषधियों से बनाते हैं जूस
- अधेड़-बुजुर्गों के साथ ही युवा भी पहुंचते हैं स्टाल पर

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: भाग दौड़ वाली जिंदगी, जंक फूड का कल्चर, बेपटरी लाइफस्टाइल और युवाओं में बढ़ता नशे का शौक- एक नजर में कुछ ऐसी दिखने वाली उत्तराखंड की तस्वीर अब बदल रही है। इस बदलाव में रमेश सती जैसे लोग अहम भूमिका में हैं। रमेश सती को नशा धन कमाने का नहीं बल्कि लोगों को सेहतमंद बनाने का है। नैनीताल जिले में स्थित कुमाऊं मंडल के सबसे बड़े शहर और प्रमुख व्यावसायिक केंद्र हल्द्वानी से एक संदेश निकल रहा है जो प्रेरित करने वाला है।

ग्राहकों को जूस पिलाते रमेश चंद्र (बीच में)। ● अमृत विचार

हल्द्वानी के छड़ायल निवासी रमेश सती पिछले 28 वर्षों से सेहत की एक नई अलख जगा रहे हैं। आईटीआई रोड के किनारे लगने वाला उनका 'धन्वंतरी आयुर्वेदिक जूस सेंटर' महज एक स्टॉल नहीं, बल्कि सेहतमंद होने का एक सेंटर बन चुका है। जब शहर गहरी नींद में होता है, रमेश सती सुबह 5 बजे से ही अपने काम में जुट जाते हैं।

सुबह 8 बजे तक चलने वाले इस स्टॉल पर प्रकृति का खजाना मिलता है। उनके पास कोई कोल्ड ड्रिंक या प्रिजर्वेटिव वाली चीजें नहीं, बल्कि सीधे पेड़ों और जड़ों से निकली औषधियां हैं। उनके स्टॉल पर सिर्फ 50 साल से ऊपर के मॉर्निंग वॉकर्स ही नहीं, बल्कि अब अपनी फिटनेस को लेकर जागरूक युवा भी पहुंच रहे हैं। स्थानीय लोगों के लिए रमेश सती स्वरोजगार के एक बेहतरीन उदाहरण तो हैं ही, साथ ही वह एक ''हेल्थ इन्फ्लुएंसर'' की भूमिका भी बखूबी निभा रहे हैं।

20 से अधिक जड़ी-बूटियों की ड्रिंक

रमेश सती नीम, करी पत्ता, गिलोय, पारिजात, सहजन (मुनगा), अर्जुन की छाल, कच्ची हल्दी और एलोवेरा जैसी 20 से अधिक जड़ी-बूटियों का मिश्रण तैयार करते हैं। आज के दौर में जहां एक कप चाय भी 10-15 रुपये की मिलती है, रमेश जी मात्र 10 से 20 रुपये में आयुर्वेदिक जूस उपलब्ध कराते हैं। उनका उद्देश्य मुनाफा कमाना नहीं, बल्कि हर वर्ग- चाहे वो मजदूर हो या अधिकारी- तक आयुर्वेद को पहुंचाना है। सती कहते हैं, लोग कच्चा खाना और प्राकृतिक चीजें भूल चुके हैं, मेरा प्रयास बस उन्हें फिर से प्रकृति से जोड़ना है।

अच्छी सेहत का कोई शॉर्टकट नहीं

हल्द्वानी के वर्तमान माहौल में, जहां नशा एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा है, रमेश सती का यह काम एक बड़ा सामाजिक संदेश देता है। वह युवाओं से भावुक अपील करते हुए कहते हैं- नशा शरीर को खोखला करता है, जबकि आयुर्वेद उसे फौलाद बनाता है। आज का युवा शॉर्टकट खोज रहा है, लेकिन अच्छी सेहत का कोई शॉर्टकट नहीं होता। नशे की लत से बेहतर है कि आप आयुर्वेद की लत लगाएं, जिसका कोई साइड इफेक्ट नहीं, सिर्फ फायदे ही फायदे हैं।

पोल से टकराई कार बुजुर्ग चालक घायल

हल्द्वानी : तेज रफ्तार स्कॉर्पियो और कार के बीच टक्कर के बाद बेकाबू कार पोल से टकरा गई। हादसे में कार चला रहे बुजुर्ग चालक मामूली रूप से घायल हो गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया। पुलिस घटना के कारणों की जांच कर रही है।

सोमवार को हीरानगर स्थित पर्वतीय उत्थान मंच की आंतरिक सड़क से आ रही एक कार और स्कॉर्पियो में अचानक जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर लगते ही कार सीधा आगे बिजली के बोल से जा टकराई और बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। पोल से टकराते ही कार के एयरबैग खुल गए और बुजुर्ग कार चालक बड़े हादसे का शिकार होने से बच गए। घटना में स्कॉर्पियो को भी आंशिक नुकसान हुआ है। हादसे के बाद स्कॉर्पियो चालक ने बुजुर्ग कार चालक को अस्पताल पहुंचाया।

खराब सड़क ने ली जान, वाहन खाई में गिरा, दो मरे

गंभीर घायल तीन लोगों को हायर सेंटर किया रेफर, जर्जर सड़क बनी हादसे का कारण

संवाददाता, धानाचूली

अमृत विचार: धारी तहसील के ग्राम दुदुली में मंगलवार दोपहर दर्दनाक सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए। जिनमें से तीन की हालत गंभीर है। यह हादसा दुदुली-बबियाड़ मोटर मार्ग पर करीब 12:30 से 1 बजे के बीच हुआ। सड़क की खराब हालत को दुर्घटना का संभावित कारण माना जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, मैक्स वाहन संख्या यूके 04 टीए 1446 में चालक सहित छह लोग सवार थे। दुदुली के पास अचानक वाहन अनियंत्रित होकर सड़क से करीब 100 मीटर नीचे गहरी खाई में जा गिरा, जिससे वाहन के परखच्चे उड़ गए। हादसा इतना भीषण था कि मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए राहत कार्य शुरू किया और घायलों को वाहन से बाहर निकालकर 108 एम्बुलेंस व निजी वाहनों की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पदमपुरी पहुंचाया।

हादसे में लता देवी (40) पत्नी दिनेश चंद्र शर्मा निवासी दुदुली, तथा हरीश चंद्र बेलवाल (52) पुत्र भैरव दत्त बेलवाल निवासी अम्दौ को गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घायलों में दिनेश चंद्र शर्मा (48), कमल शर्मा (23) (वाहन चालक), निवासी दुदुली तथा नेहा बेलवाल (17) और सुभाष बेलवाल (13), निवासी अम्दौ शामिल हैं। इनमें से तीन की हालत गंभीर होने पर उन्हें हायर सेंटर, हल्द्वानी रेफर किया गया है, जबकि दिनेश शर्मा को मामूली चोटें आई हैं। बताया जा रहा है कि यह वाहन रोजाना क्षेत्र के स्कूलों के शिक्षकों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने का कार्य करता था। घटना के समय भी वाहन शिक्षकों को छोड़ने के बाद वापस पदमपुरी की ओर लौट रहा था, तभी रास्ते में यह हादसा हो गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, पदमपुरी में प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. हिमांशु कांडपाल के नेतृत्व में डॉ. नेहल रतन एवं टीम ने घायलों का उपचार किया।

दुदुली दुर्घटना के घायल को अस्पताल लाते लोग। ● अमृत विचार

पिता की मौत से अनजान बच्चे हायर सेंटर रेफर

धानाचूली : हादसे ने कई परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया है। दिनेश शर्मा, जिन्होंने इस दुर्घटना में अपनी पत्नी को खो दिया, स्वयं घायल होने के बावजूद शोक में डूबे हैं। वहीं, हरीश चंद्र बेलवाल, जो अपने बच्चों के साथ सफर कर रहे थे, इस हादसे में जिंदगी हार गए। उनके बच्चे नेहा और सुभाष, जिन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया है, अभी तक इस सच्चाई से अनजान हैं।

महिला छत से सिर के बल नदी में गिरी, मौत

हल्द्वानी : छत पर सूख रही रजाई उठाने गई महिला बड़े हादसे का शिकार हो गई। छत से उतरते वक्त उसका संतुलन बिगड़ा और वह सीधा सिर के बल नदी में जा गिरी। उसके सिर पर गंभीर चोट आई। उसे उपचार के लिए डॉ.सुशीला तिवारी राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया, जहां तीन दिन बाद उसकी मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। पुलिस के मुताबिक, अल्मोड़ा जिले के सुयालबाड़ी के पास नैनीपुल में संजय सुनाल अपनी 45 वर्षीय पत्नी मीना, 13 और 9 साल के दो बच्चों के साथ रहते थे। बताया जाता है कि बीते गुरुवार को मीना ने रजाई सुखाने के लिए छत पर डाली दी। सूखने के बाद वह रजाई लेने छत पर गई थी। भारी रजाई को लेकर मीना छत से नीचे उतर रहीं थी कि तभी उनका संतुलन बिगड़ गया और वह घर के पीछे स्थित नदी में जा गिरी। सिर पर गंभीर चोट आने के बाद मीना को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे तुरंत एसटीएच रेफर कर दिया गया। यहां उपचार के दौरान रविवार को उसकी मौत हो गई।

नैनीताल में शव की तलाश करतीं पुलिस और फॉरेंसिक टीम। ● अमृत विचार

पांच दिन बाद खाई में मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

नैनीताल : रानीखेत के बिनसर निवासी एक युवक के नैनीताल से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने के पांच दिन बाद उसका शव शहर के टूटा पहाड़ क्षेत्र के जंगल से बरामद हुआ है। परिजनों ने युवक के दोस्तों पर हत्या का गंभीर आरोप लगाया है। दीपक उपाध्याय बीते बुधवार को तल्लीताल रोडवेज स्टेशन क्षेत्र से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया था। परिजनों द्वारा गुमशुदगी दर्ज कराने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और युवक की तलाश में व्यापक सर्च अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने आसपास लगे 20 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, लेकिन शुरुआती चार दिनों तक युवक का कोई सुराग नहीं लग पाया। जांच के दौरान पुलिस ने युवक के साथ आखिरी बार देखे गए उसके तीन दोस्तों को हिरासत में लेकर पूछताछ भी की, लेकिन कोई ठोस निष्कर्ष सामने नहीं आया। सोमवार को सर्च ऑपरेशन के दौरान पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने टूटा पहाड़ क्षेत्र में करीब 80 मीटर गहरी खाई से युवक का शव बरामद किया। शव की बरामदगी के बाद मामले ने नया मोड़ ले लिया है। मृतक के भाई ने आरोप लगाया है कि दीपक के दोस्तों का इस घटना में हाथ हो सकता है। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया है। टीम द्वारा घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं, ताकि मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं थानाध्यक्ष मनोज नयाल ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फोरेंसिक जांच के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो पाएगा।

जंगली जानवर के हमले में हुई थी कमल की मौत

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- शुक्रवार सुबह भदूनी गांव के जंगल में मिला था कमल का छत-विक्षत शव
- जताई गई थी हत्या की आशंका, टाइगर किलिंग है या नहीं, स्पष्ट नहीं

अमृत विचार : भदूनी गांव निवासी 30 वर्षीय कमल बिष्ट की मौत के मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद तस्वीर साफ हो गई है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि यह हत्या नहीं, बल्कि जंगली जानवर के हमले से हुई मौत है।

हालांकि अब तक यह तय नहीं हो पाया है कि हमला टाइगर ने किया या किसी अन्य वन्यजीव ने। जानकारी के अनुसार 23 अप्रैल को कमल बिष्ट एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे। देर रात वह जंगल के रास्ते घर लौट रहे थे, लेकिन अगले दिन सुबह करीब साढ़े नौ बजे उनका शव घर से कुछ दूरी पर जंगल में पड़ा मिला। शव की हालत बेहद भयावह थी। धड़ और सिर अलग-अलग स्थानों पर पाए गए, चेहरा बुरी तरह क्षत-विक्षत था और सीने का बड़ा हिस्सा गायब था।

कमल (फाइल फोटो)।

घटना के बाद इलाके में दहशत फैल गई थी। शुरुआती स्थिति को देखते हुए हत्या की आशंका जताई जा रही थी, जबकि ग्रामीण इसे टाइगर किलिंग मान रहे थे। इस मामले को लेकर पुलिस और वन विभाग के बीच भी मतभेद की स्थिति बन गई थी। ऐसे में मौत के सही कारण का पता लगाने के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा था। एसपी क्राइम डॉ. जगदीश चंद्र ने बताया कि विशेषज्ञ चिकित्सकों के पैनल द्वारा शव का पोस्टमार्टम वीडियोग्राफी के साथ किया गया।

रिपोर्ट में मल्टीपल इंजरी के साथ जंगली जानवर के हमले की पुष्टि हुई है। साथ ही किसी भी प्रकार की आपराधिक घटना के साक्ष्य नहीं मिले हैं। फिलहाल वन विभाग हमले में शामिल वन्यजीव की पहचान करने में जुटा है, जबकि ग्रामीणों में अब भी भय का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि शिकार जानवर से खतरा बना हुआ है।

डिजिटल जनगणना की आड़ में ठगी का जाल

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : डिजिटल जनगणना के नाम पर साइबर ठगी का नया खेल सामने आया है। पुलिस ने चेतावनी दी है कि अगर कोई व्यक्ति खुद को "डिजिटल जनगणना अधिकारी" बताकर आपसे ओटीपी, बैंक डिटेल या क्यूआर कोड स्कैन करने को कहता है, तो यह सीधे-सीधे ठगी का प्रयास है।

साइबर अपराधी इन दिनों फर्जी कॉल, मैसेज और लिंक के जरिए लोगों को निशाना बना रहे हैं। वे खुद को सरकारी अधिकारी बताकर संपर्क करते हैं और एक ऐसी वेबसाइट या लिंक भेजते हैं जो देखने में बिल्कुल असली सरकारी पोर्टल जैसी लगती है। यहीं से शुरू होता है ठगी का पूरा खेल। नैनीताल पुलिस के साइबर एक्सपर्ट बिहारी लाल कुशवाहा के अनुसार, ठग "वेरीफिकेशन" के नाम पर लोगों से ओटीपी साझा करने को कहते हैं या क्यूआर कोड स्कैन कराते हैं। जैसे ही कोई व्यक्ति यह जानकारी देता है, कुछ ही मिनटों में उसके बैंक खाते से रकम साफ हो जाती है। पुलिस ने साफ किया है कि जनगणना की प्रक्रिया पूरी तरह ऑफलाइन होती है और इसके लिए अधिकारी घर-घर जाकर ही जानकारी जुटाते हैं। फोन, लिंक या ऑनलाइन माध्यम से इस तरह की जानकारी नहीं मांगी जाती। आईजी कुमाऊं रिद्धिम अग्रवाल ने कहा कि साइबर ठग हर अभियान को ठगी का जरिया बना रहे हैं, ऐसे में जागरूक रहना जरूरी है।

क्या करें, क्या नहीं

- जनगणना केवल घर-घर जाकर होती है, किसी कॉल या लिंक से नहीं
- किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें
- ओटीपी, बैंक डिटेल या क्यूआर कोड स्कैन बिल्कुल न करें
- सरकारी वेबसाइट का डोमेन हमेशा gov.in होता है

शिकायत कहां करें

- साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930
- ऑनलाइन शिकायत के लिए https://cybercrime.gov.in या https://cybercrime.gov.in

दिक्कत हो तो टोल फ्री नंबर 1855 पर करें कॉल

हल्द्वानी : जनगणना-2027 के लिए टोल फ्री नंबर 1855 जारी कर दिया गया है। इस नंबर से आमजन मकान गणना से जुड़ी कोई भी जानकारी हासिल कर सकते हैं। आयुक्त दीपक रावत ने बताया कि जनगणना-2027 के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकान की गणना शुरू हो गई है। इसके अंतर्गत गणना टीम एवं संगणक घर-घर जाकर भवन गणना करेंगे। उन्होंने कुमाऊं मंडल के सभी नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि जब भी गणना कर्मी घरों पर आएंगे तो उनके पास अपना सरकारी पहचान पत्र भी होगा। इसे आमजन भी जांच सकते हैं। इसके बाद संगणक घर-घर जाकर प्रत्येक घर की गणना के लिहाज से जरूरी सूचनाएं मांगेंगे, जो उन्हें अवश्य दी जाए। गणना कर्मी मकान की गणना के बाद भवन पर मार्किंग भी कर सकते है जिसमें कोई नंबर भी लिख सकते हैं। ऐसे में आमजन को उनका विरोध नहीं करना है, बल्कि सहयोग करना है। आयुक्त रावत ने कहा कि जनगणना के संबंध में कोई जानकारी लेनी हो तो टोल फ्री नंबर 1855 पर कॉल कर सकते हैं।

सरकार की संवेदनहीनता उजागरः यशपाल आर्य

हल्द्वानी : नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि उत्तराखंड में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का आंदोलन सरकार की संवेदनहीनता और जनविरोधी रवैये को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि मातृ-शिशु स्वास्थ्य, पोषण व कमजोर वर्गों की जिम्मेदारी संभालने वाली कार्यकर्ताओं को अपने हक के लिए सड़कों पर उतरना पड़ रहा है, जो बेहद चिंताजनक है। आर्य ने बताया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सीमित संसाधनों में वर्षों से योजनाओं को लागू कर रही हैं, लेकिन उन्हें समय पर मानदेय तक नहीं मिल रहा। महीनों से मानदेय, भवन किराया, कोविड पारितोषिक और टीएचआर की राशि लंबित है। उन्होंने सरकार से सभी बकाया भुगतान तत्काल जारी करने, पोषण योजनाओं के लिए नियमित फंडिंग की मांग की।

फूटकर रोया बुजुर्ग पिता बोला-बेटे को जेल भेजो

- नशेड़ी बेटे ने बेचा घर का सामान पिता ने सीओ से लगाई गुहार
- ई-रिक्शा चलाकर दिव्यांग बेटा और परिवार पाल रहा पिता

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : नशे की गिरफ्त में आ चुका जवान बेटा अपने बूढ़े पिता और पूरे परिवार की जान का दुश्मन बन बैठा है। वो पिता, अपने दिव्यांग भाई और परिवार को पीटता है। नशे के लिए उसने घर का सारा सामन बेच डाला है। बेटे से परेशान पिता ने सीओ से गुहार लगाई और बेटे को जेल में डालने की गुहार लगाई है।

काठगोदाम थानाक्षेत्र के जवाहर ज्योति दमुवाढूंगा में रहने वाले 72 वर्षीय गिरीश चंद्र उपाध्याय यहां परिवार के साथ रहते हैं। जिसमें उनका एक दिव्यांग बेटा और 35 वर्षीय बेटा है। गिरीश ने सीओ को बताया कि दिव्यांग बेटा काम करने लायक नहीं है और दूसरा बेटा नशे का आदी है। परिवार के गुजर-बसर के लिए वह ई-रिक्शा चलाते हैं। गिरीश का कहना है कि उनके नशेड़ी बेटे से पूरा परिवार परेशान है। नशे की लत के लिए वह घर का सामान बेच रहा है। विरोध करने पर वह न सिर्फ उन्हें बल्कि उनके दिव्यांग बेटे को भी पीटता है। बुजुर्ग की बात सुन सीओ अमित कुमार सैनी ने उन्हें हर संभव मदद का भरोसा दिया है।

पनीर, आटा व तेल के नमूने लिए

- गर्मियों में विभाग का छापेमारी अभियान जारी
- सभी सैंपल जांच के लिए रुद्रपुर लैब भेजे गए

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: गर्मियों के मौसम में बढ़ रहीं संक्रामक बीमारियों को देखते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग का छापेमारी अभियान जारी है। सोमवार को भी कई जगह छापेमारी की गई।

अभियान वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी अभय कुमार सिंह के नेतृत्व में चलाया गया। हल्द्वानी के विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों और चौपाटियों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान टीम ने साफ-सफाई और स्वच्छता की स्थिति का जायजा लिया तथा संबंधित दुकानदारों और ठेला संचालकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कई स्थानों पर स्वच्छता में सुधार के निर्देश देते हुए भविष्य में मानकों का पालन करने को कहा गया।

खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता जांचने के लिए टीम ने पनीर के दो नमूने, गेहूं का आटा और सोयाबीन रिफाइंड तेल के नमूने संकलित किए। सभी नमूनों को परीक्षण के लिए राजकीय खाद्य प्रयोगशाला, रुद्रपुर भेजा गया है। विभाग ने बताया कि आगे भी अभियान जारी रहेगा। कहा कि एक्सपायरी व मिलावटी खाद्य सामग्री बेचने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी।

पनीर की जांच करते वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी अभय कुमार सिंह। ● अमृत विचार

अनदेखी जहां पर चेकिंग के लिए दर्जनों लोग, वहां से लाखों और करोड़ों रुपये का जुर्माना वसूला, हल्द्वानी ब्लैक होल बनाया

हल्द्वानी रेलवे स्टेशन पर 'नो चेकिंग' फिर भी करोड़ों की वसूली

सर्वेश तिवारी, हल्द्वानी

अमृत विचार : एक तरफ रेलवे बिना टिकट यात्रियों से करोड़ों रुपये की वसूली कर रहा है, दूसरी तरफ हल्द्वानी जैसे प्रमुख रेलवे स्टेशन पर टिकट चेकिंग के लिए कोई कर्मचारी ही तैनात नहीं है। बिना टिकट यात्रा करने वाले इस स्टेशन का जमकर इस्तेमाल कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें पता है कि यहां उन्हें रोकने-टोंकने वाला कोई नहीं। अब सवाल यह उठता है कि जब मैदान में "खिलाड़ी" ही नहीं है, तो "मैच" कौन खेल रहा है?

आरटीआई एक्टिविस्ट हेमंत सिंह गोनिया को उत्तर रेलवे के बरेली मंडल से मिले जवाब में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। आरटीआई के अनुसार हल्द्वानी रेलवे स्टेशन पर टिकट जांच कर्मचारी की तैनाती नहीं है। यानी यात्रियों की जांच का कोई स्थायी सिस्टम ही मौजूद नहीं। ऐसे में यह समझना मुश्किल नहीं कि बिना टिकट यात्रा कितनी "आसान" होगी।दूसरी ओर, पास के काठगोदाम और लालकुआं स्टेशनों के आंकड़े कहानी का दूसरा पहलू दिखाते हैं। यहां हर साल हजारों लोग बिना टिकट पकड़े जा रहे हैं और लाखों-करोड़ों की वसूली हो रही है। मतलब साफ है, जहां चेकिंग है, वहां पकड़ है और जहां नहीं है, वहां व्यवस्था "भगवान भरोसे" है या फिर कोई और ही व्यवस्था चल रही है।

काठगोदाम स्टेशन पर हर साल मामलों और वसूली में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। 2022-23 में जहां करीब 10 हजार मामले सामने आए थे, वहीं 2025-26 (जनवरी तक) में यह संख्या 23 हजार से ऊपर पहुंच गई। इसी तरह लालकुआं में भी मामलों और वसूली का ग्राफ ऊपर ही जा रहा है।

और मज़ेदार बात यह कि जब आरटीआई में पूछा गया कि कितने लोगों को जेल भेजा गया, तो रेलवे ने सीधे जवाब देने के बजाय मामला आरपीएफ के पाले में डाल दिया। यानी जवाबदेही भी "पासिंग द बक" में व्यस्त है।

इतना ही नहीं, जुर्माने से मिलने वाली रकम कहां जाती है और उसका उपयोग कैसे होता है, इस पर भी विभाग ने स्पष्ट जवाब देने से बचते हुए इसे "नीतिगत मामला" बता दिया। बहरहाल, अब सवाल यही है कि जब हल्द्वानी स्टेशन पर टिकट चेकिंग ही नहीं है, तो यहां से गुजरने वाले यात्रियों की निगरानी कैसे हो रही है?

रेलवे विभाग से मिले आंकड़ों के मुताबिक, काठगोदाम रेलवे स्टेशन से बिना टिकट कुल 69,500 यात्री पकड़े गए और इनसे कुल लगभग 2,88,03,651 करोड़ रुपये जुर्माना वसूला गया। इसी तरह लालकुआं रेलवे स्टेशन से बिना टिकट 11,392 यात्री पकड़े गए और उनसे 56,12,399 लाख रुपये वसूले गए।

लालकुआं रेलवे स्टेशन

वर्ष	मामले	किराया	जुर्माना	कुल वसूली
2022-23	825	82,830	2,02,000	2,84,830
2023-24	867	1,52,630	2,16,465	3,69,095
2024-25	3641	1263141	1086691	2349832
2025-26	6059	3076411	1882063	4958474

नोट :- 2026 के आंकड़े जनवरी तक। साथ ही वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 को मिलाकर 3641 और 6059 मामलों का आंकड़ा सामने आया, जिसमें कुल 49,58,474 की वसूली दर्ज की गई।

काठगोदाम रेलवे स्टेशन

वर्ष	मामले	किराया	जुर्माना	कुल वसूली
2022-23	9,978	17,49,309	25,55,545	43,04,854
2023-24	14,663	26,47,159	37,35,639	63,82,798
2024-25	21,410	35,06,297	54,39,535	89,45,832
2025-26	23,449	36,97,696	55,72,417	92,70,167

नोट :- 2025-26 के आंकड़े जनवरी तक

> हल्द्वानी स्टेशन में बिना टिकट यात्रियों की चेकिंग काठगोदाम आरपीएफ के अधीन आती है। हल्द्वानी स्टेशन में बेटिकट यात्रियों की चेकिंग काठगोदाम स्टेशन के स्टाफ की ओर से ही की जाती है, जिसका विवरण काठगोदाम में ही उपलब्ध रहता है।
> **-अनिल कुमार,** स्टेशन प्रभारी, हल्द्वानी

ROHILKHAND CANCER INSTITUTE
200 बेड का आधुनिक कैंसर हॉस्पिटल पिछले 5 साल से आप के बीच में
कैंसर की सम्पूर्ण देखभाल एक ही छत के नीचे
बरेली का एकमात्र PET CT
पूरे शरीर का रंगीन सीटी, कैंसर की स्टेज जानने के लिए
हमारी सेवाएं
सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
रेडिएशन ऑन्कोलॉजी
डे केयर थेरेपी
इम्यूनोथेरेपी
कैंसर आईसीयू
फ्रोजन सेक्शन और इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री
मैमोग्राफी
कैंसर के रोकथाम की ओपीडी
इण्टरवेंशनल रेडियोलॉजी
Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana Ayushman Bharat PM-JAY
प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के अन्तर्गत पाँच लाख तक का इलाज मुफ्त
Call to find out more
9582831744, 9258116087
8679315050, 8679415050
www.rohilkhandcancerinstitute.com
रोहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल कैम्पस
सुरेश शर्मा नगर, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

पति को बचाने की गुहार लगाती रही पत्नी, मौके पर देर से पहुंची एंबुलेंस

नैनीताल अधिवक्ता सुसाइड केस : इलाज में क्यों हुई देरी, पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल

- दोपहर 2 बजे बीडी पांडे अस्पताल से पहुंची एंबुलेंस
- तीन घंटे तक न तो अस्पताल पहुंचाया और न ही डाक्टरों को बुलाया

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: नैनीताल मे हुई दर्दनाक घटना के बीच पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि घटना के बाद करीब तीन घंटे तक न तो अधिवक्ता को अस्पताल पहुंचाया गया और न ही मौके पर डॉक्टरों की टीम को तुरंत बुलाया गया। मृतक की पत्नी मौके पर मौजूद रही और लगातार अपने पति के इलाज की गुहार लगाती रही, लेकिन पुलिस प्रशासन ने उनकी बातों को नजरअंदाज किया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हंगामे के बाद ही करीब दोपहर 2 बजे बीडी पांडे अस्पताल से एंबुलेंस मौके पर पहुंची। जिला अस्पताल के डॉक्टर अनिरुद्ध गंगोला ने बताया कि उन्हें घटना की सूचना लगभग 1:30 बजे मिली, जिसके बाद वह मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक अधिवक्ता की मौत हो चुकी थी।

घटना के बाद मृतक अधिवक्ता की पत्नी को संभालते परिजन। ● अमृत विचार

आज की घटना में पुलिस का उदासीन रवैया देखने को मिला। जिला कोर्ट के अधिवक्ता द्वारा उठाए गए आत्मघाती कदम के बाद पुलिस देरी से पहुंची साथ ही ना तो कोई कोई डॉक्टर की टीम पहुंची ना ही उन्हें कोई प्राथमिक उपचार दिया गया। अस्पताल पहुंचाने के बजाय पुलिस फॉरेंसिक टीम को बुलाकर घटना की जांच करती रही। सुभाष ने कहा जब तक पुलिस जांच कर रही थी हो सकता है अधिवक्ता जीवित होते। - **सुभाष जोशी**, अधिवक्ता, हाईकोर्ट

नोटरी अधिवक्ता ने आत्मघाती कदम उठाया 11:30 बजे के आसपास घटना की जानकारी मिली। मगर पुलिस ने अपनी जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभाई और करीब 2 घंटे से अधिक का समय तक अधिवक्ता घायल अवस्था में अपनी गाड़ी में पड़े रहे संभवत उनकी इसी दौरान मृत्यु हुई है। - **सुशील शर्मा**, शासकीय अधिवक्ता, जिला न्यायालय

कार के अंदर का दृश्य।

जांच के साथ जवाबदेही की मांग

नैनीताल: जिला न्यायालय और कलेक्ट्रेट परिसर के पास हुई घटना के बाद अब अधिवक्ताओं में रोष देखने को मिल रहा है। बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष ज्योति प्रकाश ने कहा सुबह करीब 9:30 बजे के बाद घटना हुई पुलिस ने अपना फर्ज निभाते हुए घायल अवस्था में अधिवक्ता को अस्पताल ले जाना चाहिए था मगर उन्होंने अधिवक्ता को अस्पताल ले जाने के बजाय घटनास्थल पर रखा और मृत घोषित कर दिया। जो पुलिस की कार्यप्रणाली पर बड़ा सवाल खड़े करते हैं क्योंकि किसी को भी मृत घोषित करने का अधिकार डॉक्टर को होता है पुलिस को नहीं।

लोहाखामताल में वैशाखी पूर्णिमा मेला 30 अप्रैल से

भीमताल : ओखलकांडा ब्लॉक के लोहाखामताल में वैशाखी पूर्णिमा मेले का आयोजन 30 अप्रैल एवं 1 मई को किया जाएगा। मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष दीवान सिंह एवं मेला कमेटी के अध्यक्ष प्रदीप सिंह ने बताया कि 30 अप्रैल को दिन में ब्लॉक स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता होगी तथा सायं 4 बजे से 20 वर्ष तक के युवक-युवतियों के लिए गायन एवं नृत्य प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। विजेता एवं उपविजेता को उचित पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी।

वहीं, 30 अप्रैल की रात्रि 9 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे, जिसमें लोकगायक राकेश खनवाल, राकेश पनेरू, महेंद्र घाघलिया, भजन गायक प्रमोद जोशी, झोड़ा गायक मदन गौनिया, हास्य कलाकार हनी रूवाली, डांस ग्रुप रागिनी कला केंद्र एवं रिमझिम कुमाऊं दल द्वारा प्रस्तुतियां दी जाएंगी। इसके अतिरिक्त, 1 मई को प्रातः 2 बजे से जागर के माध्यम से देवताओं का आह्वान किया जाएगा तथा प्रातः 5 बजे से पवित्र कुंड में स्नान के बाद सुबह 7 बजे से प्रसाद वितरण किया जाएगा।

लोहाखाम मंदिर, स्यूत्रा में 30 अप्रैल को दोपहर 1 बजे से मेला समाप्ति तक सभी भक्तों के लिए भंडारे का आयोजन भी किया गया है। मेले की तैयारियों में क्षेत्र एवं चौगड़ के सभी लोग जुटे हुए हैं।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को युवा कांग्रेस का समर्थन

कार्यकत्रियों के धरने को संबोधित करते युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव सुमित लोहनी।

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: कोसी व्यू पार्क में पिछले कई दिनों से अपनी मांगों को लेकर धरने पर बैठी आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के आंदोलन को युवा कांग्रेस ने समर्थन दिया है। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की मांगें जल्द नहीं मानी गईं, तो युवक कांग्रेस भी सड़कों पर उतरने को बाध्य होगी।

धरने को संबोधित करते हुए युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव सुमित लोहनी ने प्रदेश सरकार पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा, उत्तराखंड सरकार गरीबों की आवाज को दबाने का काम कर रही है। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां हमारे समाज का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जो जमीनी स्तर पर सेवाएं देती हैं। उनके साथ इस तरह का अन्याय और शोषण कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। युवा कांग्रेस ने स्पष्ट किया कि यदि सरकार ने जल्द ही आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की मांगों को पूरा नहीं किया, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि आने वाले दिनों में इसे उग्र जन-आंदोलन का रूप दिया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। इस दौरान प्रदेश महासचिव, युवा कांग्रेस सुमित लोहनी, विधानसभा अध्यक्ष युवा कांग्रेस विकास कुमार आर्य, पूर्व छात्रसंघ सचिव चेतन पंत, ब्लॉक अध्यक्ष, रामनगर मुबाशिर आलम, दीपक रावत व शंभु समेत कई लोग मौजूद रहे।

रोस्टर के अनुसार करें गैस की होम डिलीवरी: बिष्ट

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: नैनीताल में एलपीजी गैस सिलेंडरों के वितरण में हो रही अव्यवस्था को लेकर खाद्य अधिकारी (एआरओ) सुरेन्द्र सिंह बिष्ट ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने पर्वत गैस एजेंसी की प्रबंधक अंकिता पांडे को निर्देश दिए हैं कि विभिन्न क्षेत्रों में निर्धारित रोस्टर के अनुसार केवल होम डिलीवरी के माध्यम से ही उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर वितरित किए जाएं।

उन्होंने कहा कि जब भी किसी क्षेत्र में रोस्टर के अनुसार गैस वितरण से किया जाए, तो उस क्षेत्र के डीएसी नंबर की संख्या से लगभग 10 सिलेंडर अधिक वाहन में भेजे जाएं, ताकि कोई भी उपभोक्ता गैस सिलेंडर प्राप्त करने से वंचित न रहे। एआरओ ने उपभोक्ताओं से भी अपील की कि वे किसी भी स्थान पर गैस सिलेंडर के लिए लाइन लगाकर खड़े न हों। उनके संज्ञान में आया है कि कुछ अराजक तत्व धर्मशाला में गैस वितरण से एक दिन पहले ही नेपाली मजदूरों को खड़ा कर लाइन लगवा देते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि यह मामला दोबारा सामने आता है, तो ऐसे सिलेंडरों को अवैध मानते हुए जब्त कर लिया जाएगा। कहा यदि किसी कर्मचारी द्वारा अधिक मूल्य वसूला जाता है या गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी की शिकायत मिलती है, तो संबंधित के विरुद्ध कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। ठेकेदार द्वारा अनियमितताओं पर कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश हैं।

मई दिवस पर होगी सभा, निकलेगा जुलूस

रामनगर: मई दिवस आयोजन समिति के बैनर तले शहीद पार्क, लखनपुर में सभा आयोजित की जाएगी। शहर के मुख्य मार्गों पर जुलूस निकाला जाएगा, जिसका समापन भगत सिंह चौक, भवानीगंज में होगा। यह निर्णय ट्रेड यूनियन पदाधिकारियों, कर्मचारी-शिक्षक संगठनों और सामाजिक संगठनों की संयुक्त बैठक में लिया गया।

बैठक में तय किया गया कि मई दिवस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए स्थानीय फैक्ट्रियों, कार्यालयों और विद्यालयों में व्यापक जनसंपर्क किया जाएगा। वन निगम कर्मचारी संगठन के नेता चंद्रवल्लभ छिम्वाल को आयोजन समिति का संयोजक मनोनीत किया। शिक्षक नेता नवेंदु मठपाल, ट्रेड यूनियन नेता रोहित रुहेला, आइसा नेता सुमित कुमार, राज पांडे, नंदराम आर्य, सुभाष गोला और बालकृष्ण चंद मौजूद रहे।

यूनुस की गिरफ्तारी की मांग, बाजार किया बंद

संवाददाता, भीमताल

युवतियों के शोषण के आरोपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर कोतवाली पहुंची भीड़। ● अमृत विचार

अमृत विचार: कई युवतियों के मानसिक और शारीरिक शोषण के आरोपी यूनुस की गिरफ्तारी न होने से विभिन्न हिंदूवादी संगठनों और व्यापार मंडल से जुड़े लोगों में आक्रोश फैल गया। उन्होंने विरोध में बाजार बंद कर दिया। पुलिस द्वारा दी गई गिरफ्तारी की समय-सीमा समाप्त होते ही सुबह 10 बजे विभिन्न संगठनों और हिंदूवादी संगठनों से जुड़े लोग रामलीला ग्राउंड में एकत्र हुए। इसके बाद उन्होंने पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जुलूस निकाला और यूनुस की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग करते हुए कोतवाली पहुंच गए।

इस दौरान भीड़ अधिक होने और थाने के समीप मुख्य मोटर मार्ग पर लोगों के बैठ जाने के कारण कुछ समय के लिए यातायात बाधित हो गया। थाने पहुंचकर सभी लोग धरने पर बैठ गए। इस दौरान कोतवाल राजेश कुमार यादव मौके पर पहुंचे और अब तक की गई कार्रवाई की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलिस द्वारा यूनुस की गिरफ्तारी के लिए विभिन्न शहरों में टीमें भेजी गई हैं और लगातार दिन-रात प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही, विभिन्न माध्यमों से उसकी लोकेशन पता करने का भी प्रयास जारी है। गिरफ्तारी की मांग को लेकर इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई। कोतवाल ने जनता से 15 मई तक का समय देने का अनुरोध किया। वहीं कोतवाल ने बताया कि मामले में अभी तक कोई मुकदमा दर्ज नहीं है। इस मौके पर व्यापार मंडल अध्यक्ष पंकज जोशी और भाजपा के जिला मंत्री मनोज भट्ट ने कहा कि यदि 15 मई तक गिरफ्तारी नहीं होती है, तो आंदोलन और विरोध के अन्य माध्यम अपनाए जाएंगे। इस दौरान व्यापार मंडल अध्यक्ष पंकज जोशी, भाजपा जिला मंत्री मनोज भट्ट, भाजपा मंडल अध्यक्ष भीमताल कमल जोशी, सामाजिक कार्यकर्ता नितेश बिष्ट, शरद पांडे, मीनाक्षी भगत, सुनीता पांडे, शिप्रा जोशी समेत कई लोग मौजूद रहे।

कटौती के खिलाफ फूटा कांग्रेस का गुस्सा

- विद्युत कार्यालय के बाहर नारेबाजी कर जताया रोष
- पूर्व विधायक के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता, रामनगर

पूर्व विधायक रणजीत रावत के साथ विद्युत कार्यालय के बाहर नारेबाजी करते कांग्रेसी।

अमृत विचार: अघोषित विद्युत कटौती के खिलाफ चिलचिलाती धूप में कांग्रेसी सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन करते नजर आए। गुस्साए कार्यकर्ताओं ने पूर्व विधायक रणजीत सिंह रावत के नेतृत्व में विद्युत विभाग कार्यालय के बाहर जोरदार नारेबाजी कर विरोध दर्ज कराया।

रणजीत सिंह रावत ने आरोप लगाया कि प्रदेश की जनता के हिस्से की बिजली बाहर बेचकर मुनाफा कमाया जा रहा है, जबकि स्थानीय उपभोक्ताओं को अंधेरे में रहने को मजबूर किया जा रहा है। उन्होंने स्मार्ट मीटर पर तंज कसते हुए कहा कि ये मीटर इतने स्मार्ट हैं कि बिजली रहे या न रहे, बिल आना नहीं भूलते। जनता गर्मी में परेशान है, लेकिन विभाग को केवल बिल वसूली की चिंता है। पूर्व विधायक ने चेतावनी दी कि यदि जनता को इसी तरह परेशान किया गया तो मामला केवल नारेबाजी तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि अदालत तक ले जाया जाएगा।

उन्होंने सवाल उठाया कि जब उपभोक्ता पूरा बिल चुका रहे हैं, तो उन्हें पूरी बिजली आपूर्ति क्यों नहीं मिल रही। इस दौरान नगर अध्यक्ष भुवन शर्मा, भुवन पांडेय, महिला कांग्रेस की नगर अध्यक्ष ललिता उपाध्याय, मालधन ब्लॉक महिला कांग्रेस अध्यक्ष पुष्पा देवी, पूर्व सभासद विमला आर्या, दीप्ति भारद्वाज, ममता आर्या, जिला उपाध्यक्ष अनिल अग्रवाल, अजय छिमवाल, एन.डी. पंत, मनोज गोस्वामी, लीलाधर जोशी, राजू छिम्वाल, एडवोकेट फेजुल हक, जावेद खान, डूंगर सिंह कनवाल, पंकज सुयाल, कुबेर बिष्ट, महेश पांडेय, वीरेंद्र लटवाल, दीपक मसीह, पूर्व सभासद दीपक चंद्र, कन्नू जोशी, मोइन खान, चांद खान, रमेश रावत, ललित कुमार, कैलाश त्रिपाठी, राजेश नेगी, फजल खान, नजाकत अली, शेर खान, सनव्वर अली, वीरेंद्र तिवारी, अंकुश अग्रवाल, सोएब रजा, अमितेश सिंह, मो. अनीश, सुमित तिवारी, आफाक हुसैन, मुकुल नेगी और नारायण पांडेय रहे।

संदिग्ध हालात में युवक लापता, गुमशुदगी दर्ज

लालकुआं: नगर के संजय नगर बजरी कंपनी क्षेत्र से बबलू (36) पुत्र सतपाल संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया है। सभी संभावित स्थानों पर उसको खोजने के बाद परिजनों ने इस संबंध में कोतवाली लालकुआं में गुमशुदगी दर्ज कराई गई है।

पुलिस को दी परिजनों की जानकारी के अनुसार, बबलू 17 मार्च 2026 को सुबह लगभग 8 बजे घर से बिना बताए निकला था, जिसके बाद से वह वापस नहीं लौटा। परिजनों के अनुसार उन्होंने आसपास और रिश्तेदारी में काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लग पाया। लापता युवक की पत्नी की तहरीर पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर युवक की तलाश शुरू कर दी है।

नैनीताल में मेरु परिसर की जमीन से अतिक्रमण हटाया

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: कुमाऊं विश्वविद्यालय के प्रस्तावित मेरु परिसर, पटवाडांगर में जिला, पुलिस और विश्वविद्यालय प्रशासन की संयुक्त कार्रवाई के दौरान अतिक्रमण हटाकर भूमि पर विश्वविद्यालय का अधिकार स्थापित कर दिया गया।

इसके बाद करीब 100 करोड़ रुपये की लंबे समय से अटकी मेरु परियोजना के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। प्रशासनिक टीम ने मौके पर मौजूद अनधिकृत कब्जों को हटाते हुए भवनों के ताले तोड़े और पूरी कार्रवाई की वीडियोग्राफी कराई। भवनों के भीतर मौजूद सामान का पंचनामा भी तैयार किया गया। यह भूमि पहले ही विवि को आवंटित की जा चुकी थी, जहां केंद्र की महत्वाकांक्षी मेरु परियोजना के तहत तीसरे परिसर का विकास प्रस्तावित है। जिसमें रोजगारपरक व शोध आधारित शिक्षा के लिए आधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। कुलपति प्रो. (कर्नल) दीवान एस. रावत ने मामले को उच्च स्तर पर उठाया था। कार्रवाई के दौरान उपजिलाधिकारी नवाजिस खालिक, तल्लीताल और ज्योलिकोट पुलिस मौजूद रही। प्रभारी कुलसचिव राकेश विश्वकर्मा ने बताया कि अब निर्माण एजेंसी को कार्य पूरा करने के लिए 8-9 माह का समय दिया गया है, जिससे क्षेत्र में उच्च शिक्षा के नए अवसरों की उम्मीद जगी है।

कक्षा रिपीट होने पर आरटीई लाभ की स्थिति स्पष्ट नहीं

संवाददाता, कालाढूंगी

- नई शिक्षा नीति के बाद स्थिति स्पष्ट न होने से अभिभावक परेशान

अमृत विचार: नई शिक्षा नीति लागू होने के बाद आरटीई के तहत चयनित कुछ छात्रों की कक्षा रिपीट होने से योजना का लाभ मिलने को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो पा रही है। इस कारण अभिभावकों की परेशानियां बढ़ गई हैं।

फिलहाल शिक्षा विभाग भी इस मामले में स्पष्ट स्थिति नहीं दे पा रहा है, जिससे अभिभावकों की चिंता और बढ़ गई है नई शिक्षा नीति के लागू होने के बाद कई छात्रों की कक्षाएं रिपीट हो गई हैं। ऐसे में आरटीई के तहत चयनित छात्रों के लिए अब योजना का लाभ जारी रहेगा या नहीं, इस पर संशय बना हुआ है। खंड शिक्षा अधिकारी हल्द्वानी तारा सिंह ने बताया कि उच्च अधिकारियों के निर्देश प्राप्त होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। वहीं, डीपीओ नैनीताल अमित कुमार ने बताया कि निर्देशों में उल्लेख है कि जिन छात्रों की पिछले वर्ष अपार आईडी जनरेट हो चुकी है, उन्हें योजना का लाभ नहीं मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस संबंध में सात शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिसके बाद मामला शिक्षा निदेशालय, देहरादून को भेज दिया गया है। अब शिक्षा निदेशालय से निर्देश आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

आक्रोश

होटल व्यवसायियों ने जताई नाराजगी, विद्युत विभाग के सहायक अभियंता को सौंपा ज्ञापन

विद्युत कटौती से होटल व्यवसाय बुरी तरह प्रभावित

संवाददाता, रामनगर

रामनगर में सहायक अभियंता को ज्ञापन देते रिजॉर्ट एसोसिएशन के सदस्य। ● अमृत विचार

अमृत विचार: जिम कॉर्बेट रिजॉर्ट्स जीएम एसोसिएशन के उपाध्यक्ष सुन्दर सिंह बिष्ट के नेतृत्व में होटल और रिजॉर्ट संचालकों ने विद्युत विभाग के अधिशासी अभियंता से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा। सोमवार को दिए गए ज्ञापन में उन्होंने बताया कि पिछले काफी समय से विद्युत आपूर्ति में लगातार बाधाएं आ रही हैं, जिससे आम जनमानस के साथ-साथ रिजॉर्ट व्यवसाय भी बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। उन्होंने समस्या के शीघ्र समाधान की मांग की।

अधिशासी अभियंता ने बताया कि रामनगर स्तर से कोई रोस्टिंग नहीं की जा रही है, जबकि रात के समय लगभग दो घंटे की रोस्टिंग देहरादून स्थित कंट्रोल रूम से की जा रही है। उन्होंने जानकारी दी कि विद्युत विभाग द्वारा ग्राम छोई में नए बिजलीघर के लिए, भूमि का सर्वे कराया जा चुका है। इसके स्थापित होने के बाद भविष्य में बिजली की समस्या से काफी हद तक राहत मिल सकती है, लेकिन अभी तक भूमि का आवंटन विभाग को नहीं हो पाया है। इसके लिए, प्रयास जारी हैं। वहीं, होटल और रिजॉर्ट संचालकों ने बताया कि अधिशासी अभियंता ने उनसे सहयोग की अपील की है, ताकि वे अपने स्तर पर उच्च अधिकारियों और संबंधित जनप्रतिनिधियों से वार्ता कर भूमि आवंटन की प्रक्रिया को जल्द पूरा कराने में मदद कर सकें।

इस दौरान जिम कॉर्बेट रिजॉर्ट्स जीएम एसोसिएशन के उपाध्यक्ष सुन्दर सिंह बिष्ट, कीर्ति जोशी, बबीता मेहरा, प्रकाश पाठक, लक्ष्मण रावत, मनोज कोठारी, राजेश पंत, दीप छाबड़ा, एन.डी. पालीवाल, सुन्दर रावत, मनीष शर्मा और देवी सिंह समेत कई लोग मौजूद रहे।

सिटी ब्रीफ

ज्यूलिकोट के चोपड़ा के जंगल में लगी आग

नैनीताल : ज्यूलिकोट क्षेत्र के चोपड़ा गांव में सोमवार दोपहर जंगल में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। आग लगने की सूचना मिलते ही फायर स्टेशन मल्लीताल की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। जानकारी के अनुसार, सोमवार दोपहर को दमकल विभाग को जंगल में आग लगने की सूचना मिली। इसके बाद नैनीताल से पहुंची दमकल विभाग की टीम ने जंगल में लगी आग बुझाने का काम शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद आग को नियंत्रित कर लिया गया। लेकिन दमकल विभाग की टीम के आग को पूरी तरह से नियंत्रित करने तक जंगल का अधिकांश हिस्सा जल चुका था। इस दौरान वन विभाग की टीम ने स्थानीय ग्रामीण के साथ मिलकर जंगल में लगी आग को नियंत्रित किया।

फेल छात्रों को तीन मौके अब नहीं होगा साल बर्बाद

- उत्तराखंड बोर्ड के असफल छात्रों के लिए राहत भरी खबर
- साल में तीन बार मिलेगा परीक्षा देने का मौका

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : उत्तराखंड बोर्ड परीक्षा रिजल्ट के बाद असफल छात्रों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। बोर्ड ने फेल छात्र-छात्राओं को पास होने के लिए तीन मौके देने का फैसला किया है, जिससे हजारों छात्रों को दोबारा अपनी योग्यता साबित करने का मौका मिलेगा।

इस साल हाईस्कूल में 8610 और इंटरमीडिएट में 14953 छात्र-छात्राएं असफल हुए हैं। ऐसे में बोर्ड का यह निर्णय महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि अब छात्रों का पूरा साल खराब नहीं होगा। बोर्ड सचिव विनोद सिमल्टी की ओर से जारी आदेश के अनुसार हाईस्कूल में अधिकतम दो विषयों और इंटरमीडिएट में एक विषय में फेल छात्र इन विशेष परीक्षाओं में शामिल हो सकेंगे। उन्हें पूरे साल में तीन बार परीक्षा देने का मौका मिलेगा।

वहीं, माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. मुकुल कुमार सती ने बताया कि जो छात्र अपने अंकों से संतुष्ट नहीं हैं, वे अंक सुधार (इम्प्रूवमेंट) परीक्षा दे सकते हैं। साथ ही, छात्र अपनी उत्तर पुस्तिकाएं देखने के लिए भी आवेदन कर सकेंगे।

अस्पताल में दोनों ही पदों पर कर्मचारियों की भारी कमी से मरीजों की देखभाल पर पड़ रहा है बुरा असर

बेस अस्पताल में नर्स व वार्ड ब्वाय की कमी से सेवाएं प्रभावित

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं में वार्ड ब्वाय और नर्स की अहम भूमिका होती है। डॉक्टर के बाद मरीजों की तीमारदारी का बड़ा जिम्मा इनके ऊपर ही होता है। बेस अस्पताल में इन दोनों ही पदों पर भारी कमी है। दोनों ही विभागों में स्वीकृत पदों में से करीब आधे पर ही लोग काम कर रहे हैं। जिससे स्वासथ्य सेवाओं पर असर पड़ रहा है।

बेस अस्पताल में वार्ड ब्वाय की भारी कमी बनी हुई है। अस्पताल में कुल 48 पद स्वीकृत हैं, लेकिन वर्तमान में केवल 24 वार्ड ब्वाय ही कार्यरत हैं। ऐसे में एक-एक कर्मचारी पर दोहरा कार्यभार आ गया है। वार्डों में मरीजों की संख्या अधिक होने के बावजूद सीमित स्टाफ के कारण समय पर सभी जरूरतों को पूरा करना चुनौती बन गया है। वार्ड ब्वाय मरीजों को स्ट्रेचर या व्हीलचेयर पर ले जाने, वार्ड की साफ-सफाई बनाए रखने, बेड बदलने और मरीजों की दैनिक जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसके अलावा, जब किसी मरीज को हायर सेंटर रेफर किया जाता है और उसके साथ कोई परिजन नहीं होता, तब वार्ड ब्वाय को ही उसके साथ भेजा जाता है। स्टाफ की कमी के चलते इन कार्यों में देरी हो रही है, जिससे मरीजों और उनके तीमारदारों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

अस्पताल में नर्सों की स्थिति भी संतोषजनक नहीं है। 100 स्वीकृत पदों के मुकाबले केवल 60 नर्सें ही कार्यरत हैं, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं पर सीधा असर पड़ रहा है। नर्सें मरीजों की देखभाल, दवाइयां और इंजेक्शन देना, डॉक्टरों की सहायता करना और मरीजों के स्वास्थ्य रिकॉर्ड को अपडेट रखने जैसे महत्वपूर्ण कार्य करती हैं। इसके साथ ही वे मरीजों को स्वच्छता, पोषण और दवाओं के सही उपयोग के बारे में जानकारी भी देती हैं। स्टाफ की कमी के कारण नर्सों पर अतिरिक्त दबाव बना हुआ है, जिससे कई बार सेवाओं की गुणवत्ता प्रभावित होने की आशंका रहती है, खासकर आपातकालीन स्थितियों में।

जानकारी उच्च स्तर पर भेजी गई है: पीएमएस

हल्द्वानी : पीएमएस डॉ. केएस दताल ने बताया कि फिलहाल उपलब्ध स्टाफ के साथ ही अस्पताल की सेवाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि स्टाफ की कमी की जानकारी उच्च स्तर पर भेज दी गई है और जल्द ही रिक्त पदों को भरने की उम्मीद है।

चुनाव में महिलाओं को आरक्षण का लाएंगे प्रस्ताव

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा, भाजपा महिला आरक्षण के नाम पर फैला रही है केवल झूठ

संवाददाता, हल्द्वानी

स्वराज आश्रम में सोमवार को प्रेस वार्ता करते कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल, साथ में पूर्व कैबिनेट मंत्री हरीश दुर्गापाल व हल्द्वानी विधायक सुमित हृदयेश। ● अमृत विचार

अमृत विचार: कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने स्वराज आश्रम में पत्रकार वार्ता की। कहा कि महिला आरक्षण के नाम पर भाजपा केवल और केवल झूठ फैला रही है और यह झूठ देश की जनता भी अच्छी तरह से समझती है। कहा कि महिला आरक्षण बिल पास हो चुका है और जब महिलाओं को यह अधिकार देने की बारी आई तो भाजपा ने परिसीमन के नाम पर झूठ फैलाना शुरू कर दिया।

कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आचार संहिता की परवाह न करते हुए देश को संबोधित किया और अपने भाषण में करीब 60 बार कांग्रेस का नाम लिया। यह पहली बार है जब कोई पीएम विपक्ष को कोसने के लिए देश के नाम संबोधन कर रहा हो। कहा कि महिला आरक्षण बिल संसद में साल 2023 में पास हो गया। अब जो बिल था वह देश में सीटें बढ़ाने के लिए बिल था। महिलाओं को आरक्षण देने के नाम पर सदन में भाजपा ने सीटें बढ़ाने की बात कही। जिसका विपक्ष ने विरोध किया। विपक्ष का यही कहना है कि जब महिलाओं के लिए आरक्षण लागू हो गया है तो मौजूदा सीटों पर ही दिया जाए और जहां तक जनगणना की बात है तो जनगणना न कराने का जिम्मा केवल भाजपा के ही ऊपर है। कहा कि धामी सरकार केंद्र की भाजपा सरकार के इस कृत्य के लिए विधानसभा का विशेष सत्र बुला रही है जिसमें निंदा प्रस्ताव लाया जाएगा। यह केवल झूठ बोलने की पराकाष्ठा है। कहा कि हम सदन में प्रस्ताव लाएंगे कि विधानसभा की मौजूदा सीटों पर ही महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिया जाए। जिसके बाद भाजपा का झूठ सामने आ जाएगा। इस दौरान पूर्व कैबिनेट मंत्री हरीश दुर्गापाल, ललित जोशी, सुहैल सिद्दकी, जिलाध्यक्ष राहुल छिम्वाल, महानगर अध्यक्ष गोविंद सिंह बिष्ट, डॉ. अजय पाल, भोलादत्त भट्ट, मीमांशा आर्या, राधा आर्या रहे।

राष्ट्रभक्त और पार्टी भक्त होने में अंतर: गणेश गोदियाल ने कहा कि राष्ट्रभक्त और पार्टी भक्त होने में अंतर होता है। हम चाहते हैं कि कांग्रेस कार्यकर्ता पार्टी का भक्त न बने बल्कि राष्ट्रभक्त बने। उन्होंने कहा कि अगर मैं कहीं पर गलत करता हूं तो खुलकर उसका विरोध करो। आपके लिए राष्ट्र पहले है और पार्टी बाद में है।

हर कार्यकर्ता से मिलकर जानी मन की बात

विधानसभा चुनाव में एक साल से भी कम समय रह गया है। कांग्रेस का मानना है कि सत्ता विरोधी लहर का लाभ उसे मिलेगा। तैयारियों को लेकर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल स्वराज आश्रम में हर कार्यकर्ता से वन-टू-वन मिले। उन्होंने कार्यकर्ताओं से स्थानीय मुद्दों, संगठन की तैयारियों, नेताओं का समर्पण और कांग्रेस की संभावनाओं को लेकर विचार विमर्श किया। करीब तीन घंटे तक जिला संगठन से लेकर बूथस्तर तक के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। कांग्रेस जिलाध्यक्ष राहुल छिम्वाल ने बताया कि पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं में भारी जोश है। साथ ही किसी के मन में कोई बात है तो वह अपनी बात को सीधे तौर पर प्रदेश स्तर पर रख रहा है। इससे आपसी विवाद भी पूरी तरह से सलझेंगे।

भाजपा के लिए काम कर रही है पुलिस: सुमित

विधायक सुमित हृदयेश ने कहा कि पुलिस भाजपा के लिए काम कर रही है। मदरसन फैक्ट्री में हुए बवाल के बाद यह बात स्पष्ट तौर पर सामने आ गई है कि अपने हक की बात करने पर क्या होता है तो वहीं प्रदेश अध्यक्ष गोदियाल ने कहा कि देहरादून में पुलिस जब एक बार को देर रात तक खुले रहने पर बंद कराने गई तो वहां पर आईजी मिल गए। इससे पता चलता है कि राज्य की पुलिस के क्या हाल हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के करीब 18 नेता हमारे संपर्क हैं जो जल्द ही कांग्रेस में शामिल होंगे।

मुख्य विकास अधिकारी ने की शिक्षा विभाग की समीक्षा

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: मुख्य विकास अधिकारी अरविंद कुमार पांडे ने विकास भवन सभागार, भीमताल में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने जिले के सरकारी विद्यालयों में पठन-पाठन की गुणवत्ता सुधारने और शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के निर्देश दिए।सीडीओ ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों और उप-शिक्षा अधिकारियों को रोस्टर के अनुसार नियमित विद्यालय भ्रमण करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक माह कम से कम 15 ग्राम पंचायतों के विद्यालयों का निरीक्षण किया जाए, ताकि शैक्षिक गुणवत्ता, व्यवस्थाओं और शिक्षण कार्यों का सही आकलन हो सके। उन्होंने कहा कि निरीक्षण में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए और इसे समयबद्ध व प्रभावी तरीके से किया जाए। विद्यार्थियों के मनोबल को बढ़ाने के लिए उनके छोटे-छोटे प्रयासों की सराहना करने पर भी जोर दिया गया। साथ ही मिड-डे मील की गुणवत्ता और शिक्षकों के व्यवहार पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। सीडीओ ने बताया कि डिजिटल ऐप के माध्यम से कार्यों की निगरानी की जाएगी और विद्यार्थियों के समूह बनाकर उनकी प्रगति पर नियमित नजर रखी जाएगी। मुख्य विकास अधिकारी ने अवगत कराया कि कक्षा में विद्यार्थियों को फ्रंट से बैक रोटेशन के आधार पर बैठाया जाएगा, ताकि सभी को समान अवसर और ध्यान मिल सके। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि इसका लक्ष्य हर विद्यार्थियों को समावेशी वातावरण प्रदान करना है। बैठक में सीईओ गोविन्द राम जायसवाल, जिला शिक्षा अधिकारी सभी खंड शिक्षा अधिकारी, उप शिक्षा अधिकारी आदि रहे।

विकास भवन में बैठक लेते मुख्य विकास अधिकारी अरविंद कुमार पांडे।

गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करे केंद्र सरकार

हल्द्वानी: गौ सम्मान आह्वाहन अभियान के अंतर्गत सोमवार को हल्द्वानी में हिंदूवादी संगठनों एवं शिव सेना द्वारा गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने को लेकर केंद्र सरकार को एक मांग पत्र भेजा है।

इस अभियान में शिव सेना प्रदेश उपाध्यक्ष रूपेंद्र नागर, जिला अध्यक्ष त्रिलोक सिंह, महानगर अध्यक्ष सुनील गुप्ता, कार्यकारिणी अध्यक्ष मनोज गुप्ता, महानगर सचिव पुरुषोत्तम सिंह, महानगर उपाध्यक्ष प्रमोद आर्या, मीडिया प्रभारी अभिषेक कश्यप मौजूद रहे।

एनएसएस फेयरवेल में विद्यार्थी सम्मानित

हल्द्वानी : एमबीपीजी कॉलेज में एनएसएस की ओर से वरिष्ठ विद्यार्थियों के सम्मान में फेयरवेल कार्यक्रम हुआ। जिसका शुभारंभ प्राचार्य प्रो. एनएस बनकोटी ने किया। सीनियर विद्यार्थियों ने रैंप वॉक किया, जबकि जूनियर छात्रों ने नृत्य, गायन व अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। विजेता विद्यार्थियों को मिस्टर एनएसएस, मिस एनएसएस सहित अन्य सम्मान से पुरस्कृत किया गया। प्रो. बीआर पंत, डॉ. कविता बिष्ट, ललित पांडे, डॉ. एसएस धपोला, डॉ. किरण कर्नाटक, डॉ. दीपा सिंह व डॉ. जेएस गढ़िया, सुमित पांडे, प्रिंस रहे।

बागजाला में सड़क नहीं बनने से ग्रामीण परेशान, करेंगे आंदोलन

- लोनिवि के एई को सौंपा समस्या को लेकर ज्ञापन
- एई ने शीघ्र कार्य शुरू कराने का दिया आश्वासन

संवाददाता, हल्द्वानी

बागजाला के ग्रामीण लोनिवि के एई को ज्ञापन सौंपते हुए। ● अमृत विचार

अमृत विचार : अखिल भारतीय किसान महासभा बागजाला कमेटी ने गौलापार के बागजाला क्षेत्र में सड़क मरम्मत कार्य में हो रही देरी पर नाराजगी जताई। लोक निर्माण विभाग के ईई कार्यालय पहुंचकर किसानों ने आरोप लगाया कि बार-बार आश्वासन के बावजूद एक माह से अधिक समय बीत जाने पर भी कार्य शुरू नहीं हुआ है।

उल्लेखनीय है कि बीते 17 मार्च को किसान महासभा की ओर से लोनिवि कार्यालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा गया था, जिस पर ईई ने शीघ्र मरम्मत का भरोसा दिया था। इसके बावजूद अब तक कार्य शुरू नहीं होने से ग्रामीणों में आक्रोश है। सड़क मरम्मत के लिए बजट स्वीकृत होने के बावजूद कार्य शुरू नहीं किए जाने पर ग्रामीणों ने आंदोलन की चेतावनी दी है। इस दौरान ईई की अनुपस्थिति में एई को ज्ञापन सौंपा गया, जिन्होंने वन विभाग से समन्वय कर शीघ्र कार्य शुरू कराने का आश्वासन दिया। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल में डॉ. कैलाश पांडे, विमला देवी, मीना भट्ट, प्रेम सिंह नयाल, हेमा आर्य और नंद किशोर रहे।

आईआईएससी ट्रेनिंग से निखरेगा शिक्षकों का हुनर

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : प्रदेश में साइंस एजुकेशन को मॉर्डन और प्रभावी बनाने की दिशा में उच्च शिक्षा विभाग की ओर से एक नई पहल शुरू की गई है। उच्च शिक्षा के तहत प्रदेश के 80 साइंस टीचर्स को देश के प्रतिष्ठित संस्थान इंडियान इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस (आईआईएससी) बंगलुरू में विशेष ट्रेनिंग के लिए चयनित किया गया है। प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों को नवीनतम साइंटिफिक रिसर्च, नवाचार, प्रैक्टिकल एजुकेशन सिस्टम से परिचित कराना है।

यह विशेष ट्रेनिंग प्रोग्राम 24 अप्रैल से शुरू हो चुका है और 9 मई तक चलेगा। प्रोग्राम को मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन और ज्ञानवर्धन प्रशिक्षण योजना के तहत चलाया जा रहा है। इसके लिए उच्च शिक्षा विभाग और आआईएससी के बीच औपचारिक समझौता पूर्व में ही हो चुका था। ट्रेनिंग प्रोग्राम में फिजिक्स, केमिस्ट्री, गणित, बॉटनी और जूलॉजी विषयों के शिक्षक शामिल हैं। सभी प्रतिभागियों को उनके-उनके विषय के अनुसार उन्नत ट्रेनिंग दी जाएगी। उच्च शिक्षा निदेशक वीएन खाली ने बताया कि यह ट्रेनिंग प्रोग्राम प्राध्यापकों के पढ़ाने की गुणवत्ता को सुधारने में सहायक साबित होगा। ट्रेनिंग की सबसे बड़ी खासियत है कि इसमें शिक्षकों को मॉर्डन लैब्स में प्रैक्टिकल अनुभव मिलेगा। शिक्षकों को यह सिखाया जाएगा कि क्लास में रिसर्च-आधारित पढ़ाई को लागू करने के साथ ही छात्रों में वैज्ञानिक सोच व तार्किक दृष्टिकोण कैसे विकसित किया जाए।

एक माह से ट्यूबवेल ठप, लोग त्रस्त

- सिंचाई विभाग व पेयजल निगम पर लापरवाही का आरोप

संवाददाता, हल्द्वानी

कठघरिया स्थित रामणी जसुवा का ट्यूबवेल। ● अमृत विचार

अमृत विचार : कठघरिया स्थित रामणी जसुवा गांव में करीब एक माह से ट्यूबवेल खराब पड़ा है, लेकिन अब तक उसे ठीक नहीं किया जा सका है। भीषण गर्मी के बीच पानी संकट गहराने से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। हालात यह है कि लोगों को 1-2 किलोमीटर दूर से पानी ढोने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि सिंचाई विभाग की ओर से खराब मोटर को शीघ्र ठीक कर आपूर्ति बहाल करने के दावे पूरी तरह खोखले साबित हुए हैं। सरकारी टैंकरों से पानी बांटने की व्यवस्था भी चरमराई हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम प्रधान के हस्तक्षेप के चलते सभी घरों तक पानी नहीं पहुंच पा रहा, जिससे कई परिवार वंचित रह जा रहे हैं।

स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि लोगों को 600 से 800 रुपये खर्च कर निजी टैंकर मंगाने पड़ रहे हैं। वहीं, पास के घुनी गांव के कनेक्शनों को दूसरे ट्यूबवेल से जोड़ने के बावजूद वहां भी टैंकर से पानी बांटे जाने पर सवाल उठ रहे हैं, जबकि जरूरतमंद परिवार पानी के लिए जूझ रहे हैं। इधर, पेयजल निगम के ईई मनीष करारा ने बताया कि क्षेत्र में दो ट्यूबवेल खराब होने से समस्या अधिक बढ़ी है। उन्होंने बताया कि सिंचाई विभाग के ट्यूबवेल को ठीक होने में अभी समय लगेगा, जबकि दूसरा ट्यूबवेल एक-दो दिन में चालू होने की उम्मीद है। साथ ही उन्होंने जेई को निर्देश दिए हैं कि सभी घरों में पानी बांटा जाए।

रोडवेज कर्मियों ने एजीएम को हटाने की मांग उठाई

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचार: रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद ने टनकपुर डिपो में सहायक महाप्रबन्धक (संचालन) की कार्य प्रणाली का विरोध किया है। सोमवार को कर्मचारियों ने धरना प्रदर्शन कर नारेबाजी की।

कर्मचारियों के बार-बार अनुरोध करने के बाद भी निगम की आफ रोड बसों को आन रोड नहीं किया जा रहा है। इससे निगम को कुछ माहों में पांच करोड़ का नुकसान उठाना पड़ा है। कर्मचारियों ने बताया कि मंडलीय प्रबंधक (तकनीकी) ने गत 20 अप्रैल को आफ रोड बसों का मूल्यांकन किया गया था, जिसमें डिपो में माह सितम्बर 2025 से 11 आफ रोड बसों को संचालित न करने से 4.91 करोड़ से अधिक का नुकसान और आफ रोड बसों के टैक्स के रुप में जमा की गई सात लाख 18 हजार से से अधिक की राशि को मिलाकर पांच करोड़ से अधिक का नुकसान होना पाया था। कर्मचारियों ने कहा कि लापरवाह अधिकारी के विरुद्ध कठोर अनुशासनिक कार्यवाही की संस्तुति मंडलीय प्रबंधक (संचालन) द्वारा की जा चुकी है, उसके बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। क्षेत्रीय अध्यक्ष भूपाल सिंह व मंत्री राजेन्द्र बिष्ट के नेतृत्व में दिनेश भट्ट, पंकज पंत, कनार्टक, संजीव कुमार, भूपाल सिंह, विक्रम सिंह, मोहित, विक्रम सिंह, जगदीश सामंत, शशांक त्रिपाठी आदि धरने पर बैठे।

अच्छी खबर

आयुक्त दीपक रावत की अध्यक्षता में हुई बैठक में विभिन्न विभागों के प्रस्तावों पर लगी मुहर

कुमाऊं मंडल के सात शहरों में ड्रेनेज सिस्टम को मिली स्वीकृति

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

समीक्षा बैठक करते आयुक्त दीपक रावत। ● अमृत विचार

अमृत विचार : आयुक्त दीपक रावत ने कुमाऊं के सबसे बड़े शहर हल्द्वानी समेत सात शहरों में जलभराव से निजात के लिए ड्रेनेज सिस्टम के प्रस्तावों की समीक्षा की। उन्होंने सभी प्रस्तावों को स्वीकृति देते हुए सिंचाई विभाग भेजने के निर्देश दिए हैं ताकि मानसून से पूर्व ड्रेनेज सिस्टम को प्रभावी बनाया जा सके।

आयुक्त रावत ने बताया कि सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कुमाऊं के सभी शहरों में जल भराव से निजात के लिए मास्टर ड्रेनेज प्लान बनाने तथा ड्रेनेज सिस्टम दुरुस्त करने के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में सोमवार को सिंचाई व संबंधित विभागों के साथ समीक्षा बैठक की गई। उन्होंने बैठक में कहा कि पर्वतीय के साथ ही मैदानी क्षेत्रों में भी कम समय में अधिक वर्षा होने या अन्य वजहों से जल भराव हो जाता है। इसके स्थायी एवं दीर्घकालिक समाधान में किसी भी स्तर पर कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। नालों की गहराई एवं चौड़ाई वैज्ञानिक एवं व्यवहारिक ढंग से निर्धारित की जाए और सभी पहलूओं को ध्यान में रखा जाए। उन्होंने जलभराव वाले क्षेत्रों में ड्रेनेज को प्राथमिकता देने और मास्टर प्लान पर समयबद्ध ढंग से काम किया जाए। आवश्यकता अनुसार कैचपिट, नालों के ढाल पर विशेष ध्यान दिया जाए ताकि सिल्ट एवं कूड़ा वगैरह के कारण नाला जाम होने की दिक्कत नहीं होनी चाहिए। इस अवसर पर पिथौरागढ़, टनकपुर, कपकोट, गरुड़, बागेश्वर, हल्द्वानी में ड्रेनेज की वर्तमान स्थिति, जलभराव के लिहाज से संवेदनशील एवं क्रिटिकल स्थान, प्राकृतिक जल निकासी एवं नालों का सर्वे, ड्रेनेज की डीपीआर की पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन दी गई। बताया कि नालों की शत प्रतिशत कनेक्टिविटी हो जाएगी तो जल भराव एवं बेकाबू अपवाह से राहत मिलेगी। नालों से वैज्ञानिक जल निकासी के साथ ही संभावित भू-कटाव में भी राहत होगी। सिंचाई विभाग के सीई संजय शुक्ल एवं संजीव श्रीवास्तव, लोनिवि सीई पीएस बृजवाल, यूयूएसडीए उप निदेशक मृदुला सिंह आदि रहे।

सात शहरों में ड्रेनेज के इन प्रस्तावों पर लगी मुहर

- कपकोट शहर में नाले की कुल लंबाई 10 .14 किमी तथा प्रस्तावित लागत 37 .28 करोड़ है।
- बागेश्वर शहर में ड्रेन की कुल लंबाई 35 .32 किमी तथा प्रस्तावित लागत 129 .50 करोड़ है।
- गरुड़ में ड्रेन की कुल लम्बाई 8 .28 किमी तथा कुल प्रस्तावित लागत 25 .54 करोड़ है।
- पिथौरागढ़ नगर में ड्रेन की कुल लंबाई 16 .77 किमी तथा प्रस्तावित लागत 87 .85 करोड़ है।
- टनकपुर में ड्रेनेज सिस्टम की कुल लंबाई 31 .32 किमी तथा प्रस्तावित लागत 101 .57 करोड़ है।
- बनबसा में ड्रेनेज की कुल लंबाई 25 .606 किमी तथा प्रस्तावित लागत 66 .57 करोड़ है।

विकास के लिए विभागों को मिली 7413.20 लाख की धनराशि

कैबिनेट व जनपद प्रभारी मंत्री प्रदीप बत्रा ने दीप जलाकर किया बैठक का शुभारंभ, अधूरे विकास कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करने के दिए निर्देश

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः कैबिनेट व जनपद प्रभारी मंत्री प्रदीप बत्रा की अध्यक्षता में जिला योजना समिति की बैठक संपन्न हुई। प्रभारी मंत्री ने दीप जलाकर बैठक का शुभारंभ किया। साथ ही समिति ने जिला योजना वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 7413.20 लाख रुपये की धनराशि का अनुमोदन किया गया।

सोमवार को डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम सभागार में आयोजित बैठक में जनपद प्रभारी मंत्री ने कहा कि सरकार सबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वास के आधार पर कार्य कर रही है। निष्पक्षता से सभी जनप्रतिनिधियों के प्रस्तावों को योजना में शामिल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिला योजना जनपद के विकास के लिए अति महत्वपूर्ण होती है। इसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, पशुपालन, सिंचाई, पेयजल पर विशेष फोकस किया गया है जो कार्य अतिआवश्यक है उसे प्राथमिकता से कार्ययोजना में शामिल किये गये हैं।

उन्होंने अधूरे विकास कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने व नियमित पानी की टेस्टिंग कराने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य स्तर पर जो भी विकास कार्यों के प्रस्ताव लंबित हैं उनमें शीघ्र धनराशि उपलब्ध कराने के लिए शासन स्तर पर वार्ता की जाएगी। उन्होंने जिलाधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि सीएसआर मद के माध्यम से भी जनपद में अति आवश्यक विकास कार्य कराए जाएं।

जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने बताया कि जिला योजना में स्वरोजगार, आजिविका परख योजनाओं के साथ ही शिक्षा, सड़क, स्वास्थ्य, पेयजल व नवाचार प्रस्तावों को प्राथमिकता से सम्मिलित किया गया है। जिला योजना में मुख्यतः माध्यमिक शिक्षा को 500 लाख, बेसिक शिक्षा को 498 लाख, स्वास्थ्य विभाग को 335 लाख, कृषि को 205 लाख, उद्यान को 239.25 लाख, सिंचाई को 547 लाख, लघु सिंचाई को 300 लाख, नलकूप को 225 लाख, सामुदायिक विकास को 334.14 लाख, पशुपालन को 195 लाख, जल संस्थान को 390 लाख, पेयजल निगम को 315 लाख, लोक निर्माण को 615 लाख, पंचायतीराज को 500 लाख अनुमोदित किये गये।

अधिकारियों के साथ बैठक करते प्रभारी मंत्री प्रदीप बत्रा। ● अमृत विचार

महापौर ने विकास कार्यों के लिए मांगा 25 करोड़ का बजट

संवाददाता, रुद्रपुर : कैबिनेट व जनपद प्रभारी मंत्री प्रदीप बत्रा का नगर निगम आगमन पर महापौर विकास शर्मा के नेतृत्व में भव्य स्वागत किया गया। बैठक के दौरान महापौर ने शहर की जर्जर सड़कों और जल निकासी की समस्या को दूर करने के लिए जिला योजना से 25 करोड़ रुपये का प्रस्ताव प्रभारी मंत्री को सौंपा। मंत्री बत्रा ने महापौर के एक वर्ष के कार्यकाल की सराहना करते हुए कूड़े के पहाड़ को पार्क में बदलने और त्रिशूल चौक के सुंदरीकरण को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने विश्वास जताया कि धामी सरकार के विकास कार्यों के दम पर आगामी चुनावों में भाजपा प्रचंड जीत दर्ज करेगी। इस दौरान नगर आयुक्त शिप्रा जोशी पांडे सहित कई पार्षद व भाजपा नेता मौजूद रहे।

ये लोग रहे मौजूद

अध्यक्ष जिला पंचायत अजय मौर्य, मेयर विकास शर्मा, दीपक बाली, ब्लॉक प्रमुख चंद्र प्रभा, ज्योति ग्रोवर, अनूप कौर, रीना गौतम, सांसद प्रतिनिधि कमल किशोर, प्रीत ग्रोवर, विधायक बाजपुर प्रतिनिधि डीके जोशी, जिला योजना समिति सदस्य अमित नारंग, जिला पंचायत सदस्य भास्कर संभल, सूरज नारायण, जिला योजना समिति सदस्य सचिव एवं मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी, एडीएम पंकज उपाध्याय, पीडी हिमांशु जोशी, संयुक्त सचिव एवं अर्थ एवं संख्याधिकारी नफील जीमल, सीडीओ सुशील मोहन डोभाल, मुख्य कृषि अधिकारी डॉ.वीकेएस यादव, डीएफओ यूसी तिवारी, एमएनए शिप्रा जोशी, सीएमओ डॉ. केके अग्रवाल, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ.आशुतोष जोशी, मुख्य उद्यान अधिकारी एसके शर्मा, प्रभारी मुख्य शिक्षा अधिकारी भानु प्रताप समेत संबंधित विभागों के अधिकारी व समिति के सदस्य आदि उपस्थित थे।

उत्पादकता बढ़ाने में जैव प्रौद्योगिकी विभाग अहम

संवाददाता, पंतनगर

अमृत विचारः उत्तराखंड जैव प्रौद्योगिकी परिषद पंतनगर में कैबिनेट मंत्री व अध्यक्ष जैव प्रौद्योगिकी प्रदीप बत्रा ने हल्दी से स्थानांतरित बायोटेक भवन और प्रयोगशालाओं का लोकार्पण मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री प्रदीप बत्रा और निदेशक बायोटेक डॉ. संजय कुमार ने संयुक्त रूप से किया। साथ ही जैव प्रौद्योगिकी विभाग की समीक्षा बैठक की।

सोमवार को लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान कैबिनेट मंत्री बत्रा ने कहा कि कृषि उत्पादकता में जैव प्रौद्योगिकी की भूमिका महत्वपूर्ण है। वैज्ञानिक सोच और वैज्ञानिक तकनीकों सहित उत्पादों के आयात को बढ़ावा देने पर बल दिया। उन्होंने रसायन रहित फसल उत्पादन के लिए जैव प्रौद्योगिकी आधारित प्रजातियों को विकसित करने के लिए वैज्ञानिकों को प्रेरित किया। उन्होंने परिषद के कई उत्पादों नैनो उर्वरक, हर्बल ग्रीन टी, हर्बल साबुन, समरानी कप व मशरूम अचार का विमोचन कर जनता को समर्पित किया।

निदेशक यूसीबी डॉ. संजय कुमार ने बताया कि परिषद का उद्देश्य शोध व विकास कार्यों को प्रदेश के किसानों, युवाओं व उद्यमियों तक पहुंचना है। कार्यक्रम को पूर्व विधायक राजेश शुक्ला एवं प्रगतिशील किसान डॉ.एसएस गौरैया ने भी संबोधित किया। इस दौरान प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मणिंद्र मोहन ने किया। इस अवसर पर डॉ. समीना मेहताब, डॉ. रविंद्र सिंह, डॉ. केसी वर्मा, डॉ. रत्ना राय, डॉ.आरके शर्मा, डॉ. आशुतोष मिश्रा, डॉ. गुरविंदर सिंह सहित वैज्ञानिक डॉ. कंचन कार्की आदि मौजूद रहे।

नैनो उर्वरक का विमोचन

पंतनगर : बायोटेक भवन में नैनो उर्वरक का विमोचन भी किया गया। नैनो उर्वरक इको फ्रेंडली है और खरपतवारों से निर्मित है। पौधों के पोषण में उपयोगी है जो उत्पादकता को बढ़ावा देने में सहायक है।

सिटी ब्रीफ

सामान लाने के नाम पर हड़पे 1.50 लाख

रुद्रपुर : दमन एंड दीव सामान लाने के नाम पर लाखों रुपये हड़पने का मामला सामने आया है। साइबर ठग ने फर्जी खाता शेयर कर ठगी को अंजाम दिया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

सिविल लाइंस निवासी राहुल चौहान ने बताया कि उसकी भुरारानी में ओमनी प्रोडेक्ट की फर्म है। बताया कि 13 मार्च 2026 को उसके द्वारा दमन एंड दीव से सामान ओमनी प्रोडेक्ट सामान लाने के लिए दमन ट्रांसपोर्ट नाम के ट्रांसपोर्टर से बातचीत हुई थी जो कि ऑनलाइन मुलाकात थी। बातचीत के बाद ट्रांसपोर्टर ने एसबीआई का एक खाता शेयर किया और जो कि सूरत गुजरात का खाता था। खाते में डेढ़ लाख रुपये जमा करवाते ही ट्रांसपोर्टर का फोन बंद आने लगा। पड़ताल में पता चला कि जिस व्यक्ति से बातचीत हुई थी उस फर्म का नाम एमआसी लॉजिस्टिक डीएलवाई रोड उद्योग नगर सूरत गुजरात की है। संचालक अभिनव पटेल व महेंद्र भारद्वाज है।

हरि किशन संस्थान का रिजल्ट शत प्रतिशत

खटीमा : शहीद हरि किशन शिक्षण संस्थान इंटर कॉलेज में इस वर्ष बोर्ड परीक्षाओं का परीक्षाफल शत प्रतिशत रहा। हाईस्कूल की परीक्षा में अता वारिश ने 91.6 प्रतिशत अंकों के साथ विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। वहीं इंटरमीडिएट में राजकुमार ने सर्वाधिक 82 प्रतिशत अंक हासिल किया है। प्रधानाचार्य सुदर्शन डोबरियाल एवं परीक्षा प्रभारी मोहित ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

होटल में रंगरलियां मनाते पूर्व एचआर हेड को पकड़ा

रुद्रपुर : औद्योगिक आस्थान सिडकुल की एक नामी कंपनी के पूर्व एचआर हेड की रंगरलियों ने सोमवार को हाई-वोल्टेज ड्रामे का रूप ले लिया। यूपी बॉर्डर स्थित एक होटल में अपनी प्रेमिका के साथ पकड़े जाने पर परिजनों ने जमकर हंगामा काटा।

रुद्रपुर की एक पॉश कॉलोनी निवासी 45 वर्षीय पूर्व एचआर हेड अपनी विवादित जीवनशैली के लिए चर्चा में रहे हैं। बताया जा रहा है कि अपनी इन्ही आदतों के चलते उन्हें पूर्व में नौकरी से भी हाथ धोना पड़ा था। सोमवार को वह अपनी 30 वर्षीय प्रेमिका के साथ बिलासपुर (यूपी) बॉर्डर के पास एक होटल में रुके थे। इसकी भनक जैसे ही पूर्व एचआर हेड की पत्नी और प्रेमिका के पति को लगी, वे तुरंत होटल पहुंच गए और दोनों को रंगे हाथों पकड़ लिया।

जोखिम में पड़ी जान, गले में फंसा धारदार माझा

रुद्रपुरः त्रिशूल और डीडी चौक के मध्य उस वक्त एक बाइक सवार युवक की जान जोखिम में पड़ गई। जब वह बाइक से बाजार की तरफ जा रहा था। इस बीच अचानक पतंगबाजी के चक्कर में धारदार माझा उसके गले में फंस गया। गनीमत यह रही कि युवक ने ब्रेक लगा ली और हल्का से कट गले पर लगा। वरना एक अप्रिय घटना घटित हो सकती थी।

यहां बता दें कि सोमवार की दोपहर को भगवानपुर निवासी नितिन कुमार अपनी बाइक से आवास विकास आया था। जब वह डीडी चौक से त्रिशूल चौक की तरफ बढ़ा तो अचानक पतंग का मांझा उसके गले में फंस गया और चलती बाइक होने के कारण माझा रगड़ने लगा और गला कटते बचा। कारण युवक को जब एहसास हुआ कि गले में तेज धारदार माझा फंस गया। उसने अचानक बाइक का ब्रेक लगा दिया और वह बाइक से नीचे गिर गया।

उन्होंने बताया कि गिरने के कारण युवक के कपड़े भी फट गए। जिसे देखकर राहगीर भी दौड़े-दौड़े युवक को जिला अस्पताल ले गये। जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने छुट्टी दे दी।

तीन श्रमिक निकाले, भड़के साथी

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः वेतन वृद्धि को लेकर आंदोलन करने वाले मेट्रोपोलिस रेजिडेंट सोसायटी के ठेका प्रथा श्रमिकों को धरना प्रदर्शन करना महंगा पड़ा। कारण ठेकेदार द्वारा तीन श्रमिकों को काम से निकाले जाने का मामला सामने आया। जिससे गुस्साए श्रमिकों ने कार्य बहिष्कार कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। जिसकी भनक लगते ही एक बार फिर समझाकर श्रमिकों को शांत कर दिया गया।

यहां बता दें कि रविवार को मेट्रोपोलिस सोसाइटी में काम करने वाले 20 से 25 श्रमिकों ने वेतन वृद्धि सहित कई मुद्दों को उठाते हुए धरना प्रदर्शन किया था। लेकिन कार्यकारिणी द्वारा आश्वासन देकर मामला शांत कर दिया। सोमवार को रोज की भांति काम पर आये। आरोप था कि संबंधित ठेका फर्म ने जमशेर खान, अभिषेक कुमार और विपिन कुमार को घर जाने का आदेश दिया और बोला कि उन्हें काम से निकाल दिया गया। इससे गुस्साए श्रमिकों ने कार्य बहिष्कार का ऐलान करते हुए फिर प्रदर्शन शुरू कर दिया। आधे घंटे प्रदर्शन के बाद संबंधित ठेका फर्म संचालक ने जांच कर पुनः नौकरी बहाली का आश्वासन दिया और श्रमिकों ने हामी भरी। इस मौके पर सावित्री देवी, विद्यापति, मुन्नी देवी, राम वती, कमलेश देवी, ममता देवी, हरेंद्र पाल, अफजल आलम, संतोष शर्मा, जितेंद्र कोहली, निखिल कुमार आदि मौजूद रहे।

मेट्रोपोलिस गेट पर प्रदर्शन करते श्रमिक। ● अमृत विचार

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
विद्युत नगरीय वितरण खण्ड, तिकोनिया, नैनीताल रोड
हल्द्वानी (नैनीताल)-263139, फोन एंव फैक्सः 05946-220172, E-mail: eddhld@yahoo.com

पत्रांक : 2299 दिनांक 27.04.2026

ई-निविदा सूचना

क्र० सं०	ई-निविदा सं०	कार्य/सामग्री का विवरण	ई-निविदा धनराशि	धरोहर धनराशि	ई-निविदा क्रय करने हेतु अंतिम तिथि एवं समय	ई-निविदा भाग-1 खुलने की तिथि एवं समय
01	EDD(T)H/04/2026-27	विद्युत वितरण उपखण्ड-द्वितीय, के०डी० चौराहा हल्द्वानी एवं 33/11 के०वी० उप-संस्थान के०डी० चौराहा परिसर में 03 नग डेस्कटॉप कम्प्यूटर मय यू०पी०एस० व 02 नग प्रिन्टर की आपूर्ति। मद-अनुसांगिक मद	250.00 + 45.00 (18%GST)	12000.00	15.05.2026 (11:00 बजे तक)	15.05.2026 (12:30 बजे तक)

निविदा भाग-1 में पी०क्यू०आर० की शर्ते पूर्ण करने वाले निविदाकार / आपूर्तिकर्ता का ही भाग-2 अलग से तिथि निर्धारित करते हुए खोला जायेगा कार्य की दशा एवं शर्ते विभागीय वेबसाईट www.uktenders.gov.in पर देखी जा सकती है।

''राष्ट्रहित में बिजली बचायें''

विद्युत बिलों के 24x7 ऑनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जायें।

अधिशासी अभियन्ता
विद्युत वितरण खण्ड (नगर), हल्द्वानी

रुद्रपुर शहर में जल्द दौड़ेंगी पचास इलेक्ट्रिक बसें

बीरेन्द्र बिष्ट, रुद्रपुर

अमृत विचारः भारत सरकार के अर्बन चेलेंड फंड से उत्तराखंड को साढ़े तीन हजार करोड़ रुपये स्वीकृत हुए हैं। रुद्रपुर नगर निगम ने शासन को रुद्रपुर को नया शहर बनाने के लिए एक हजार करोड़ के प्रस्ताव भेजे हैं। इसके तहत रुद्रपुर में करीब 50 इलेक्ट्रिक बसें संचालित की जाएंगी। इससे शहर के हर कोने से लोगों का आना-जाना आसान होगा। इसके अलावा मानसखंड कॉरिडोर भी बनाया जाएगा।

शहर को नया रुद्रपुर बनाने के लिए नगर निगम की ओर से एक हजार करोड़ रुपये के प्रस्ताव शासन को भेजे हैं। इसमें नगर निगम की ओर से शहर में 50 इलेक्ट्रिक बसें संचालित करने का प्रस्ताव भी शामिल है। शहर में इलेक्ट्रिक बसों के संचालन से प्रदूषण भी कम होगा और लोगों को सफर भी आसान हो जाएगा। इसके लिए निगम ने 50 करोड़ का प्रस्ताव शासन को भेजा है।

इसके अलावा शहर में आवासीय सोसायटी भी बनायी जाएगी और कूड़े के निस्तारण के लिए सेंटर भी बनाया जाएगा। साथ ही शहर में सात और वेंडिंग जोन भी बनाए जाएंगे। वहीं नगर निगम की ओर को मानसखंड कॉरिडोर के लिए 375 करोड़ का प्रस्ताव शासन को भेजा है। मंदिर मालामिशन के तहत नीलकंठ धाम, शिव मंदिर और गोलू देवता मंदिर को जोड़कर एक भव्य शिव कॉरिडोर का निर्माण किया जा रहा है। साथ ही महादेव की भव्य प्रतिमा भी लगायी जाएगी। जिसकी स्वीकृति भी मिल चुकी है।

> मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के सहयोग से नगर निगम रुद्रपुर आज हर वार्ड के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने में सक्षम हो पा रहा है। जल्द ही शहर में इलेक्ट्रिक बसें संचालित की जाएगी। इससे हर कोने में रहने वालों का सफर आसान होगा। इसके अलावा मानसखंड कॉरिडोर का निर्माण भी कराया जाएगा। सभी का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। 2026-27 में लगभग प्रस्ताव पूरे हो जाएंगे। इसमें कैबिनेट मंत्री राम सिंह कैड़ा, सचिव नितेश झा का भी काफी सहयोग मिल रहा है।
> **-विकास शर्मा**, महापौर, रुद्रपुर

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता सिंचाई खण्ड, पी०एम०जी०एस०वाई०, चम्पावत

पत्रांक- C.06/अधि०अभि० /10-पी०एम०जी०एस०वाई०/निविदा/ दिनांक 07/04/2026

अल्पकालीन निविदा सूचना 01/अधि०अभि०/2026-27

महामहिम राज्यपाल उत्तराखण्ड की ओर से अधिशासी अभियन्ता सिंचाई खण्ड, पी0एम0जी0एस0वाई0 चम्पावत द्वारा निम्न कार्यों हेतु सील्ड निविदायें दिनांक 26.04.2026 अपरान्ह 02.00 बजे तक लो0नि0वि0/पी0एम0जी0एस0वाई0 में रजिस्टर्ड ठेकेदारों हेतु आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 27.04.2026 से 28.04.2026 तक निर्धारित निविदा शुल्क जमा कर किसी भी कार्य दिवस में (राजकीय अवकाश को छोड़कर) अधिशासी अभियन्ता सिंचाई खण्ड, पी0एम0जी0एस0वाई0 चम्पावत के कार्यालय में प्राप्त किये जा सकते हैं, जो दिनांक 28.04.2026 को अपरान्ह 02:00 बजे तक अधिशासी अभियन्ता सिंचाई खण्ड, पी0एम0जी0एस0वाई0 चम्पावत के कार्यालय में जमा किये जायेंगे। निविदा के साथ 02 प्रतिशत धरोहर धनराशि जमा की जानी आवश्यक है। उक्त निविदायें दिनांक 28.04 2026 को अपरान्ह 02.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि के समक्ष कार्यालय अधिशासी अभियन्ता सिंचाई खण्ड, पी0एम0जी0एस0वाई0 चम्पावत के कार्यालय में गठित समिति के समक्ष खोली जाएगी।

क्र०स०	कार्य का नाम	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0)	धरोहर धनराशि (रू0)	कार्य पूर्ण करने हेतु समय	निविदा की वैधता	ठेकेदार की श्रेणी
01	टनकपुर-आमबाग मोटर मार्ग से छीनीगोठ मोटर मार्ग पर प्राकृतिक आपदा से क्षतिग्रस्त परिसम्मपत्तियों का मरम्मत / पुनर्निर्माण कार्य।	रू0 1000.00 + 18% जी0एस0टी0	13500.00	02 माह	15 दिन	"डी" एवं उच्चतर
02	खटोली गल्ली से वैला मोटर मार्ग पर प्राकृतिक आपदा से क्षतिग्रस्त परिसम्मपत्तियों का मरम्मत/पुनर्निमार्ण कार्य।	रू0 1500.00 + 18% जी0एस0टी0	24000.00	02 माह	15 दिन	"डी" एवं उच्चतर

अन्य शर्ते निविदा प्रपत्रों के साथ देखी जा सकेंगी (किसी भी निविदा को स्वीकृत / अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी के पास सुरक्षित रहेगा)

अधिशासी अभियन्ता
सिंचाई खण्ड, पी०एम०जी०एस०वाई०
चम्पावत

बैंक को लगाया 77.08 करोड़ का चूना

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः क्रेडिट कार्ड और टर्म लोन की आड़ में एक कारोबारी द्वारा बैंक को करोड़ों रुपये का चूना लगाने का मामला सामने आया है। जब बैंक ने फर्म की संपत्ति पर कब्जा किया तो अभियुक्तों द्वारा चोरी छिपे कीमती सामान गायब कर दिया और बैंक का लोन भी जमा नहीं किया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार सिविल लाइंस स्थित नैनीताल बैंक लिमिटेड के वरिष्ठ शाखा प्रबंधक डीएस पांडेय ने बताया कि 26 दिसंबर 2016 को मैसर्स रुद्रा ऑटो टेक इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक विशाल सिंह और उनकी पत्नी स्वीटी सिंह निवासी रामी बिहार देवलचौड़ ट्रांसपोर्ट नगर मानपुर पश्चिम हल्द्वानी और गीता शाह निवासी गंगोला अल्मोड़ा ने बैंक से कई बार क्रेडिट कैश और टर्म लोन के माध्यम से प्लांट और मशीनों की क्रय करने के लिए लगभग 77 करोड़ आठ लाख रुपये ऋण लिया था।

बैंक में अपनी संपत्ति को बंधक रखा था। निर्धारित समयावधि और किस्त जमा नहीं हुई तो बैंक द्वारा एनपीए के कारण वर्ष 2023 को जिला मजिस्ट्रेट की अदालत में याचिका दायर की। अदालत ने अभियुक्तों की संपत्ति को बंधक बनाने का आदेश भी दिया। जिसके बाद बैंक द्वारा बैंक की संपत्ति और सारे मशीनों को बंधक बना लिया। नियमानुसार इंटरिम रेजोल्यूशन प्रोफेशनल यानी आईआरपी द्वारा बंधक मशीनरी व स्टॉक की पहचान के लिए अपूर्व पांडेय वरिष्ठ शाखा प्रबंधक एवं आईआरपी मेंबर के साथ मैसर्स रुद्रपुर ऑटो टेक इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड सिडकुल पंतनगर का मौका मुआयना किया।

इस दौरान उन्होंने पाया कि अभियुक्तों ने प्लांट, मशीनरी और अन्य स्टॉक सामान गायब हो चुका है। इससे प्रतीत होता है कि अभियुक्तों ने आपसी एक राय होकर अमानत में खयानत करते हुए 770.08 करोड़ रुपये हड़प करते हुए लोकधन को भारी भारी हानि पहुंचाने का काम किया है। जब पुलिस द्वारा कोई सुनवाई नहीं हुई तो वरिष्ठ शाखा प्रबंधक नैनीताल बैंक ने अदालत में याचिका दायर की। अदालत के आदेश के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गुमराह करने के लिए खोले कई खाते

रुद्रपुर : वरिष्ठ शाखा प्रबंधक का यह भी कहना था कि नैनीताल बैंक में डायरेक्टर विशाल सिंह, स्वीटी सिंह, गीता शाह के अलावा मैसर्स रुद्रा ऑटो टेक इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड ने छह से सात खाते खोले हुए थे। अभियुक्तों के द्वारा बारी-बारी से प्लांट को बंधक बनाकर तो कभी मशीनरी की खरीद पर कैश क्रेडिट और टर्म लोन लेते रहे। यही कारण है कि बैंक को कूटरचना का आभास नहीं हुआ। कारण ऋण हमेशा अलग-अलग खातों से नामजद अभियुक्तों ने अपनी-अपनी संपत्ति दिखाते हुए लोन का दावा पेश किया था। जिस कारण अभियुक्तगण पर बैंक का 77.08 करोड़ रुपये का कर्ज बन चुका था।

मैसर्स रुद्रा फर्म को भी किया है नामजद

नैनीताल बैंक के वरिष्ठ शाखा प्रबंधक का कहना था कि मैसर्स रुद्रा आटो टेक इंजीनियरिंग सिडकुल की फर्म दिखाकर विशाल सिंह व उसकी पत्नी स्वीटी सिंह ने खुद को डायरेक्टर्स दर्शाया था, जबकि गीता शाह भी कंपनी में साझेदार दिखाई गई थी। अभियुक्तों ने दावा पेश किया था कि उनकी सिडकुल में फर्म है और वह कारोबार को बढ़ाना चाहते हैं। जिसके लिए अभियुक्तों ने मैसर्स रुद्रा को ढाल बनाकर प्लांट और मशीनरी क्रय करने के लिए करीब 77.08 करोड़ रुपये का बिजनेस लोन लिया था और संपत्ति बंधक बनाते हुए कैश क्रेडिट और टर्म लोन का आवेदन किया है। यही कारण है कि विशाल, स्वीटी और गीता शाह के साथ ही मैसर्स रुद्रा को भी नामजद किया गया।

ब्रीफ न्यूज

मतुआ सम्प्रदाय महा उत्सव में उमड़ी भीड़

खटीमा : चारुबेटा स्थित बंगाली कॉलोनी में आयोजित 'चौथे श्री श्री मतुआ सम्प्रदाय महा उत्सव' के दूसरे दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। उत्सव के दूसरे दिन नानकमत्ता विधायक गोपाल सिंह राणा ने शिरकत की। आयोजन समिति के अध्यक्ष अजीत राय ने मंदिर में टिनशेड निर्माण हेतु विधायक का आभार व्यक्त किया। उत्सव के दौरान विभिन्न कीर्तन मंडलियों ने ''महा हरिनाम संकीर्तन'' से वातावरण को दिव्य बना दिया। महोत्सव का समापन आज विशाल भंडारे के साथ होगा। उधर, नारायण नगर के शिव एवं कृष्ण मंदिर में भी तीन दिवसीय अखंड महानाम का समापन भंडारे के साथ हुआ। इस अवसर पर सपन मंडल, आनंद अधिकारी, रंजन विश्वास, सपन विश्वास मौजूद रहे।

पत्रकार की मां के निधन पर जताया शोक

जसपुर : राज्य आपादा प्रबंधन विभाग के उपाध्यक्ष विनय रोहेला ने पत्रकार शौकत राही एवं व्यापार मंडल के पूर्व अध्यक्ष तरूण गहलौत की मां के निधन पर शोक जताया। रोहेला ने दोनों के घर पहुंचकर गहरी संवेदना व्यक्त कर परिजनों को ढांढस बंधाया। साथ ही उन्होंने हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। बता दें कि पत्रकार शौकत राही एवं तरूण गहलौत की मां धर्मवती देवी का बीमारी के चलते निधन हो गया था। यहां आरपी सिंह, उस्मान, कुलदीप सिंह, मुशाहिद, बिट्टू मौजूद रहे।

सिडकुल में वेतन वृद्धि को लेकर चिंगारी तेज

सीआईटीयू के राष्ट्रीय नेताओं ने फूंका आंदोलन का बिगुल, पुलिस-प्रशासन और एलआईयू भी हुई अलर्ट

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: नोएडा के अब सिडकुल की कंपनियों में फैली वेतन वृद्धि की चिंगारी उठने का मामला अभी ठंडा भी नहीं हुआ था कि अब सीआईटीयू श्रमिक संगठन के राष्ट्रीय नेता भी रुद्रपुर पहुंच गए। इस दौरान उन्होंने श्रम विरोधी चार श्रम कोड के खिलाफ डीएम कार्यालय पर प्रदर्शन किया। जिसकी भनक लगते ही पुलिस-जिला एवं खुफिया तंत्र भी सक्रिय हो गया और राष्ट्रीय नेताओं ने श्रमिकों के मुद्दे को जायज ठहराया और भारत सरकार की श्रम विरोधी मंशा पर पलटवार किया। इस दौरान उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक भी की।

सोमवार को सीटू के राष्ट्रीय महामंत्री संगठन अलिमा राम करीम और राष्ट्रीय सचिव केएन उमेश वरिष्ठ नेताओं के साथ डीएम कार्यालय पहुंचे और प्रदर्शन करते हुए सीएम को संबोधित ज्ञापन एसडीएम मनीष बिष्ट को सौंपा। सीटू के राष्ट्रीय नेताओं की भनक लगते ही एडीएम कौस्तुभ मिश्रा, सीओ पंतनगर डीआर वर्मा और एलआईयू कर्मी सुनील पाठक सहित भारी पुलिस फोर्स भी डीएम

डीएम कार्यालय परिसर में प्रदर्शन करते सीआईटीयू श्रमिक संगठन के राष्ट्रीय नेता। ● अमृत विचार

चार श्रम कोड का भी उठाया मुद्दा

रुद्रपुर : सीआईटीयू के राष्ट्रीय नेताओं ने अधिकारी बैठक के दौरान बताया कि संगठन राज्य सरकार द्वारा एक अप्रैल 2024 से लागू वाणिज्यिक अधिष्ठानों-दुकानों के लिए वेतनमान संशोधित करते हुए न्यूनतम वेतन 26 हजार करने, न्यूनतम मजदूरी सलाहकार बोर्ड में केंद्रीय श्रम संगठनों को शामिल करने, राज्य गठन को 25 वर्ष पूरे होने पर इंजीनियरिंग उद्योग में कार्यरत श्रमिकों के वेतन का निर्धारण करते हुए इंजीनियरिंग उद्योग के लिए वेज बोर्ड का शीघ्र गठन करने, वेतन वृद्धि का मुद्दा उठा रहे श्रमिक, ट्रेड यूनियन के कार्यकर्ताओं का दमन व शोषण पर शीघ्र रोक लगाने और संविधान में मजदूरों के हितों की रक्षा करें। कारण चार श्रम कोड इसके बिल्कुल उलट हैं। जिसमें संशोधन की आवश्यकता है।

कार्यालय पहुंच गया। जिसके बाद आला अधिकारियों के साथ बैठक का दौर शुरू हुआ। उनका कहना था कि महंगाई का दौर चल रहा है और नियमानुसार पांच साल में वेतन वृद्धि करना जरूरी होता है, लेकिन मामला श्रम विभाग का बताकर श्रमिकों को गुमराह किया गया और फिर एक रिपोर्ट केंद्रीय श्रम कार्यालय भेजा गया, लेकिन वेतन वृद्धि नहीं हुई।

हकीकत यह है कि परीक्षण रिपोर्ट ने न्यूनतम वेतन वृद्धि 26 हजार रुपये किये जाने की सिफारिश की है। यही कारण है कि श्रमिक आंदोलन की राह पर है। सोमवार को श्रमिकों से मुलाकात हुई तो पता चला कि नौ से दस हजार के बीच ठेका प्रथा पर युवक-युवतियों से काम कराया जा रहा है जो कि श्रम कानून का उल्लंघन है। उन्होंने जिला प्रशासन से एक सप्ताह के अंदर कंपनियों से वार्ता कर परीक्षण करें और शीघ्र ही वेतन वृद्धि के मुद्दे का समाधान करें। ताकि औद्योगिक आस्थानों में शांति व्यवस्था कायम रहे। इस मौके पर प्रांतीय अध्यक्ष महेंद्र जखमोला, महामंत्री राजेंद्र नेगी, राजेंद्र सिंह राजा, राजेद्र सिंह पुरोहित, पुरुषोत्तम बडोनी, मनमोहन रौतेला मौजूद रहे।

मीडिया को देख घबराए अधिकारी

रुद्रपुर : जहां एक ओर सीआईटीयू के राष्ट्रीय नेता प्रांतीय नेताओं के साथ डीएम कार्यालय पहुंचे और इसकी भनक मीडिया कर्मियों को हुई तो मीडिया को देखकर जिला प्रशासन भी हैरान रह गया। प्रशासन की कोशिश यही थी कि मीडिया खबर को प्रकाशित नहीं करे। जिसको लेकर एलआईयू कर्मी हो या फिर प्रशासनिक अधिकारी। बार-बार मीडिया कर्मियों की वीडियो और फोटो डिलीट कराने का प्रयास कर रहे थे। जिससे साफ था कि सीटू नेताओं को देखकर प्रशासन भी घबराया हुआ था। जिसका मुख्य कारण यह है कि सीटु में जितने भी राष्ट्रीय नेता है। वह श्रम विभाग के ऊंचे ओहदे से सेवानिवृत्त हो चुके हैं और वर्तमान में श्रमिकों का मुद्दा उठा रहे हैं।

पत्नी-बच्चों के वियोग में राजमिस्त्री ने दी जान

संवाददाता, सितारगंज

अमृत विचार : शराब की लत और पारिवारिक कलह ने एक और हंसते-खेलते परिवार को उजाड़ दिया। बलीनगर निवासी एक राजमिस्त्री ने पत्नी और बच्चों के वियोग में अवसाद के चलते जामुन के पेड़ से लटककर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए खटीमा भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार, बलीनगर निवासी सलीम (25) का करीब 10 दिन पहले शराब पीने को लेकर अपनी पत्नी से विवाद हुआ था। इसके बाद उसकी पत्नी अपने चार बच्चों को लेकर मायके चली गई थी। सलीम लगातार उन्हें वापस लाने की कोशिश कर रहा था, लेकिन उनके न लौटने से वह गहरे मानसिक तनाव (अवसाद) में था।

परिजनों ने बताया कि सलीम रविवार शाम से लापता था। सोमवार सुबह घर से कुछ दूरी पर जामुन के पेड़ पर चुन्नी के सहारे उसका शव लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस और फील्ड यूनिट ने मौके से साक्ष्य जुटाए और मृतक का मोबाइल फोन कब्जे में लिया है।

पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का है। सलीम की मौत के बाद उसकी पत्नी और चार मासूम बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है।

घरेलू कलह के बाद युवक ने फंदे से लटककर दी जान

रुद्रपुर : कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत भुरारानी इलाके में एक 24 वर्षीय युवक ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि युवक नशे का आदी था और मानसिक तनाव से गुजर रहा था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, भुरारानी निवासी नीरज (24) की शादी दो साल पहले हुई थी और उसका एक साल का बच्चा भी है। सोमवार सुबह किसी बात को लेकर नीरज का अपनी पत्नी से विवाद हो गया। आवेश में आकर उसने कमरे के भीतर जाकर कुंडी लगा ली। काफी देर तक कोई हलचल न होने पर जब पत्नी ने खिड़की से झांका, तो नीरज फंदे से लटका हुआ था। चीख-पुकार सुनकर पहुंचे पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को नीचे उतारा। प्रारंभिक जांच और परिजनों के अनुसार, मृतक नशे का लती था, जिसके कारण वह अक्सर तनाव में रहता था। युवक की मौत के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

नीलाश ने जीती चेस चैंपियनशिप

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार : देवभूमि चेस एसोसिएशन के तत्वावधान में भारतीयम इंटरनेशनल स्कूल (लालपुर) में आयोजित पांच दिवसीय 'धीरज सिंह रघुवंशी मेमोरियल ओपन शतरंज प्रतियोगिता' का सोमवार को भव्य समापन हुआ। फाइनल मुकाबले में रेलवे के नीलाश साहा (आईएम) ने बाजी मारते हुए चैंपियनशिप की ट्रॉफी और एक लाख रुपये का नकद पुरस्कार अपने नाम किया।

9 राउंड के कड़े संघर्ष के बाद नीलाश साहा साढ़े सात अंकों के साथ प्रथम रहे। उत्तर प्रदेश के श्रेयांश सिंह ने दूसरा और वेस्ट बंगाल के अनुष्तुक विश्वास ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। उत्तराखंड से सूर्य प्रकाश पोखरियाल को 'बेस्ट खिलाड़ी' और लक्षिता चौधरी को 'बेस्ट महिला खिलाड़ी' के खिताब से नवाजा गया। प्रतियोगिता के सबसे

किच्छा में विजयी प्रतिभागियों को सम्मानित करते अतिथि। ● अमृत विचार

कम उम्र के खिलाड़ी, 5 वर्षीय अयांश किशोर गोस्वामी को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरेंद्र सिंह मलिक ने विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए कहा कि शतरंज बच्चों की मानसिक इच्छाशक्ति और निर्णय लेने की क्षमता को मजबूत करता है। एसोसिएशन के महासचिव संजीव चौधरी ने बताया कि प्रदेश की प्रतिभाओं को विश्व पटल पर लाने के लिए ऐसे आयोजन निरंतर जारी रहेंगे। स्कूल प्रबंधक विवेक गोयल ने सभी का आभार व्यक्त किया। समापन समारोह में पंतनगर विश्वविद्यालय के संयुक्त निदेशक संजय चौधरी, एसोसिएशन की कोषाध्यक्ष सीमा सिंह, कॉलेज प्रबंधक गुरजीत सिंह कामरा, प्रधानाचार्य रश्मि आनंद, उप प्रधानाचार्य भूपेंद्र सिंह, चीफ आर्बिटर आई मृत्युंजय सिंह, डिप्टी आर्बिटर आईए रूपेश कुमार, आर्बिटर आईए सार्दुल शर्मा आदि मौजूद रहे।

बंद मकान में चोरी करता युवक रंगे हाथों दबोचा

संवाददाता, शांतिपुरी

- जवाहरनगर आदर्श विहार कॉलोनी में हुई घटना
- ग्रामीणों ने आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले किया

अमृत विचार : जवाहरनगर आदर्श विहार कॉलोनी में रविवार की रात चोरी की नियत से घुसे एक युवक को ग्रामीणों की सतर्कता के चलते रंगे हाथों पकड़ लिया गया। ग्रामीणों ने आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया है, जबकि उसके दो अन्य साथियों की तलाश जारी है।

जानकारी के अनुसार, भारतीय सेना में सूबेदार राजेंद्र हरबोला का परिवार देहरादून में है, जबकि उनके माता-पिता पैतृक गांव गए हुए थे। सूने मकान का फायदा उठाकर रात करीब 3 बजे चोर ताला तोड़कर अंदर घुस गया। पड़ोस में रहने वाले पूर्व सैनिक रणजीत सिंह बिष्ट ने आवाजें सुनीं और तुरंत ग्राम प्रधान तारा मोहन पांडे सहित अन्य ग्रामीणों को एकत्र कर लिया। ग्रामीणों ने मकान को चारों ओर से घेरा और तीसरे कमरे में छिपे युवक को दरवाजा तोड़कर पकड़ लिया।

पूछताछ में पकड़े गए युवक ने बताया कि दो अन्य साथी उसे बाइक से छोड़कर गए थे। हालांकि, घर में नकदी या जेवर न होने के कारण बड़ी चोरी टल गई। सोमवार सुबह गांव में आयोजित बैठक में ग्रामीणों ने क्षेत्र में बढ़ती चोरी की घटनाओं पर आक्रोश जताया। ग्राम प्रधान और अन्य ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से रात्रि गश्त बढ़ाने की पुरजोर मांग की है। बैठक में मोहन पांडे, रणजीत सिंह बिष्ट और दिनेश चंद जोशी आदि मौजूद रहे।

महिला आरक्षण को लेकर आक्रोश

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: नारी शक्ति वंदन अधिनियम को विपक्ष द्वारा बाधित किए जाने के विरोध में और मातृशक्ति के सम्मान एवं उनके अधिकारों की रक्षा के लिए महिला जन आक्रोश सम्मेलन का आयोजन हुआ। इस दौरान 33 प्रतिशत महिला आरक्षण संशोधन अधिनियम पारित नहीं होने पर महिलाओं में आक्रोश व्यक्त किया।

सोमवार को ब्लॉक कार्यालय सभागार में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष डॉ.विनीता सक्सेना ने महिलाओं को आधुनिक भारत की राजनीति का भविष्य बताया। साथ ही कहा कि विपक्ष चाहे जितना जोर लगा ले महिलाओं को उनका हक मिलकर रहेगा। सम्मेलन में मातृशक्ति का उत्साह और आक्रोश स्पष्ट रूप से देखने को मिला।

मुख्य वक्ता कल्पना बोरा ने

महिला जन आक्रोश सम्मेलन में मौजूद भाजपा महिला मोर्चा के पदाधिकारी।

- रुद्रपुर में महिला जन आक्रोश सम्मेलन का आयोजन

कहा कि ये आक्रोश खाली प्रदेश तक सीमित नहीं रहेगा। ये आक्रोश पूरे देश में जाएगा। उन्होंने कहा कि फूल नहीं चिंगारी हैं, हम भारत की नारी हैं कहते हुए अपना उद्बबोधन शुरू किया। सम्मेलन में उपस्थित सभी वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं के अधिकार और सम्मान का प्रतीक है। इसे रोकने का प्रयास करने वाली विपक्षी सोच के खिलाफ नारी शक्ति अब एकजुट होकर आवाज उठाई जाएगी। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख रीना गौतम, शैली फुटेला, मीना शर्मा, लता सिंह, पूनम अग्रवाल, जानकी तिवारी, महिला मोर्चा की जिला महामंत्री प्रीति धीर, प्रेमलता चौहान, नीलू गुप्ता, दया डसीला, स्वाति शर्मा, रजनी रावत, गीता भारद्वाज, साधना शर्मा, निर्मला सिंह, सुषमा अग्रवाल, रीना जग्गा, पिंकी चतुर्वेदी, अर्चना राय एवं सामाजिक कार्यकर्ता एवं विभिन्न संगठनों से जुड़े लोग मौजूद रहे।

जिला स्तरीय कराटे प्रतियोगिता के विजेताओं के साथ आयोजक मंडल।

जिला स्तरीय कराटे में डायनेस्टी स्कूल के बच्चों ने जीते चार गोल्ड मेडल

खटीमा : डायनेस्टी मॉडर्न गुरुकुल एकेडमी छिनकी फॉर्म खटीमा के खिलाड़ियों ने जिला स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में चार गोल्ड मेडल जीतकर विद्यालय को गौरवान्वित किया है ।लोहाघाट के युवा भवन में 24 अप्रैल को आयोजित प्रतियोगिता में कल्पित थ्वाल, प्रिंस बोरा, दिया मिश्रा और रीना कठायत ने अपने-अपने भार वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया। चारों खिलाड़ियों का चयन आठ मई को देहरादून में होने वाली राज्य स्तरीय कराटे प्रतियोगिता के लिए हुआ है। बच्चों की सफलता पर प्रबंध निदेशक धीरेंद्र चंद्र भट्ट, डायरेक्टर प्रेमा भट्ट, प्रधानाचार्य चंद्रकांत पनेरु, विक्टर आईवन, प्रशासनिक अधिकारी मनीष चंद, हरीश भट्ट, सुरेश ओली, अशोक जोशी, भरत बिष्ट आदि ने विजेताओं को शुभकामनाएं दी हैं।

विकास कार्यों की सौगात दी

संवाददाता, गूलरभोज

अमृत विचार : शहरी विकास मंत्री राम सिंह कैड़ा ने सोमवार को नगर पंचायत गूलरभोज में करोड़ों रुपये की विकास योजनाओं का लोकार्पण और शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने नवनिर्मित वेंडिंग जोन की दुकानों का वितरण किया और नगर पंचायत के कार्यों की सराहना की।

मंत्री कैड़ा ने नगर पंचायत के सौजन्य से बने आयुष्मान आरोग्य मंदिर का शुभारंभ किया। इसके बाद उन्होंने 10 नवनिर्मित टाइल्स मार्गों का लोकार्पण कर उन्हें जनता को समर्पित किया। इससे पूर्व, रामलीला मैदान पहुंचने पर नगर पंचायत अध्यक्ष सतीश चुघ और सभासदों ने कैबिनेट मंत्री का भव्य स्वागत किया। मंत्री ने अटल चौक

गूलरभोज में विकास कार्यों का लोकार्पण करते कैबिनेट मंत्री राम सिंह कैड़ा व अन्य।

और सुभाष चौक पर महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण भी किया।

वार्ड नंबर-7 में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मंत्री ने नवनिर्मित वेंडिंग जोन की 18 दुकानों की चाबियां लाभार्थियों को सौंपी। जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जो कार्य पिछले दस वर्षों में नहीं हो पाए, उन्हें अध्यक्ष सतीश चुघ ने मात्र एक वर्ष में धरातल पर उतार दिया है। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश मंत्री गुंजन सुखीजा, रुद्रपुर महापौर विकास शर्मा, काशीपुर महापौर दीपक बाली और दिनेशपुर अध्यक्ष मनजीत कौर ने भी विचार रखे।

खटीमा-मझोला हाईवे का निर्माण कार्य ठप

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश को जोड़ने वाले महत्वपूर्ण खटीमा-मझोला राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण कार्य एनएचएआई और कार्यदायी संस्था के बीच उपजे विवाद के कारण अचानक ठप हो गया है। 14 करोड़ की लागत वाले इस 11 किमी लंबे मार्ग के अधर में लटकने से राहगीरों और व्यापारियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

कार्यदायी संस्था के ठेकेदार के.एस. अलावत का आरोप है कि समय पर भुगतान न मिलने से मजदूरों और मशीनों का खर्च निकालना मुश्किल हो गया है। वहीं, एनएचएआई के सहायक अभियंता विनोद कुमार का कहना है कि कार्य मानक के अनुरूप नहीं है और अभी भी 3 किमी का काम शेष है। उचित बिल और गुणवत्ता सुनिश्चित होने पर ही भुगतान किया जाएगा।

आधे अधूरे बने मार्ग पर उठता धूल का गुबार।

शहीद सहायक कमांडेंट पाठक को श्रद्धांजलि दी

सितारगंज : सितारगंज स्थित 57वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने शहीद सहायक कमांडेंट चारु चंद्र पाठक का शहीद दिवस उनके हल्द्वानी स्थित आवास पर श्रद्धा और सैन्य सम्मान के साथ मनाया। इस दौरान एसएसबी के अधिकारियों ने शहीद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके सर्वोच्च बलिदान को याद किया। मूल रूप से पिथौरागढ़ निवासी शहीद चारु चंद्र पाठक 27 अप्रैल 2004 को जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में एक आतंकवादी ग्रेनेड हमले के दौरान वीरतापूर्वक मुकाबला करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए थे। कमांडेंट गंगा सिंह उदावत के निर्देशन में पहुंची एसएसबी टीम ने शहीद के परिजनों से भेंट कर उनके वीरतापूर्ण प्रसंग साझा किए। शहीद के भाई राजेश कुमार पाठक ने 57वीं वाहिनी के इस भावनात्मक कदम की सराहना की। कार्यक्रम में निरीक्षक मुन्नी बाई, प्रकाश जोशी, सहायक उप-निरीक्षक विपिन कुमार मौजूद रहे।

लामबंद गौरक्षा दल की मुहिम, जोरशोर से उठाया दो सूत्रीय मुद्दा, जुलूस निकालकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

बंद की जाए गौ हत्या, गौमाता को मिले राष्ट्रमाता का दर्जा

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: गौ हत्या पूर्णतया बंद होने और गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित किए जाने का मुद्दा उठाते हुए गौ रक्षा दल ने जुलूस निकाला और डीएम कार्यालय जाकर विधायक के माध्यम से एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने आगाह किया कि यदि उनकी मांगों पर गौर नहीं किया तो उग्र आंदोलन होगा।

सोमवार को गौरक्षा दल के अध्यक्ष एवं संयोजक विराट कुमार आर्य सहित बड़ी संख्या में हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ता जुलूस निकालते हुए डीएम कार्यालय पहुंचे। जहां विधायक शिव अरोरा के लेटर पैड पर लिखित मांगों का ज्ञापन एसडीएम मनीष बिष्ट को

एसडीएम को ज्ञापन सौंपते गौरक्षा दल के कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

सौंपा। उनका कहना था कि 27 अप्रैल से गौ रक्षा दल ने गौ सम्मान आह्वान अभियान प्रारंभ किया है। जिसके माध्यम से दल यह मांग करता है कि देश में गौ हत्या पूर्ण रूप से बंद होनी चाहिए।

उन्होंने सीएम को संबोधित ज्ञापन में कहा कि गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित करने के लिए केंद्र सरकार को प्रस्ताव बनाकर भेजने, गौ संरक्षण, संवर्धन एवं गौशालाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए विशेष योजनाएं संचालित करने और गौ तस्करी और गौ अपराधियों पर सख्त कार्रवाई का प्रावधान करने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि गौ माता भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा और आस्था का आधार है। यदि उनकी मांगों पर गौर नहीं किया तो गौ रक्षा दल आंदोलन करेगा।

किच्छा में भी गौ रक्षा दल ने किया जोरदार प्रदर्शन

किच्छा : ''गौ सम्मान आह्वान अभियान'' के तहत गौ रक्षा दल और हिंदूवादी संगठनों ने किच्छा तहसील में जोरदार प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने एसडीएम गौरव पांडे के माध्यम से राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री को ज्ञापन सौंपकर गौ माता को ''राष्ट्र माता'' का संवैधानिक दर्जा देने की मांग उठाई। गौ रक्षा दल के अध्यक्ष विराट आर्य और उपाध्यक्ष मुकेश राठौर ने बीफ एक्सपोर्ट और सड़कों पर गोवंश की दुर्दशा पर गहरा रोष व्यक्त किया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द मांग पूरी नहीं हुई, तो दिल्ली में बड़ा आंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर गौ रक्षा दल के अध्यक्ष विराट आर्य एवं जिला उपाध्यक्ष मुकेश राठौर सहित जिला महामंत्री राधे सनातनी, पंतनगर अध्यक्ष धीरज बंसल, अजय चंद्रा, धर्मपाल यादव, अमन कुमार, ममता जीना, नरेंद्र गंगवार, नारद जोशी, अनुराग, जितेंद्र शर्मा, विशाल, उमेश जोशी, नीरज आदि मौजूद रहे।

बाजपुर में प्रभावी कानून बनाने की मांग

बाजपुर : क्षेत्र के हिंदू संगठनों ने सोमवार को एसडीएम डॉ. अमृता शर्मा के माध्यम से राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपकर केंद्र सरकार से गोसेवा के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की। ज्ञापन में कार्यकर्ताओं ने मांग उठाई कि गोवंश को ''राष्ट्रमाता/राष्ट्र आराध्या'' घोषित किया जाए और इसके संरक्षण हेतु एक पृथक 'केंद्रीय गोसेवा मंत्रालय' का गठन हो ।संगठनों ने चिंता जताई कि तस्करी, अवैध वध और सड़कों पर असुरक्षित हालातों के कारण देशी गोवंश की संख्या लगातार घट रही है। कार्यकर्ताओं ने पूरे देश में एक समान प्रभावी कानून बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस दौरान यशपाल राजहंस, वरुण वशिष्ठ, ऋषिपाल सिंह सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ज्ञानदीप के पंकज रहे विद्यालय के टॉपर

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: उत्तराखंड हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा में ज्ञानदीप उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गांगी के पंकज ने 89 प्रतिशत अंक हासिल कर विद्यालय को टॉप किया है। जबकि दीपांशु जोशी ने 87 प्रतिशत के साथ द्वितीय और नीरज जोशी ने 85.2 प्रतिशत के साथ तृतीय स्थान हासिल किया है। प्रबंधक/प्रधानाचार्य दिगंबर सिंह बोरा ने बताया कि परीक्षा में सम्मिलित 66 बच्चों में 40 बच्चों ने प्रथम श्रेणी में परीक्षा पास की है जिसमें 12 ने विशेष योग्यता के साथ परीक्षा पास की है। बच्चों की इस सफलता पर प्रबंधक/प्रधानाचार्य बोरा, वीर सिंह, नन्दन सिंह बसेड़ा, अभिषेक कुमार, प्रताप सिंह, राहुल चौहान, राजकिरण सिंह, संजय सिंह, मीना भट्ट, दीपा बोरा, ज्योति कन्याल, रश्मि गहतोड़ी, उर्मिला मारकोना, सोनिया रावत, लक्ष्मी नेगी , रिया कन्याल आदि ने उज्जवल भविष्य की कामना की है।

सिटी ब्रीफ

मेधावी छात्र को किया गया सम्मानित

काशीपुर : पार्कर हायर सेकेंडरी स्कूल के मेधावी छात्र टीटू सिंह को उत्तराखंड बोर्ड हाईस्कूल परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश में 16 वां स्थान हासिल करने पर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि कायस्थ सभा अध्यक्ष अधिवक्ता अभिताभ सक्सेना ने छात्र टीटू सिंह की मेहनत, अनुशासन और लगन की सराहना कर अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बताया। छात्र को 1100 रुपये का नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। विद्यालय प्रबंधक सुरेश सैनी, प्रधानाचार्य अल्पना सैनी मौजूद रहे।

गर्भवती पत्नी को बच्चे के साथ घर से निकाला

बाजपुर : क्षेत्र में घरेलू हिंसा का एक शर्मनाक मामला सामने आया है। काशीपुर निवासी विवाहिता फूल बानो ने अपने पति के खिलाफ गाली-गलौज, मारपीट और घर से निकालने की तहरीर कोतवाली में दी है। पीड़िता का आरोप है कि 26 अप्रैल की रात उसके पति ने हिंसक व्यवहार करते हुए उसे और उसके आठ माह के मासूम पुत्र को धक्का देकर घर से बाहर निकाल दिया। पीड़िता वर्तमान में गर्भवती भी है। आरोप यह भी है कि आरोपी पति अब फोन पर जान से मारने की धमकी दे रहा है और उस पर 2 लाख लेकर भागने का झूठा आरोप लगा रहा है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

गली में खड़ी बाइक चोरों ने उड़ाई

काशीपुर : चोरों ने गली में खड़ी बाइक पर हाथ साफ कर दिया। बाइक स्वामी की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया है। पट्टी बज्जर भीम नगर निवासी रमेश सिंह ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह 23 अप्रैल की सुबह करीब 4.30 बजे अपनी बाइक को टांडा उज्जैन स्थित एक गली में खड़ी कर किसी काम से चला गया। जब वह सुबह वापस आया तो उसकी बाइक वहां से गायब थी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर बाइक चोरी की रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

55 पाउच कच्ची शराब के साथ एक गिरफ्तार

काशीपुर : पुलिस ने कच्ची शराब के साथ तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 55 पाउच कच्ची शराब के बरामद किये हैं। आईटीआई कोतवाली पुलिस ने गश्त के दौरान कचनाल गाजी रोड से कनक पुरडेरा निवासी मक्खन सिंह को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक प्लास्टिक के कट्टे में भरे 55 पाउच कच्ची शराब के बरामद किये हैं।

पं. दीनदयाल प्रशिक्षण महाअभियान के तहत आयोजन, भाजपा के राष्ट्रीय सचिव धनखड़ रहे मौजूद

सरकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने के दिए टिप्स

संवाददाता, काशीपुर

काशीपुर में कार्यक्रम के दौरान मंचासीन अतिथि। ● अमृत विचार

अमृत विचारः पं. दीनदयाल प्रशिक्षण महाअभियान के एक दिवसीय प्रादेशिक वर्ग में भाजपा के प्रदेश व जिला स्तरीय पदाधिकारियों को बूथ प्रबंधन, राज्य व केंद्र की योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने के टिप्स दिये गये।

बाजपुर रोड स्थित भाजपा जिला कार्यालय में सोमवार को आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने जिला प्रशिक्षण कार्ययोजना बैठक का दीप प्रज्वलित कर किया। बैठक से पहले आयोजित पत्रकार वार्ता में राष्ट्रीय सचिव धनखड़ ने कहा कि भाजपा का यह प्रशिक्षण अभियान पूरे देश में चलाया जा रहा है। इससे पूर्व भाजपा सात राज्यों में यह प्रशिक्षण अभियान चला चुकी है। अब भाजपा ने इस अभियान की उत्तराखंड के कुमाऊं मंडल के पार्टी के काशीपुर जिला कार्यालय में प्रशिक्षण अभियान का आयोजन किया है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान पदाधिकारियों को पार्टी की विचारधारा व भाजपा के इतिहास को बताया जाएगा। जिससे कार्यकर्ता आमजन तक भाजपा की नीतियों व विकास को पहुंचा सके। उन्होंने कहा कि एसआईआर के बाद इस बार कई स्थानों पर प्रतिशत सब जगह अच्छा आया है। उन्होंने कहा कि वोटर लिस्ट में कुछ ऐसे व्यक्ति थे, जिनकी या तो मृत्यु हो चुकी थी या फिर वह अपना स्थान छोड़ अन्य स्थानों व प्रांतों में जाकर बस चुके थे या फिर जिनके दो जगह वोट थे वह सब अब छट चुके हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भट्ट ने कहा कि यह चुनावी वर्ष है चुनाव का प्रबंधन पार्टी के लिए महत्वपूर्ण है। चार जिलों में उत्तरकाशी, टिहरी, चमोली, रुद्रप्रयाग में प्रशिक्षण हो चुका है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के 15 जिलों में यह वर्ग अभी चलने हैं, जबकि पांच जिलों में जारी है। भाजपा वर्ष 2027 के चुनाव को बहुत गंभीरता से ले रही है। गदरपुर विधायक अरविंद पांडे पर लगे आरोपों के मामले में उन्होंने कहा कि इस संबंध में कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं करेंगे। वह गदरपुर क्षेत्र के प्रतिष्ठित विधायक है, यदि कहीं पर कोई त्रुटिगत गलती हुई है, तो उसे सुधारने का प्रयास किया जाएगा। कई मुद्दे व्यक्तिगत भी जुड़े होते हैं जिनसे पार्टी का कोई लेना-देना नहीं होता। जब तक कोई व्यक्ति दोष सिद्ध नहीं होता है पार्टी उस पर कोई निर्णय नहीं लेती है। यहां पर प्रदेश महामंत्री संगठन अजय कुमार, प्रदेश महामंत्री दीप्ति रावत व कुंदन परिहार, काशीपुर जिलाध्यक्ष मनोज पाल मौजूद रहे। संचालन जिला पंचायत अध्यक्ष उत्तरकाशी रमेश चौहान ने किया। कार्यक्रम में प्रदेश के अलावा मंडल व जिला पदाधिकारियों के अलावा नगर इकाई से जुड़े सभी भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

काशीपुर में राधेहरि डिग्री कॉलेज में छात्रों को जानकारी देते प्रोफेसर। ● अमृत विचार

राधेहरि कॉलेज में सीखीं शोध की बारीकियां

काशीपुर : राधेहरि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा सोमवार को स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए 'अनुसंधान पद्धति' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दौरान विशेषज्ञों ने छात्रों को आधुनिक शोध तकनीकों और पद्धतियों से अवगत कराया। विभाग प्रभारी डॉ. स्नेह लता ने पावर पॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से संदर्भ लेखन शैलियों, टैक्सोनॉमी और एथनोबॉटनी में अनुसंधान के तरीकों की जानकारी दी। साथ ही, उन्होंने विद्यार्थियों को ऑनलाइन प्रस्तुतीकरण की तकनीक भी सिखाई। डॉ. रेनू ने सूक्ष्म जीव विज्ञान (माइक्रोबायोलॉजी) में प्रोजेक्ट कार्य की संभावनाओं और उपकरणों के उपयोग पर व्याख्यान दिया। कार्यशाला के अंतिम सत्र में डॉ. राजेन्द्र परिहार ने फ्लो चार्ट के माध्यम से शोध की प्रस्तावना, रूपरेखा और लेखन प्रक्रिया को सरल ढंग से समझाया। डॉ. विवेक कुमार केडिया के संचालन में हुए इस कार्यक्रम में डॉ. अवनीन्द्र रावत सहित 58 छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

निजी अस्पतालों में मिलीं खामियां, एक किया सील

टीम ने तीन पर लगाया पांच-पांच हजार रुपये का जुर्माना

संवाददाता, काशीपुर

काशीपुर में एक अस्पताल का निरीक्षण करती टीम।

अमृत विचारः एसडीएम के नेतृत्व में गठित टीम ने मुरादाबाद रोड स्थित सरवरखेड़ा क्षेत्र में निजी क्लीनिकों का निरीक्षण किया। इस दौरान अनियमितता पाये जाने पर टीम ने एक अस्पताल को सील कर दिया। जबकि तीन अस्पतालों पर पांच-पांच हजार रुपये का जुर्माना लगाया।

काशीपुर निवासी एक व्यक्ति ने एसडीएम को शिकायती पत्र देकर अस्पतालों की जांच की मांग की थी। शिकायत कर्ता ने कहा था कि उड़ीसा के एक अस्पताल में सुरक्षा व्यवस्था में चूक होने के कारण 10 लोगों की जान चली गई। शिकायत में कहा कि क्षेत्र में कई ऐसे अस्पताल हैं, जिनके द्वारा बिना नक्शा पास कराये अस्पतालों का निर्माण कराया गया है और जो अस्पतालों के मानक भी पूरा नहीं करते हैं। शिकायत का संज्ञान लेते हुए एसडीएम ने तहसीलदार, सहायक नगर आयुक्त, नगर स्वास्थ्य अधिकारी, अग्निशमन अधिकारी, सहायक अभियंता जिला विकास प्राधिकरण व सीएमओ द्वारा नामित अधिकारी की टीम गठित की गई थी। सोमवार को एसडीएम अभय प्रताप सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने मुरादाबाद रोड स्थित निजी अस्पतालों का निरीक्षण किया। तहसीलदार पंकज चंदोला ने बताया कि बायो मेडिकल वेस्ट का सही निस्तारण नहीं पाये जाने पर तीन अस्पतालों पर पांच-पांच हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। जबकि नफीस क्लीनिक मानकों के विपरीत चलता पाये जाने पर उसे सील किया गया। जबकि एक कमी पाये जाने पर एक अस्पताल को नोटिस दिया गया। टीम में नगर निगम के एसएनए विनोद लाल शाह, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमरजीत सिंह साहनी मौजूद रहे।

मेला परिसर में चलेगा सफाई अभियान

काशीपुरः जहां उत्सव वहां स्वच्छता कार्यक्रम के तहत नगर निगम काशीपुर चैती मेला समाप्ति के बाद 29 अप्रैल बुधवार को प्रातः 7:00 बजे मेला परिसर की सफाई का अभियान चलाएगा। महापौर दीपक बाली ने शहरवासियों से इस स्वच्छता महाअभियान में भागीदारी करने का आह्वान किया गया है।

महापौर दीपक बाली ने कहा है कि चैती मेला जैसे बड़े धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों के दौरान स्वच्छता बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। चूंकि चैती मेला अब समाप्त हो चुका है लिहाजा हम सभी की जिम्मेदारी बनती है कि मेले के बाद मेला परिसर की सफाई की जाए, ताकि यहां स्थित धार्मिक स्थलों की पवित्रता और स्वच्छता बनी रहे। इस क्षेत्र से क्योंकि अनेक लोग गुजरते हैं उन्हें यहां की स्वच्छता का एहसास होना चाहिए। इसलिए यह अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि नगर निगम काशीपुर द्वारा चलाया जा रहा यह अभियान केवल सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि यह लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने का एक प्रयास है।

जसपुर में रिटायर शिक्षकों को सम्मानित करते विधायक एवं अध्यक्ष। ● अमृत विचार

जसपुर में सेवानिवृत नौ शिक्षक किए सम्मानित

संवाददाता, जसपुर

अमृत विचारः शिक्षा उन्नयन गोष्ठी एवं सेवानिवृत शिक्षकों के सम्मान समारोह में सेवानिवृत्त नौ शिक्षकों को अंगवस्त्र एवं प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सेवानिवृत शिक्षकों ने वर्तमान शिक्षकों समेत शिक्षा उन्नयन के अपने अनुभव साझा किए।

सोमवार को बीआरसी प्रांगण में जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ द्वारा आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि विधायक आदेश चौहान का स्वागत किया गया। सेवानिवृत शिक्षक तीर्थ देव सिंह, मु. युसूफ, मु. उमर, अकील उद्दीन, मुबीन अहमद, मो. हनीफ, डोरी लाल, हेमलता, नजमा जमाल को विधायक एवं शिक्षक संघ अध्यक्ष संदीप सिंह ने सम्मानित किया। सेवानिवृत शिक्षकों ने वर्तमान शिक्षकों से शिक्षा के उन्नयन पर जोर देते हुए कहा कि वर्तमान शिक्षक अपने कर्तव्यों का भली भांति निर्वहन कर देश के कर्णधारों को शैक्षिक कर एक नया आयाम स्थापित करें। यहां विधायक चौहान ने कहा कि शिक्षक बच्चों को केन्द्र मानकर अपना काम करेंगे तो समस्याओं का स्वतः ही समाधान हो जायेगा।

उत्तरांचल रोडवेज कर्मचारी यूनियन उमेश बने अध्यक्ष

काशीपुरः उत्तरांचल रोडवेज कर्मचारी यूनियन काशीपुर के शाखा कार्यकारिणी का चुनाव रविवार को हुआ। चुनाव में शाखा अध्यक्ष उमेश चौधरी और उपाध्यक्ष प्रथम मुकेश कुमार शर्मा बने। चुनाव के बाद सभी पदाधिकारियों को शपथ दिलाई गई।

काशीपुर शाखा कार्यकारिणी के चुनाव में डिपो के संरक्षक राकेश कटियार, ईश्वर सिंह, शैलेंद्र सिंह पवार बने। जबकि शाखा अध्यक्ष उमेश चौधरी, शाखा उपाध्यक्ष प्रथम मुकेश कुमार शर्मा, शाखा उपाध्यक्ष द्वितीय हरप्रीत सिंह, शाखा मंत्री जितेंद्र धानिक, संयुक्त मंत्री प्रथम हरजिंदर सिंह, संयुक्त मंत्री द्वितीय भूपेन्द्र सिंह, संगठन मंत्री मोहम्मद सलीम, शाखा कोषाध्यक्ष महेश सिंह बने। शाखा कार्यकारिणी सदस्य गंगा प्रसाद, अमित कुमार, बलराम सिंह, नरेंद्र सिंह नेगी, लवकेश कुमार, राजेंद्र सिंह, अनिल कुमार, राजीव शर्मा, ललिता बनी।

क्षेत्रीय प्रतिनिधि रजनीश राजपूत, मनमोहन सिंह, दीपक जोशी, गुरजंट सिंह बने।

प्लाट के नाम पर 12.50 लाख की धोखाधड़ी

संवाददाता, काशीपुर

- धोखाधड़ी के तनाव ने छीनीं शिक्षक की खुशियां
- ठगी के सदमे में पत्नी का हुआ गर्भपात, पुलिस ने आरोपियों पर दर्ज किया मुकदमा

अमृत विचारः आवासीय प्लाट दिलाने के नाम पर एक शिक्षक के साथ 12.50 लाख रुपये की ठगी और मानसिक उत्पीड़न का दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। ठगी के कारण उपजे भारी तनाव के चलते पीड़ित की तीन माह की गर्भवती पत्नी का गर्भपात हो गया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मुरादाबाद निवासी शिक्षक अमित कुमार ने बताया कि उन्होंने काशीपुर के धर्मेंद्र कुमार और रामनगर के बिल्डर राजीव अग्रवाल के माध्यम से प्लाट बुक कराया था। आरोप है कि पैसे लेने के बाद भी रजिस्ट्री नहीं की गई और वह प्लाट किसी और को बेच दिया गया। पीड़ित का कहना है कि उन्होंने आरटीजीएस के जरिए लाखों का भुगतान किया, लेकिन न तो जमीन मिली और न ही पैसे वापस मिले। लगातार मिल रही धमकियों और आर्थिक नुकसान के सदमे से अमित की गर्भवती पत्नी की तबीयत बिगड़ गई, जिसके परिणामस्वरूप 18 फरवरी को उनका गर्भपात हो गया। पुलिस अब मामले की गहनता से जांच कर रही है।

नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म के दो आरोपी दबोचे

संवाददाता, काशीपुर

- चैती मेले से किया गया था नाबालिग का अपहरण
- घटना के खुलासे के लिये पुलिस ने खंगाली थी 270 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज

अमृत विचारः कोतवाली आईटीआई और एसओजी पुलिस की संयुक्त टीम ने चैती मेले से एक नाबालिग लड़की का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

सोमवार को कोतवाली आईटीआई में मामले का खुलासा करते हुए एएसपी स्वप्न किशोर सिंह ने बताया कि बीती 10 अप्रैल को एक महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि 3 अप्रैल को उसकी नाबालिग पुत्री चैती मेले में आई थी। वहां से अज्ञात व्यक्तियों ने उसे बहला-फुसलाकर मोटरसाइकिल पर ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की। मामले के खुलासे के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया। बताया कि टीम ने जांच के दौरान चैती मेले और आसपास के क्षेत्रों के लगभग 270 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। साथ ही आरोपियों के आने-जाने के मार्ग को ट्रैक कर उनकी पहचान सुनिश्चित की। बताया कि बीते दिन पुलिस ने मामले में दो युवकों को गिरफ्तार किया है, जिनकी पहचान पंकज कुमार निवासी ग्राम बोहरनपुर कला, मुरादाबाद व हाल निवासी कृष्णा कॉलोनी काशीपुर और अरविंद निवासी ग्राम बोहरनपुर कला, मुरादाबाद के रूप में हुई है। दोनों आरोपियों के विरुद्ध बीएनएस की धारा 137(2), 65(1), 49 और पॉक्सो अधिनियम की धारा 3, 4, 16, 17 के तहत कार्रवाई कर उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश किया है। टीम में प्रभारी निरीक्षक आईटीआई रवि कुमार, एसओजी प्रभारी सुनील सूतेडी, उप निरीक्षक अरविंद बहुगुणा, मीनाक्षी मनराल शामिल रहे।

युवक की आत्महत्या के मामले ने तूल पकड़ा

बाजपुर : ग्राम केशोवाला में एक 20 वर्षीय युवक द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। मृतक की मां ने प्रेम-प्रसंग को आत्मघाती कदम की वजह बताते हुए पुलिस को तहरीर सौंपी है। मामले में युवती के परिजनों पर धमकी देने और नाबालिग का जबरन विवाह कराने का गंभीर आरोप लगाया गया है। ग्राम केशोवाला निवासी रूबी के अनुसार, 26 अप्रैल की दोपहर जब घर पर कोई नहीं था, तब उनके 20 वर्षीय पुत्र निखिल ने फंदा लगाकर जीवनलीला समाप्त कर ली। आरोप है कि निखिल का नजदीकी गांव की एक नाबालिग लड़की के साथ प्रेम-प्रसंग चल रहा था। पीड़िता का कहना है कि लड़की के परिजन उसका जबरन विवाह कहीं और कर रहे थे, जिससे निखिल गहरा आघात पहुंचा था। पुलिस को दी गई तहरीर में मृतक की मां ने दावा किया है कि लड़की की मां ने पूर्व में निखिल को जान से मारने की धमकी दी थी।

खटीमा नगरपालिका की बैठक में उपस्थित पालिकाध्यक्ष और सभासद।

स्टेशन रोड पर डिवाइडर और स्वागत द्वार बनेगा

खटीमा : नगर पालिका परिषद की बैठक में नगर के विकास को लेकर गहन मंथन किया गया। इस दौरान सभासदों ने वार्ड की समस्याएं रखी और निदान के सुझाव भी दिए। बैठक में कई प्रस्ताव पारित किए गए। पालिका कार्यालय में पालिकाध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में पालिकाध्यक्ष जोशी ने कहा कि रेलवे स्टेशन रोड पर डिवाइडर और स्वागत द्वार बनाया जाएगा। यह भी कहा कि 30 सफाई पर्यावरण मित्र नाला गैंग बनाकर नाले की सफाई कराई जाएगी, राशन कार्डों की जांच कर पात्र लोगों का राशन कार्ड बनाया जाएगा, सभासद निवास का बोर्ड लगाया जाए, सभी सभासदों ने अपने क्षेत्र में सड़क निर्माण कार्य का प्रस्ताव रखा। बैठक में अधिशासी अधिकारी प्रियंका आर्य रामपाल, शबनम, खुशबुद्दीन खां, सप्लाई इंस्पेक्टर भारत सिंह राणा, सभासद विश्वनाथ यादव, गोकुल ओली असलम अंसारी, प्रकाश शर्मा, नफीस अंसारी, आशीष श्रीवास्तव, जीशान ओवैसी, सिद्धार्थ सिंह, मुखरजीत राणा, लक्ष्मण सिंह भंडारी, असलम अंसारी, दौलत सिंह राणा, सारिक हुसैन, दीपा दरीयाल, रमेश चंद्र मौजूद रहे।

उत्साह

जनपद प्रभारी व परिवहन मंत्री प्रदीप बत्रा का भाजपाइयों ने किया स्वागत

बाजपुर से चलेंगी वॉल्वो, सुधरेगा बस अड्डा

संवाददाता, बाजपुर

बाजपुर में परिवहन मंत्री प्रदीप बत्रा को श्रीराम दरबार का चित्र भेंट करते भाजपाई।

अमृत विचारः जनपद प्रभारी व परिवहन मंत्री प्रदीप बत्रा के प्रथम बाजपुर आगमन पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। मंत्री ने रोडवेज बस अड्डे का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को एक माह के भीतर स्थिति सुधारने के निर्देश दिए।

मंत्री ने स्थानीय जनता को आश्वस्त किया कि जल्द ही बाजपुर से दिल्ली, देहरादून, अमृतसर और चंडीगढ़ के लिए वॉल्वो बस सेवा शुरू की जाएगी। उन्होंने क्षेत्रीय प्रबंधक पूजा जोशी को परिवहन संबंधी समस्याओं के शीघ्र निस्तारण हेतु निर्देशित किया।

व्यापार मंडल ने बाजपुर में रोडवेज डिपो की स्थापना की मांग उठाई, जबकि सामाजिक कार्यकर्ताओं ने अस्पताल में डॉक्टरों की कमी का मुद्दा रखा। कार्यक्रम के दौरान दर्जा राज्य मंत्री मंजीत सिंह 'राजू', किसान आयोग उपाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह नामधारी और एसडीएम डॉ. अमृता शर्मा सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। इस बीच फोटो खिंचवाने को लेकर नेताओं के बीच हुई धक्का-मुक्की भी चर्चा का विषय बनी रही।

जसपुर में परिवहन मंत्री का स्वागत किया

जसपुर। परिवहन एवं प्रभारी मंत्री प्रदीप बत्रा का जसपुर में भाजपाइयों ने स्वागत किया। उन्हें क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराया। रविवार देर शाम को हाइवे स्थित सिद्धू रेस्टोरेंट पर पहुंचे प्रदीप बत्रा का भाजपाइयों ने स्वागत किया। पूर्व विधायक डॉ. शैलेंद्र मोहन सिंघल ने उनसे रोडवेज बस अड्डे समेत अन्य मुद्दों पर चर्चा कर उनका निराकरण कराने को कहा। अन्य लोगों ने भी प्रदीप बत्रा को मांगों के पत्र सौंपे। प्रभारी मंत्री ने समस्याओं का जल्द ही निदान कराने का भरोसा दिलाया। इस मौके पर सरवन सिद्धू, चौधरी ब्रजवीर सिंह, ब्रजेश चौहान, सिद्धार्थ सिंघल, विकल चौहान, अंकुर सक्सेना आदि मौजूद रहे।

शिक्षकों ने सीखे तनाव दूर करने के गुर

बाजपुर : शिकारपुर स्थित विकास भारती स्कूल में विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक विशेष क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में शिक्षकों को छात्रों की भावनात्मक समस्याओं को समझने और उन्हें हल करने के आधुनिक तरीकों से रूबरू कराया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्या स्मिता गुप्ता ने किया। संसाधन व्यक्ति के रूप में मधु शर्मा और श्वेतांगना संतराम ने शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के दौर में विद्यार्थियों में तनाव, चिंता, अवसाद और स्टेज फियर (मंच का डर) जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। उन्होंने जोर दिया कि शिक्षक कक्षा में सकारात्मक वातावरण बनाकर छात्रों की इन परेशानियों को काफी हद तक दूर कर सकते हैं। प्रशिक्षण को रोचक और प्रभावी बनाने के लिए माइंडफुलनेस, रोल प्ले, केस स्टडी और समूह चर्चा जैसी गतिविधियां आयोजित की गईं। इसके माध्यम से शिक्षकों को सिखाया गया कि वे विद्यार्थियों के साथ बेहतर संवाद कैसे स्थापित करें।

विधायक पांडे ने की नार्को टेस्ट की मांग

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचारः गदरपुर विधायक अरविंद पांडे ने जमीन धोखाधड़ी में लगे आरोपों की नार्को टेस्ट और वैज्ञानिक तरीके से जांच की मांग की है।

सोमवार को काशीपुर में भारतीय जनता पार्टी के जिला प्रशिक्षण वर्ग की कार्य योजना बैठक में पहुंचे गदरपुर विधायक अरविंद पांडे ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि वर्तमान में वह और उनका परिवार ''अपराधी'' की श्रेणी में हैं, क्योंकि उन पर ''चार सौ बीसी'' जैसे गंभीर आरोप लगे हैं। उन्होंने कहा कि जब तक उनके दामन पर ये दाग हैं, तब तक वे खुद को अपराधी ही मानते हैं। उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री से मांग की है कि उनके परिवार पर लगे तमाम आरोपों की वैज्ञानिक पद्धति से जांच कराई जाए, ताकि सत्य सबके सामने आ सके। कहा कि वे किसी भी जांच से पीछे हटने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि इस पूरे प्रकरण में दोनों पक्षों का ''पॉलीग्राफ टेस्ट'' और ''नार्को टेस्ट'' कराया जाना चाहिए। विधायक ने स्पष्ट किया कि चूंकि वे सत्ताधारी दल के विधायक हैं, इसलिए उन पर लगने वाले आरोप पूरी पार्टी की छवि को धूमिल करते हैं। यदि वे जांच में निर्दोष पाए जाते हैं तो इससे भाजपा का सम्मान बढ़ेगा, और यदि वे दोषी पाए जाते हैं तो वे पार्टी पर बोझ बनकर नहीं रहना चाहते। उन्होंने कहा कि वे राजनीति में केवल सत्ता के लिए नहीं बल्कि इंसानियत के लिए आए हैं।

खाद व्यापारियों ने दुकान बंद कर किया प्रदर्शन

बाजपुर : एग्रो इनपुट डीलर एसोसिएशन के आह्वान पर सोमवार को बाजपुर क्षेत्र के खाद व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठान पूर्णतः बंद रखकर केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। देशव्यापी बंद के समर्थन में उतरे व्यापारियों ने वर्तमान नीतियों पर नाराजगी जताते हुए शीघ्र समाधान की मांग की। व्यापारियों ने खाद पर टैगिंग व्यवस्था (अनिवार्य लिंकिंग) को तुरंत बंद करने, डीलर मार्जिन को बढ़ाकर 8 प्रतिशत करने और रिटेल गोदाम तक एफओआर व्यवस्था लागू करने की मांग उठाई। वक्ताओं ने कहा कि सैंपल फेल होने की स्थिति में केवल डीलरों के बजाय संबंधित कंपनियों के विरुद्ध भी कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही, बीज के 'साथी पोर्टल' को केवल कंपनियों तक सीमित रखने की वकालत की गई। राकेश कुमार गोयल और सन्नी चौधरी ने कहा कि व्यापारियों के हितों की अनदेखी किसानों की सेवाओं को प्रभावित करेगी। चेतावनी दी गई कि आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। इस दौरान तरसेम गोयल, लखविंदर सिंह मौजूद रहे।

ब्रीफ न्यूज

डिवाडर से टकराई कार, एक ही परिवार के तीन लोग घायल

चम्पावत : टनकपुर-पिथौरागढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग पर खूनाबोरा के पास एक कार डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में एक ही परिवार के तीन लोग घायल हो गए। सोमवार को करीब ढाई बजे खूनाबोरा क्षेत्र में गुरुकुलम एकेडमी विद्यालय के गेट के समीप खटीमा से पिथौरागढ़ जा रही कार संख्या- यूके 04, एसी-6537 अनियंत्रित होकर अचानक एनएच किनारे डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में 50 वर्षीय हेमचंद्र पांडे पुत्र कृष्णानंद पांडे निवासी अमाउ खटीमा को हल्की चोटें आ गई। कार सवार 48 वर्षीय गायत्री पांडे पत्नी हेमचंद्र पांडे और 17 वर्षीय जलज पांडे घायल हो गए। सभी को जिला अस्पताल लाया गया। डाक्टरों के अनुसार गायत्री के माथे पर ज्यादा चोट है, हेमचंद्र एवं जलज को हल्की चोटें आई हैं। सभी की स्थिति खतरे से बाहर है।

समारोह में बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर उच्च लक्ष्य तय करने की दी गई प्रेरणा, छात्र-छात्राओं में उत्साह

बागेश्वर में मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान, डीएम ने किया उत्साहवर्धन

संवाददाता, बागेश्वर

अमृत विचार: जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने वर्ष 2026 की उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद की बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। जिला सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मेधावी विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

बोर्ड परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद जनपद के विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन को देखते हुए जिलाधिकारी ने तत्काल मेधावियों की सूची मंगाकर सम्मान समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया।

बागेश्वर में मेधावी विद्यार्थियों के साथ जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे। ● अमृत विचार

सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में उच्च स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि विद्यार्थियों की मेहनत, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर आगे बढ़ने और बड़े लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही अभिभावकों और शिक्षकों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन से ही विद्यार्थी सफलता हासिल करते हैं। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी एनएस नबियाल, उपजिलाधिकारी प्रियंका रानी, मुख्य शिक्षा अधिकारी विनय कुमार सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी, शिक्षक और अभिभावक मौजूद रहे।

इंटरमीडिएट में शानदार प्रदर्शन

इंटरमीडिएट परीक्षा में गीतिका पंत ने 98 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल किया। खुशी काण्डपाल ने 96.40 प्रतिशत के साथ पांचवां स्थान प्राप्त किया। दीक्षा काण्डपाल और रोहित सिंह मेहता ने 94.60 प्रतिशत अंक पाकर संयुक्त रूप से 14वां स्थान प्राप्त किया। विवेक सिंह 17वें, स्नेहा आर्या 23वें तथा अनीशा सिंह और आशीष लोहनी 24वें स्थान पर रहे।

परीक्षा से पहले डीएम की पहल लाई रंग

बागेश्वर : जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने परीक्षा से पूर्व विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाने के लिए अभिनव पहल की थी। इसके तहत 11 फरवरी को जनपद के 101 शासकीय व अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों में जागरूकता एवं प्रेरणा कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अभियान में 101 अधिकारियों ने 101 विद्यालयों में पहुंचकर विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें बेहतर तैयारी के लिए मार्गदर्शन दिया था।

"मेरी सफलता में शिक्षकों, अभिभावकों और समाज का बड़ा योगदान है। जिलाधिकारी द्वारा किए गए प्रयासों से हमें प्रेरणा मिली। मैं उनका आभार व्यक्त करती हूं। - **गीतिका पंत**, इंटरमीडिएट टॉपर

हाईस्कूल में भी जिले का दबदबा

हाईस्कूल परीक्षा में योगेश जोशी ने 97.80 प्रतिशत अंक के साथ प्रदेश में तीसरा स्थान प्राप्त किया। नैन्सी नगरकोटी 10वें, लोकेश सिंह नेगी 14वें, तमन्ना ऐठानी 22वें, साक्षी मेहता 23वें तथा रविकांत और नेहा ऐठानी 25वें स्थान पर रहे।

वनाग्नि की घटनाओं में शामिल लोगों पर दर्ज करें मुकदमा

डीएम अंशुल सिंह ने जिलेभर में वनाग्नि रोकथाम को लेकर बैठक ली, वनाग्नि रोकथाम को ओण जलाने पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: वनाग्नि रोकथाम को लेकर सोमवार को डीएम अंशुल सिंह ने बैठक ली। इस दौरान उन्होंने वनाग्नि की रोकथाम एवं प्रभावी प्रबंधन के लिए अधिकारियों के साथ विस्तृत रणनीति पर चर्चा की।

कलक्ट्रेट में आयोजित बैठक में डीएम ने कहा कि तापमान में निरंतर वृद्धि के कारण वनाग्नि की घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है, ऐसे में सभी संबंधित विभागों को विशेष सतर्कता बरतनी होगी। उन्होंने उपजिलाधिकारियों, पुलिस विभाग तथा वन विभाग के अधिकारियों को समन्वय स्थापित करते हुए तत्परता के साथ कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निर्देश दिए कि वनाग्नि की घटनाओं में संलिप्त तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए तत्काल मुकदमा दर्ज किया जाए।

इसके अलावा उन्होंने जनजागरूकता बढ़ाने पर विशेष जोर देते हुए निर्देशित किया कि आगामी तीन दिनों के भीतर सभी ग्राम पंचायतों में वनाग्नि रोकथाम के संबंध में बैठकें आयोजित की जाएं। ग्रामीण क्षेत्रों में कूड़ा-करकट तथा फसलों के अवशेष (ओण) जलाने पर पूर्ण प्रतिबंध लागू करने व इसका कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। कहा कि वनाग्नि की रोकथाम सभी का दायित्व है। सभी को जंगलों को बचाने में सहयोग करना चाहिए। यहां बैठक में डीएफओ दीपक सिंह, एडीएम युक्ता मिश्र, डीडीएमओ विनीत पाल समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

अल्मोड़ा में सोमवार को डीएम ने वनाग्नि रोकथाम को लेकर बैठक लेते डीएम अंशुल सिंह। ● अमृत विचार

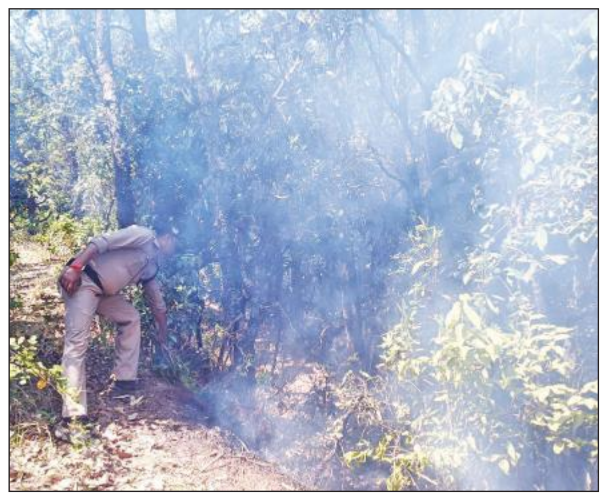
डोल से सटे जंगल में धधकी आग को बुझाते फायर सर्विस ने काबू पाया।

फायर वाचरों की तैनाती के निर्देश

डीएम ने वनाग्नि की सूचना प्राप्त होते ही न्यूनतम रिस्पांस टाइम के साथ त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। साथ ही जंगलों में अधिक से अधिक फायर लाइन तैयार करने, उनकी नियमित निगरानी करने तथा पर्याप्त संख्या में फायर वाचरों की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। कहा कि वनाग्नि की रोकथाम केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि इसमें आमजन का सहयोग भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे जंगलों को आग से बचाने में सक्रिय सहभागिता निभाएं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल प्रशासन को दें।

डोल आश्रम के जंगल में धधकी आग, वन संपदा राख

अल्मोड़ा : जिलेभर में वनाग्नि की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है। सोमवार को जिले लमगड़ा विकासखंड के डोल के जंगल अचानक आग से धधक उठे। सूचना पर फायर सर्विस की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद करीब तीन घंटे बाद आग पर काबू पाया। जिले के जंगलों में वनाग्नि की घटनाएं तेजी से बढ़ रही है। सोमवार दिन में लमगड़ा ब्लॉक के डोल आश्रम से सटे जंगलों में अचानक आग धधक उठी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और तेजी से रिहायशी इलाकों की ओर बढ़ने लगी। आग को बढ़ता देख लोगों में भी हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना फायर सर्विस की टीम को दी। मौके पर पहुंची टीम ने करीब तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर किसी तरह काबू पाया। जिसके बाद स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली। टीम में अजब सिंह, मुकेश सिंह, दीपक मार्छाल, इंदु समेत आनंद, संदीप, हेमा, भावना, सोनी, सुनीता, शीला, मीना, पूजा, मुन्नी, दीपा, शिवानी, अंजू, आशा आदि ग्रामीण भी मौजूद रहे।

अल्मोड़ा में एडीएम को ज्ञापन सौंपते यूकेडी कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

नर्सिंग कॉलेज में लगाया अनियमितता का आरोप

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचारः नगर स्थित मां अम्बे इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल साइंसेज के खिलाफ यूकेडी ने मोर्चा खोल दिया है। सोमवार को यूकेडी कार्यकर्ताओं ने डीएम को ज्ञापन सौंपा। कॉलेज की मान्यता और मनमानी फीस वसूली के आरोप लगाए। मामले को लेकर कार्रवाई की मांग उठाई।

ज्ञापन में कहा कि संस्थान में पिछले कई वर्षों से नर्सिंग कोर्स संचालित किया जा रहा है, जिसमें अधिकांश छात्र उत्तराखण्ड के पहाड़ी क्षेत्रों से आते हैं। ऐसे में संस्थान की मान्यता को लेकर स्थिति स्पष्ट करना आवश्यक है, ताकि छात्रों के भविष्य के साथ किसी प्रकार का खिलवाड़ न हो। इसके अलावा आरोप लगाया गया है कि संस्थान द्वारा बिना स्पष्ट अनुमति के स्कूली शिक्षा भी संचालित की जा रही है। कार्यकर्ताओं ने स्कूल की मान्यता को सार्वजनिक करने की मांग की है। कहा कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत 25 फीसद आरक्षित छात्रों से भी पूर्ण शुल्क वसूला जा रहा है, जो नियमों के विरुद्ध है। इसके अलावा संस्थान प्रबंधन द्वारा छात्रों और मीडिया कर्मियों के साथ अभद्र व्यवहार किए जाने की शिकायतें सामने आई हैं। कार्यकर्ताओं ने इस प्रकरण में भी उचित कार्रवाई की मांग की है। यहां केंद्रीय मंत्री दिनेश नाथ गोस्वामी, संयुक्त मंत्री त्रिलोक लटवाल, जिलाध्यक्ष दिनेश जोशी, महानगर अध्यक्ष मोहित साह, जिला उपाध्यक्ष सुजीत टम्टा रहे।

रानीखेत में पुलिस कप्तान ने सुनीं जनसमस्याएं, समाधान का भरोसा

संवाददाता, रानीखेत

अमृत विचार: रानीखेत कोतवाली में पुलिस कप्तान चंद्रशेखर घोड़के ने जनसुनवाई कर लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने विभिन्न मुद्दों के समाधान का आश्वासन देते हुए कहा कि शिकायतों का शीघ्र निराकरण किया जाएगा।

रानीखेत कोतवाली में लोगों की समस्याएं सुनते पुलिस कप्तान। ● अमृत विचार

जनसुनवाई में होटल एसोसिएशन के हिमांशु उपाध्याय ने अनधिकृत रूप से संचालित होम-स्टे और उनसे उत्पन्न समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। इसके अलावा शहर में लगातार बढ़ रहे ट्रैफिक जाम की समस्या पर भी चिंता जताई गई। उन्होंने बताया कि रानीखेत में पर्यटकों के लिए शौचालय और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं की कमी है, जिससे पर्यटन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। रोडवेज बसों के कारण लगने वाले जाम के मुद्दे पर कोतवाल भुवन जोशी ने संयुक्त मजिस्ट्रेट से वार्ता कर समाधान निकालने की बात कही। वहीं संदीप गोयल ने नाबालिगों और बाजार क्षेत्र में ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त चालान की मांग की। साथ ही रात्रि गश्त बढ़ाने और ओवरस्पीडिंग पर कार्रवाई करने का भी सुझाव दिया गया।

पुलिस कप्तान ने सभी समस्याओं के शीघ्र समाधान का भरोसा दिलाया। इस मौके पर उपकप्तान हरबंस सिंह, कोतवाल भुवन जोशी सहित हिमांशु उपाध्याय, गोविंद बिष्ट, संजय पंत, हर्ष पंत, नवल पांडेय, तयब अली, कैलाश अधिकारी, गिरीश पांडेय, नईम खान और बिट्टू मौजूद रहे।

चम्पावत में जनता मिलन कार्यक्रम में लोगों की समस्या सुनते सीडीओ डॉ. जीएस खाती।

'जनता मिलन' में 42 शिकायतों का निस्तारण

चम्पावत : मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जी.एस. खाती की अध्यक्षता में जिला सभागार में आयोजित साप्ताहिक 'जनता मिलन' कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से आई 42 शिकायतों का निस्तारण किया गया। सीडीओ ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जन-समस्याओं के समाधान में संवेदनशीलता बरतें और किसी भी स्तर पर विलंब न हो। कार्यक्रम में ग्राम ढकना बडोला की नारायणी देवी ने बिजली और पानी की समस्या उठाई, जिस पर संबंधित विभागों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए। मोराड़ी और मानर तल्ला के ग्रामीणों की पेयजल शिकायतों पर जल संस्थान और जल निगम को आपूर्ति सुचारू करने को कहा गया। स्वरोजगार योजनाओं के तहत केसरी देवी और गीता बोहरा के मामलों में उद्योग व समाज कल्याण विभाग को प्राथमिकता से कार्रवाई के निर्देश दिए गए। राशन कार्ड से जुड़ी शिकायतों पर पंचायत स्तर पर बैठकें कर पात्र लोगों के बीपीएल प्रस्ताव तैयार करने को कहा गया। इसके अलावा पीएम किसान सम्मान निधि, आवास, पीआरडी भर्ती, सड़क, शौचालय और सिंचाई से जुड़ी शिकायतों पर भी संबंधित विभागों को समयबद्ध समाधान के निर्देश दिए गए। कार्यक्रम में जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

जनता दरबार में सड़क, बिजली व पेयजल से संबंधित समस्याएं उठाईं

संवाददाता, बागेश्वर

अमृत विचारः जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे की अध्यक्षता में आयोजित जनता दरबार में सोमवार को विभिन्न विभागों से जुड़ी शिकायतें सुनी गईं। इस दौरान सड़क, बिजली और पेयजल से संबंधित समस्याएं प्रमुख रूप से सामने आईं। कई शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया, जबकि शेष के शीघ्र समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

जनता दरबार में प्राप्त शिकायतों के आधार पर खुनौली क्षेत्र में एक आवेदक के घर की पेयजल समस्या के समाधान हेतु जल संस्थान को निर्देश दिए गए। डोला में सीसी खड़ंजा निर्माण के लिए जिला पंचायत को कार्रवाई करने को कहा गया। मंडल सेरा में आधार केंद्र की स्थापना के लिए ईडीएम को सर्वे करने के निर्देश दिए गए, जबकि बनलेख-गड़ेत सड़क के एलाइनमेंट को अंतिम रूप देने के लिए पीएमजीएसवाई को निर्देशित किया गया। बैठक में जिलाधिकारी ने कांडा पंपिंग योजना के अंतर्गत सभी गांवों में पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए अधिशासी अभियंता जल निगम को टेस्टिंग कराते हुए गांवों को जोड़ने के निर्देश दिए।

उन्होंने सीएम घोषणाओं, सीएम हेल्पलाइन और जनपद स्तरीय हेल्पलाइन 'हैलो बागेश्वर' पर लंबित शिकायतों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। यहां सीडीओ आरसी तिवारी, एडीएम एनएस नबियाल सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

बागेश्वर में जनता दरबार में लोगों की शिकायतें सुनतीं डीएम आकांक्षा कोंडे।

द्वाराहाट में आंदोलनकारियों ने शासन प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की।

द्वाराहाट में केवि की मांग को आमरण अनशन जारी

अल्मोड़ा : द्वाराहाट में केंद्रीय विद्यालय के संचालन न होने से लोगों में रोष है। मांग को लेकर सोमवार को भी लोगों का आमरण अनशन जारी रहा। इस दौरान भुवन लहरी अनशन पर बैठे। लोगों ने जल्द केवि संचालन की मांग उठाई। द्वाराहाट में दो साल पहले स्वीकृति मिलने के बाद भी केंद्रीय विद्यालय का संचालन शुरू नहीं हो सका है। इससे लोगों में खासा नाराजगी है। सोमवार को भी केंद्रीय विद्यालय के संचालन की मांग को लेकर लोगों का आमरण अनशन जारी रहा। इस दौरान धरना स्थल पर लोगों ने शासन प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी। चेतावनी दि कि जल्द केवि संचालन को लेकर कार्रवाई अमल में नहीं लाई गई तो जनता उग्र आंदोलन को बाध्य होंगे। यहां कमल अधिकारी, विरेंद्र सिंह रौतेला, महेश मेनाली, गणेश लाल बूंगा, कंचन, भगवान चौधरी, सुरेश चंद्र मठपाल, मोहन चंद्र जोशी रहे।

रानीखेत में कांग्रेसियों ने पूर्व सीएम हरीश रावत का जन्मदिन मनाया

संवाददाता, रानीखेत

अमृत विचारः पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के 78वें जन्मदिवस पर कांग्रेस कार्यालय में कार्यक्रम धूमधाम और उत्साह के साथ आयोजित किया गया। इस मौके पर कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने केक काटकर व मिष्ठान वितरण कर उनका जन्मदिवस मनाया और उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।

कार्यक्रम में करन माहरा (पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं सीडब्ल्यूसी सदस्य) ने कहा कि हरीश रावत उत्तराखंडियत के प्रमुख हितैषी नेताओं में से एक हैं। उन्होंने अपने लगभग ढाई वर्ष के कार्यकाल में कई ऐतिहासिक और जनहितकारी कार्य किए। विशेष रूप से 2013 आपदा के बाद केदारनाथ धाम के पुनर्निर्माण कार्य को तेज गति से पूरा किया गया, जिसकी देश-विदेश में सराहना हुई। इस मौके पर पीसीसी सदस्य कैलाश पांडेय, नगर अध्यक्ष उमेश भट्ट, महिला नगर अध्यक्ष नेहा माहरा, कार्यकारी अध्यक्ष पंकज जोशी, कार्यालय प्रबंधक रमेश पंत, भगवंत नेगी, वरिष्ठ कांग्रेसी हरीश राम, जयंत रौतेला, कुलदीप कुमार, सोनू सिद्दीकी रहे।

रानीखेत में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत का जन्मदिन मनाते कांग्रेसी।

पुल्ला गुमदेश उप तहसील का मुख्यालय अब किमतोली में

टनकपुर : उत्तराखंड शासन के राजस्व अनुभाग-1 द्वारा जनपद चम्पावत की उप तहसील पुल्ला गुमदेश के मुख्यालय परिवर्तन के संबंध में अधिसूचना जारी की गई है। जारी अधिसूचना के अनुसार राज्यपाल द्वारा उत्तर प्रदेश साधारण खण्ड अधिनियम, 1904 की धारा 21 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए पूर्व में निर्गत अधिसूचनाओं में संशोधन की स्वीकृति प्रदान की गई है। नवीन आदेश के तहत अब उप तहसील पुल्ला गुमदेश का मुख्यालय पूर्व में निर्धारित गुरेली के स्थान पर किमतोली में स्थापित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि उक्त उप तहसील का सृजन दिनांक 31 जनवरी 2015 को छीड़ाखाल को मुख्यालय बनाकर किया गया था, जिसके बाद मुख्यालय गुरेली स्थानांतरित किया गया। वर्तमान अधिसूचना के माध्यम से अब किमतोली को नया प्रशासनिक मुख्यालय घोषित किया गया है।

जैंती के पास कार खाई में गिरी, एक की मौत

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचारः जनपद के जैंती क्षेत्र में सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसने शादी की खुशियों को मातम में बदल दिया। जैंती पुलिस चौकी के पास एक कार अनियंत्रित होकर करीब 250 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चालक गंभीर रूप से घायल हो गया।

ग्राम पंचायत मल्ला बिनौला के तोक जलना में कमलेश के विवाह समारोह के बाद दो रिश्तेदार प्रदीप कुमार (42), निवासी बजवालपुर हल्द्वानी, और देवेंद्र कुमार (35), निवासी बिललेख रानीखेत— समारोह के लिए सामान लेने जैंती बाजार गए थे। वापसी के दौरान जैंती चौकी के समीप कार खाई में गिर गई। सूचना मिलते ही जैंती पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को खाई से बाहर निकाला। गंभीर हालत में दोनों को अस्पताल भेजा गया, जहां देवेंद्र कुमार को मृत घोषित कर दिया गया। वहीं, चालक प्रदीप कुमार का उपचार जारी है। हादसे के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। जिस घर में कुछ समय पहले शादी की खुशियां थीं, वहां अब मातम पसरा हुआ है। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

बाहर से बड़ी-बड़ी बातें बोलकर, कोई भी काम नहीं होता।
–महाश्वेता देवी, लेखिका

प्रतिरोध से उठे प्रश्न

अमेरिका में वाइट हाउस कॉरेसपॉन्डेंट्स एशोसिएशन के वार्षिक डिनर जैसे अत्यंत सुरक्षित और प्रतिष्ठित आयोजन में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हिंसक हमले की घटना कई स्तरों पर चिंताजनक प्रश्न खड़े करती है। यह मात्र सुरक्षा चूक का मामला नहीं, बल्कि आधुनिक लोकतंत्रों में बढ़ती राजनीतिक कटुता, सामाजिक ध्रुवीकरण और युवा मानस के उग्र होते प्रतिकार का संकेत भी है। यह घटना युवा शक्ति के हिंसक विरोध का नमूना है, हमलावर सुशिक्षित और राजनीतिक रूप से सजग था, इसलिए यह और भी गंभीर संकेत है। शिक्षा सामान्यतः विवेक और संवाद को बढ़ावा देती है, परंतु जब वही शिक्षित युवा हिंसा का मार्ग चुनता है, तो यह बताता है कि राजनीतिक विमर्श में असहिष्णुता कितनी गहरी हो चुकी है।

लोकतंत्र में विरोध का स्थान है, पर हिंसा का नहीं। यदि असहमति का समाधान गोली से होगा, तो संस्थाओं और संवाद की पूरी संरचना ध्वस्त हो जाएगी। कमला हैरिस के समर्थन और ट्रंप-विरोध की पृष्ठभूमि इस घटना को राजनीतिक रंग देती है, परंतु इसे केवल दलगत राजनीति तक सीमित करना समस्या को छोटा करके देखना होगा। एक महत्वपूर्ण पहलू सुरक्षा का है। जब सैकड़ों पत्रकार, गणमान्य अतिथि और सीक्रेट सर्विस एजेंट मौजूद हों, तब हथियार सहित किसी हमलावर का प्रवेश गंभीर संस्थागत विफलता को दर्शाता है। अमेरिका, जो विश्व की सबसे उन्नत सुरक्षा प्रणालियों का दावा करता है, वहां ऐसी घटना यह संकेत देती है कि 'ज़ीरो-रिस्क' सुरक्षा एक मिथक है। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि जब राष्ट्रपति ही पूरी तरह सुरक्षित नहीं, तो अन्य विदेशी नेताओं की सुरक्षा कितनी सुनिश्चित है। अमेरिका का 'गन कल्चर' भी शोचनीय है, हथियारों की आसान उपलब्धता लंबे समय से वहां हिंसा की घटनाओं का प्रमुख कारण रही है। बार-बार होने वाली गोलीबारी की घटनाएं यह सिद्ध करती हैं कि केवल कानून नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता में परिवर्तन आवश्यक है। इस घटना को भी उसी व्यापक संदर्भ में देखना चाहिए। ट्रंप पर दोबारा हमले को देखते हुए उनकी सुरक्षा व्यवस्था में तकनीकी और मानव-आधारित दोनों स्तरों पर उन्नत स्कैनिंग, व्यवहार विश्लेषण और भीड़-नियंत्रण के नए मानक संबंधी सुधार आवश्यक है। ट्रंप का कहना कि इसमें ईरान का हाथ नहीं है, एक महत्वपूर्ण संकेत है। साफ है कि वे इस घटना को अंतर्राष्ट्रीय षड्यंत्र के बजाय घरेलू असंतोष के रूप में देखना चाहते हैं। वहीं, इसे 'साजिश' बताने वाले दावे बिना ठोस प्रमाण के केवल भ्रम और अविश्वास को बढ़ाते हैं।

इतिहास में रोनाल्ड रीगन पर हुए हमले की याद दिलाती यह घटना बताती है कि लोकतंत्र में खतरे नए नहीं हैं, पर उनका स्वरूप बदल रहा है। आज का खतरा अधिक जटिल है, जहां वैचारिक ध्रुवीकरण, सोशल मीडिया और व्यक्तिगत आक्रोश मिलकर हिंसा को जन्म दे रहे हैं। यह घटना केवल अमेरिका की नहीं, बल्कि वैश्विक लोकतंत्रों के लिए चेतावनी है। असहमति को यदि संवाद में नहीं बदला गया, तो वह हिंसा में बदलती रहेगी। लोकतंत्र की असली परीक्षा यही है कि वह विरोध को कितनी परिपक्वता से संभाल पाता है। मुखर और विवादास्पद नेताओं को यह भी समझना होगा कि उनकी भाषा और शैली सामाजिक तनाव को किस हद तक प्रभावित करती है।

न्यायपालिका बनाम विधायिका टकराव पर संवैधानिक प्रश्न

सौरभ वार्ष्णेय
वरिष्ठ पत्रकार

दिल्ली की राजनीति में हाल में उभरा जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा बनाम दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल विवाद एक बड़े संवैधानिक प्रश्न को जन्म देता है। क्या यह मामला सच में न्यायपालिका बनाम विधायिका का टकराव है, या फिर यह संस्थाओं के बीच संतुलन और जवाबदेही की सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा है? यह विवाद तब चर्चा में आया जब अदालत की टिप्पणियों और राजनीतिक प्रतिक्रियाओं ने सार्वजनिक विमर्श को गर्मा दिया। अदालत ने शासन के कुछ निर्णयों और प्रक्रियाओं पर सवाल उठाए, जबकि राजनीतिक पक्ष ने इसे न्यायिक दखल के रूप में देखा। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा बनाम केजरीवाल विवाद को सीधे-सीधे न्यायपालिका बनाम विधायिका का टकराव कहना अतिशयोक्ति होगी। यह लोकतंत्र के भीतर चल रही वह स्वाभाविक प्रक्रिया है, जिसमें संस्थाएं एक-दूसरे पर नियंत्रण और संतुलन बनाए रखती हैं। असल चुनौती टकराव से बचना नहीं, बल्कि संवैधानिक संतुलन और गरिमा को बनाए रखना है, क्योंकि मजबूत लोकतंत्र वही है, जहां संस्थाएं स्वतंत्र भी हों और जिम्मेदार भी।

आखिरकार विवाद की असली जड़ क्या है? इस प्रकरण में मूल मुद्दा सीमा-निर्धारण का है। यदि न्यायपालिका नीति निर्माण में गहराई से हस्तक्षेप करे, तो विधायिका को अतिक्रमण महसूस हो सकता है। वहीं, यदि सरकार न्यायिक आदेशों या टिप्पणियों को नजरअंदाज करे, तो यह कानून के शासन को कमजोर कर सकता है। यानी, समस्या टकराव का नहीं, बल्कि संतुलन बनाए रखने का है। लोकतंत्र के लिए क्या है संकेत? यानी स्वस्थ लोकतंत्र के लिए यह विवाद कुछ महत्वपूर्ण संकेत देता है। संस्थागत संवाद की आवश्यकताः टकराव के बजाय सहयोग और सम्मान जरूरी है। संवैधानिक मर्यादाः हर संस्था को अपनी सीमाओं का सम्मान करना होगा। लोकतांत्रिक परिपक्वताः सार्वजनिक बयानबाजी के बजाय कानूनी प्रक्रियाओं पर भरोसा बढ़ाना चाहिए।

भारतीय लोकतंत्र में न्यायपालिका और राजनीति के बीच संतुलन बेहद संवेदनशील विषय है। हाल ही में अरविंद केजरीवाल द्वारा जस्टिस पर की गई टिप्पणी ने इसी संतुलन को लेकर बहस छेड़ दी है। सवाल यह है कि क्या किसी निर्वाचित जनप्रतिनिधि द्वारा न्यायाधीशों पर सार्वजनिक टिप्पणी करना उचित है? पहली बात, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र का मूल स्तंभ है। एक राजनेता होने के नाते केजरीवाल को अपनी बात रखने का अधिकार है, लेकिन यह अधिकारपूर्ण नहीं है- इसके साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है। जब टिप्पणी न्यायपालिका जैसे संवैधानिक संस्थान पर हो, तो शब्दों का चयन और मर्यादा दोनों अहम हो जाते हैं।

दूसरी ओर, न्यायपालिका की स्वतंत्रता लोकतंत्र की रीढ़ मानी जाती है। यदि राजनीतिक नेता न्यायाधीशों के फैसलों या व्यक्तित्व पर सार्वजनिक रूप से सवाल उठाने लगें, तो इससे जनता का भरोसा कमजोर पड़ सकता है। यह स्थिति न्यायपालिका की निष्पक्षता पर अनावश्यक संदेह पैदा कर सकती है, हालांकि यह भी सच है कि न्यायपालिका आलोचना से परे नहीं है। स्वस्थ लोकतंत्र में हर संस्था की समीक्षा होनी चाहिए, लेकिन यह समीक्षा तथ्यों, तर्क और संवैधानिक मर्यादा के दायरे में होनी चाहिए— न कि व्यक्तिगत या भावनात्मक आरोपों के रूप में।

न्यायपालिका की स्वतंत्रता लोकतंत्र की रीढ़ मानी जाती है। यदि राजनीतिक नेता न्यायाधीशों के फैसलों या व्यक्तित्व पर सार्वजनिक रूप से सवाल उठाने लगें, तो इससे जनता का भरोसा कमजोर पड़ सकता है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल और अन्य आरोपियों द्वारा दायर उन अर्जियों को खारिज किया, जिनमें शराब नीति मामले की सुनवाई से जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा के हटने की मांग की गई थी। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने टिप्पणी की कि सिर्फ इसलिए कि उनके बच्चे केंद्र सरकार के पैनल वकील हैं, यह नहीं माना जा सकता कि उनके मन में केजरीवाल के प्रति कोई पूर्वाग्रह है। जज ने आगे कहा कि किसी राजनेता को न्यायिक क्षमता का आकलन करने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

किसी जज की क्षमता का फैसला हाईकोर्ट करता है, न कि कोई वादी। किसी राजनेता को अपनी सीमा पार करने और न्यायिक क्षमता का आकलन करने की अनुमति नहीं दी जा सकती, हो सकता है कि कोई वादी हमेशा सफल न हो और केवल हाईकोर्ट ही यह तय कर सकता है कि कोई फैसला गलत है या एकतरफा। जिला कोर्ट के फैसले को हाईकोर्ट सही ठहरा सकता है। यही बात हाईकोर्ट पर भी लागू होती है, जिसके फैसले को सुप्रीम कोर्ट देखता है। वादी की यह सामान्य आशंका कि शायद यह अदालत उसे राहत न दे, जज पर पूर्वाग्रह का आरोप लगाने का आधार नहीं बन सकती।

जस्टिस शर्मा ने आगे कहा कि आरोपों का सामना होने पर कोई जज अपनी न्यायिक जिम्मेदारी से पीछे नहीं हट सकता। उन्होंने कहा, 'कोई जज किसी वादी के मन में पूर्वाग्रह को लेकर पैदा हुए बेबुनियाद शक को दूर करने या मनगढ़ंत आरोपों के आधार पर सुनवाई से खुद को अलग नहीं कर सकता... जज पर किए गए निजी हमले असल में पूरी संस्था पर किए गए हमले होते हैं... यह न केवल मुझ पर (जो कि एक जज हूं) हमला होगा, बल्कि पूरी संस्था पर भी हमला होगा। इस तरह का खतरा न केवल हाईकोर्टस तक पहुंचेगा, बल्कि जिला कोर्ट तक भी जाएगा... अगर यह अदालत सुनवाई से हटने का फैसला सुनाकर यह संदेश देती है कि किसी वादी के दबाव में आकर वह ऐसा कर सकती है तो इससे जनता के मन में यह धारणा बन जाएगी कि जज किसी राजनीतिक दल के पक्ष में काम करते हैं।'

जज ने आगे कहा कि सुनवाई से हटने की अर्जियों में जो 'कहानी' गढ़ी गई, वह पूरी तरह से 'अटकलों' पर आधारित पाई गई। इसके अलावा, सुनवाई से हटने की अर्जी के साथ कोई सबूत पेश नहीं किया गया, बल्कि उसमें जज की ईमानदारी और निष्पक्षता पर 'आक्षेप, इशारे और संदेह' ही व्यक्त किए गए।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

सोशल फोरम

रघु फिर नहीं आए...

रामा शंकर सिंह
समाजवादी चिंतक

रघु राय से मेरा पहला परिचय 1974-75 में हुआ जब जेपी के नेतृत्व में इंदिरा गांधी की सरकार के समय लोकतंत्र हनन के खिलाफ जनआंदोलन चल रहा था। चारों ओर पचास सौ निहत्थे प्रदर्शनकारियों के लिए भी भारी सशस्त्र पुलिस बंदोबस्त, हर समय कुछ घट जाने का अंदेशा रहता था कि कभी भी जेल, पुलिस से पिटाई, घायल हो जाना हमारे लिए सामान्य बात हो चुकी थी। रघु राय तब शायद स्टेट्समैन नाम के प्रतिष्ठित अंग्रेज़ी अखबार के फोटोग्राफ़र थे! इंडियन एक्सप्रेस के छायाकार आरके जैन होते थे और भगवान सिंह, अनिल त्यागी आदि अन्य अखबारों के।

फोटोग्राफर्स में होड़ रहती थी कि किसका फोटो अच्छा आएगा, लेकिन ऊंची क़द काठी के रघु राय अपनी विलक्षण कैमरा दृष्टि से बाजी मार ले जाते थे। जेपी पर पुलिस के लाठी प्रहार की ऐतिहासिक फोटो भी रघुराज की सटीक टायमिंग का फोटो था। उसी शाम को ही सरकार ने खंडन किया कि जेपी पर कैसा भी लाठीचार्ज नहीं किया और अगली सुबह रघुराय का चित्र छपा, जिसका कैप्शन कुछ ऐसा था camera never tells a lie. सरकारी झूठ का विलक्षण प्रतिकार था एक चित्र। कालांतर में रघु राय दुनियाभर में ख्याति पाए।

सुंदरता के प्रतिमान ताजमहल पर उनकी सीरीज ऐसी अद्भुत कि दुनिया के सातवें आश्चर्य को शर्मिंदा कर दिया। एक ग्रामीण अल्हड़ स्त्री के सिर पर रखे छलकते मटके से शरीर पर पानी गिरने के बाद ताजमहल की पृष्ठभूमि में मानवीय सौंदर्य का अनगढ़ चित्र पेश कर दिया रघु रॉय ने। शास्त्रीय संगीतकारों के चित्रों की श्रृंखला भी कमाल की थी।

आज आदि दशक बीत गए। 2023 में रघु राय ग्वालियर आए। आईटीएम यूनिवर्सिटी में चाक्षुष कला श्रेणी में डीलिट की मानद उपाधि लेने। तीन-चार दिन रहे और रोज हल्के ठंडे मौसम की खिली धूप में घास पर दरी-चादर बिछवाकर दोपहर को भोजन के बाद घंटों सोते रहते। कहा था कि मैंने ऐसा आराम कम ही किया है!

रघु राय ने लौट कर आने का वायदा किया था और एक ख़ास प्रयोजन के लिए मैं आपके परिसर में बिखरे कला शिल्पों के चित्र खींचूंगा। विवि के अधिकारियों को कहां फुर्सत और समझ कि वे फिर उन्हें बुलाते! रह गई बात। रघु राय चले गए 85 बरस से ज्यादा का ही सक्रिय सृजनात्मक जीवन जिया और खूब मस्ती से भी जिया!

अलविदा रघु रॉय!

–फेसबुक वॉल से

प्रसंगवश

फिर भी तन्हाइयों का शिकार आदमी

सुबह की शुरुआत अब चिड़ियों की चहचहाहट से कम और मोबाइल की स्क्रीन की रोशनी से अधिक होने लगी है। आंख खुलते ही हाथ तकिए के नीचे रखे फोन को टटोलता है। नोटिफिकेशन कितने आए, किसने क्या लिखा, किसने क्या पोस्ट किया। दुनिया से जुड़े रहने का यह नया तरीका इतना सहज हो गया है कि हमें इसका एहसास भी नहीं होता कि हम कब 'जुड़ते-जुड़ते' भीतर से 'कट' होते जा रहे हैं। यह बदलाव इतना धीरे-धीरे हुआ है कि हमें इसकी गंभीरता का एहसास ही नहीं हुआ।

यह एक अजीब विडंबना है कि आज हम पहले से कहीं अधिक 'कनेक्टेड' हैं, लेकिन पहले से कहीं अधिक 'अकेले' भी। डिजिटल भारत की चमकती तस्वीर के पीछे एक धुंधली परछाईं भी है— डिजिटल अकेलापन। यह अकेलापन सिर्फ बुजुर्गों या अकेले रहने वालों का नहीं, बल्कि हर उस व्यक्ति का है, जो स्क्रीन के उस पार लोगों की भीड़ में होकर भी अपने भीतर एक खालीपन महसूस करता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स ने हमें अभिव्यक्ति का एक खुला मंच दिया है। हम अपने विचार, तस्वीरें, खुशियां, दुख-सब कुछ साझा कर सकते हैं, लेकिन क्या यह साझा करना सच में संवाद है? या यह सिर्फ एकतरफा प्रसारण बनकर रह गया है? हम पोस्ट करते हैं, लाइक्स गिनते हैं, कमेंट्स पढ़ते हैं, लेकिन दिल की बात कहने और सुनने का जो सुकून आमने-सामने बैठकर मिलता है, वह कहीं खो गया है।

संध्या अग्रवाल
लेखिका

घर के एक कोने में बैठी एक वृद्ध मां को देखिए। उसके पास भी अब एक स्मार्टफोन है। बच्चे दूर शहरों में हैं, लेकिन रोज वीडियो कॉल कर लेते हैं। पहली नजर में लगता है कि तकनीक ने दूरियों को खत्म कर दिया है। पर क्या सच में? कॉल खत्म होते ही कमरे में फिर वही सन्नाटा लौट आता है। स्क्रीन पर दिखते चेहरे छूने के लिए नहीं होते और आवाजें दिल के खालीपन को पूरी तरह भर नहीं पातीं। इसी तरह एक गृहिणी है, जो दिनभर घर के कामों के बीच कुछ समय निकालकर सोशल मीडिया पर स्क्रॉल करती है। दूसरों की खुशहाल तस्वीरें, घूमने-फिरने के वीडियो, सजे-धजे जीवन को देखकर उसके भीतर एक अनकहा दबाव पैदा होता है— क्या उसकी जिंदगी कम है? क्या वह कुछ खो रही है? तुलना का यह सिलसिला धीरे-धीरे उसे अपने ही जीवन से असंतुष्ट और भीतर से अकेला कर देता है।

युवा पीढ़ी की स्थिति और भी जटिल है। उनके लिए डिजिटल दुनिया सिर्फ मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि पहचान का हिस्सा बन चुकी है। दोस्ती अब 'फॉलो' और 'अनफॉलो' के बीच सिमट गई है। बातचीत 'चैट' में बदल गई है और भावनाएं 'इमोजी' में। वे घंटों ऑनलाइन रहते हैं, लेकिन जब वास्तविक जीवन में किसी से दिल की बात कहने का मौका आता है, तो शब्द कम पड़ जाते हैं। डिजिटल अकेलेपन का एक और पहलू है— 'अनसुना रह जाना।' जब हम अपनी कोई बात, कोई पीड़ा, कोई सवाल सोशल मीडिया पर डालते हैं और बदले में सिर्फ कुछ औपचारिक प्रतिक्रियाएं मिलती हैं, तो भीतर कहीं यह एहसास गहरा जाता है कि हमें वास्तव में कोई सुन नहीं रहा।

परिवार, जो कभी बातचीत और साथ बिताए समय की इकाई हुआ करता था, अब एक ही घर में रहते हुए भी अलग-अलग स्क्रीन में बंट गया है। डाइनिंग टेबल पर साथ बैठकर खाना खाने की जगह अब टीवी या मोबाइल के सामने अकेले-अकेले खाना आम हो गया है, लेकिन क्या इसका मतलब यह है कि तकनीक ही दोषी है?

(यह लेखिका के निजी विचार हैं।)

आमने सामने

टोंक में एक बहुरूपिया विधायक बन गया है। न तो वह टोंक का रहने वाला है और न ही राजस्थान के लिए रहने वाला है, लेकिन टोंक के भोले लोगों ने उनको टीका लगा दिया। इस विधायक की एक टांग कांग्रेस में रहती है और दूसरी कहां है, इसका किसी को पता नहीं।

–राधा मोहन दास अग्रवाल
भाजपा प्रदेश प्रभारी, राजस्थान

पायलट कांग्रेस में ही रहेंगे। सचिन पायलट सब समझ भी गए हैं और संभल भी गए हैं। उनकी दोनों टांगें कांग्रेस में ही हैं, कहीं नहीं जाएंगी। पार्टी एकजुट है, पहले उन्हें बहला-फुसला मानेसर ले गए थे, लेकिन अब ये गलती नहीं करेंगे।

–अशोक गहलोत
पूर्व मुख्यमंत्री, राजस्थान

सामयिकी

युवा भारत की चुनौती बन गई है बेरोजगारी

भारत को दुनिया की सबसे युवा आबादी वाले देशों में गिना जाता है, लेकिन यही युवा शक्ति आज बेरोजगारी की गंभीर चुनौती से जूझ रही है। देश के बड़े शहरों की चमकदार सड़कों से लेकर छोटे कस्बों और तंग गलियों तक, काम की तलाश में भटकते युवा मिल जाएंगे। यह स्थिति केवल आर्थिक चिंता नहीं है, बल्कि सामाजिक असंतुलन और भविष्य की अनिश्चितता का संकेत भी है। बेरोजगारी का सवाल अब व्यक्तिगत समस्या से बढ़कर राष्ट्रीय विमर्श का केंद्र बन चुका है।

राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध आंकड़े इस संकट की गंभीरता को और स्पष्ट करते हैं। विभिन्न श्रम सर्वेक्षणों और आर्थिक आकलनों के अनुसार, भारत में बेरोजगारी दर पिछले कुछ वर्षों में सात से आठ प्रतिशत तक चली गई है, जबकि 15 से 29 आयु वर्ग के युवाओं में यह दर 15 से 20 प्रतिशत तक पहुंच रही है। राज्य स्तर पर स्थिति और भी चिंताजनक दिखाई देती है। राजस्थान, बिहार और यूपी जैसे राज्यों में युवा बेरोजगारी दर कई बार 20-25% के आसपास तक दर्ज की गई है। यह अंतर बताता है कि क्षेत्रीय असमानताएं इस समस्या को और गहरा बना रही हैं।

अमित शर्मा
एक्टिविस्ट

बेरोजगारी को अक्सर केवल नौकरियों की कमी के रूप में देखा जाता है, लेकिन वास्तव में यह एक बहुआयामी समस्या है। इसमें शिक्षा व्यवस्था की खामियां, कौशल और उद्योग की जरूरतों के बीच असंतुलन, भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता की कमी और सामाजिक-आर्थिक विषमताएं शामिल हैं। देश में हर साल लाखों युवा डिग्री लेकर निकलते हैं, लेकिन उनमें से एक बड़ा हिस्सा रोजगार के लिए आवश्यक व्यावहारिक कौशल से वंचित होता है। विभिन्न रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत में केवल 40-50 प्रतिशत स्नातक ही 'रोज़गार योग्य' माने जाते हैं। यह स्थिति बताती है कि भारत की शिक्षा प्रणाली अभी भी रोजगार के अनुरूप खुद को ढालने में पीछे है।

इसके साथ ही, बेरोजगारी का एक बड़ा कारण अवसरों का असमान वितरण भी है। शहरी क्षेत्रों में भी रोजगार के अवसर सीमित और प्रतिस्पर्धा अत्यधिक है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और भी चुनौतीपूर्ण है। छोटे शहरों और बस्तियों में रहने वाले युवाओं के पास न तो पर्याप्त संसाधन होते हैं और न ही मार्गदर्शन, जिसके कारण वे मुख्यधारा की प्रतिस्पर्धा में पिछड़ जाते हैं। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए महंगी कोचिंग, उच्च शिक्षा और नेटवर्किंग के अवसर लगभग पहुंच से बाहर होते हैं, जिससे उनकी प्रतिभा दबकर रह जाती है।

इस संकट के बीच एक महत्वपूर्ण प्रवृत्ति स्वरोजगार और कौशल आधारित कार्यों की ओर झुकाव के रूप में उभर रही है। जब औपचारिक रोजगार के अवसर सीमित होते हैं, तब लोग अपने स्तर पर छोटे व्यवसाय, हस्तशिल्प, सेवा कार्य और घरेलू उद्योगों के माध्यम से आजीविका के रास्ते तलाशते हैं। यह प्रवृत्ति न केवल आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देती है, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन का माध्यम भी बन सकती है। इसके बावजूद, स्वरोज़गार को अभी भी पर्याप्त संस्थागत समर्थन नहीं मिल पा रहा है।

भारत में महिला श्रम भागीदारी दर अभी भी लगभग 25 से 30 प्रतिशत के बीच है, जो वैश्विक औसत से काफी कम है। सामाजिक बंधन, सुरक्षा की चिंता और घरेलू जिम्मेदारियां महिलाओं की आर्थिक भागीदारी को सीमित करती हैं। यदि उन्हें कौशल प्रशिक्षण, सुरक्षित कार्य वातावरण और लचीले रोजगार के अवसर मिलें, तो वे न केवल अपनी आर्थिक स्थिति सुधार सकती हैं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूत कर सकती हैं

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

टंडक की चाहत में तप रही है धरती

पंकज चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

समय से पहले अब गर्मी आना सामान्य बात हो गई है और जैसे-जैसे पारा चढ़ना शुरू होता है, देश के मध्यम और उच्च मध्यम वर्ग के घरों, दफ्तर और कारों, बसों में एयर कंडीशनर यानी एसी शुरू हो जाते हैं। दशकों पहले जिसे विलासिता का प्रतीक माना जाता था, वह आज भारतीय जीवनशैली का अनिवार्य हिस्सा बन चुका है, लेकिन विडंबना यह है कि जो उपकरण हमें भीतर से राहत देते हैं, वे बाहर की दुनिया को और अधिक झुलसा रहे हैं। रेफ्रिजरेटर और एयर कंडीशनर ने आधुनिक दुनिया को आरामदेह बनाया है, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की है और दवाओं के भंडारण को संभव किया है, लेकिन इनकी एक भारी कीमत हम 'ग्लोबल वार्मिंग' के रूप में चुका रहे हैं।

बदलती सामाजिक धारणा और मध्यम वर्ग का उदय हालिया सर्वेक्षणों ने उस पुरानी धारणा को ध्वस्त कर दिया है कि एसी केवल अमीरों की जागीर है। आज भारत के एक बड़े मध्यम और निम्न-मध्यम आय वर्ग के परिवारों में एसी की पहुंच तेजी से बढ़ी है। आंकड़ों के अनुसार, देश में कोई 6.7 करोड़ एसी घरों या दफ्तरों में हैं। इसके अलावा साढ़े पांच करोड़ कारों और लाखों बसों-ट्रकों में भी अब एसी लग गए हैं। यह सरकारी आंकड़ा है कि हर साल डेढ़ करोड़ नए एसी बिक रहे हैं। यह बढ़ता बाजार आर्थिक समृद्धि का संकेत तो है, लेकिन पर्यावरणीय दृष्टि से एक बड़ी चेतावनी भी।

यह जान लें कि एसी 'ठंडक पैदा' नहीं करता, बल्कि वह आपके कमरे के अंदर की गर्मी को सोखकर उसे बाहर के वातावरण में छोड़ देता है। एसी के अंदर एक 'रेफ्रिजरेंट' गैस होती है जो अंदर की गर्मी को सोखती है। फिर बाहर लगी यूनिट उस गर्मी को पंखे के जरिए बाहर की हवा में छोड़ देती है। यदि एक ही इमारत या गली में दर्जनों एसी चल रहे हों, तो उस क्षेत्र का स्थानीय तापमान सामान्य से 1-2 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। इसे शहरों में 'अर्बन हीट आइलैंड' प्रभाव कहा जाता है।

यही नहीं एसी के भीतर जो गैस (रेफ्रिजरेंट) घूमती है, वह पर्यावरण के लिए सबसे बड़ा खतरा है। खतरनाक गैसेंः आधुनिक एसी में अक्सर हाइड्रोफ्लोरोकार्बन जैसी गैसों का उपयोग होता है। ये गैसें कार्बन डाइऑक्साइड की तुलना में वातावरण को गर्म करने में 1,000 से 3,000 गुना अधिक शक्तिशाली होती हैं। 'ग्लोबल वार्मिंग पोटेंशियल' एक पैमाना है, जो बताता है कि कोई गैस कितनी गर्मी सोखती है। कार्बन डाइऑक्साइड का जीडब्लूपी एक माना जाता है। इसके मुकाबले, एसी में इस्तेमाल होने वाली गैसों का जीडब्लूपी अक्सर 1,000 से 2,000 के बीच होता है। इसका मतलब है कि अगर आपके एसी से एक किलो गैस लीक होती है, तो वह वातावरण को उतनी ही गर्मी प्रदान करती है जितनी 2,000 किलो कार्बन डाइऑक्साइड करेगी।

भारत में एसी के रखरखाव और गुणवत्ता को लेकर एक बड़ा संकट खड़ा हो गया है। तकनीकी रूप से एक एसी को पांच साल में केवल एक बार गैस रिफिलिंग की आवश्यकता होनी चाहिए, लेकिन भारत में हकीकत इसके उलट है। यहां लगभग 40 प्रतिशत एसी को हर साल रिफिल किया जाता है। पांच साल से अधिक पुराने 80 प्रतिशत एसी हर साल गैस मांगते हैं और चिंता की बात यह है कि एक तिहाई नए एसी (5 साल से कम पुराने) को भी रिफिलिंग की जरूरत पड़ रही है। यह अनावश्यक रिफिलिंग न केवल पर्यावरण के लिए घातक है, बल्कि आम आदमी की जेब पर भी भारी प्रहार है।

वर्ष 2024 के आंकड़ों के अनुसार, भारत के एसी ने कुल 32 मिलियन किलोग्राम रेफ्रिजरेंट की खपत की। औसतन 2,200 रुपये प्रति रिफिल की दर से भारतीय परिवारों ने केवल गैस भरवाने पर 7,000 करोड़ रुपये खर्च कर दिए। यदि इस लीकेज की समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो 2035 तक यह बिल चार गुना बढ़कर 27,500 करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगा। यह पैसा सीधे तौर पर जनता की बचत से निकलकर उस लापरवाही की भेंट चढ़ रहा है, जिसे बेहतर निर्माण और सेवा गुणवत्ता से रोका जा सकता था।

कार बनाम एसीः जब हम उत्सर्जन की बात करते हैं, तो अक्सर हमारा ध्यान सड़कों पर दौड़ती गाड़ियों की ओर जाता है, लेकिन एयर कंडीशनरों से होने वाला प्रदूषण अब उससे कम नहीं रह गया है। बिजली की खपत और गैस रिसाव को मिलाकर, 2024 में भारत के एसी से होने वाला कुल ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन 156 मीट्रिक टन तक पहुंच गया है। यह आंकड़ा कितना बड़ा है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि यह भारत की सभी यात्री कारों से होने वाले कुल उत्सर्जन के लगभग बराबर है। सरल शब्दों में कहें तो, आपके घर की दीवार पर लगा वह एसी जो हर दो साल में गैस रिफिल मांग रहा है, वह साल भर में पर्यावरण को उतना ही नुकसान पहुंचा रहा है, जितना कि एक कार।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

जो उपकरण हमें भीतर से राहत देते हैं, वे बाहर की दुनिया को और अधिक झुलसा रहे हैं। इसकी भारी कीमत हम 'ग्लोबल वार्मिंग' के रूप में चुका रहे हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

अंतस्

ज्येष्ठ के मंगल
आस्था और सेवा का संगम

सनातन धर्म में ज्येष्ठ माह को विशेष महत्वपूर्ण माना जाता है। वैशाख पूर्णिमा के बाद ज्येष्ठ माह की शुरुआत होती है। हिंदू धर्म में ज्येष्ठ माह के प्रत्येक मंगलवार का विशेष महत्व माना जाता है। इस माह के मंगलवार को 'बड़ा मंगल' कहा जाता है, जो भगवान हनुमान की पूजा के लिए अत्यंत शुभ होता है। इस साल ज्येष्ठ माह का महत्व और भी बढ़ गया है, क्योंकि इस बार अधिकमास का दुर्लभ संयोग बन रहा है। इसी वजह से सामान्य चार या पांच की बजाय पूरे आठ बड़े मंगल पड़ रहे हैं, जो अपने आप में बेहद खास हैं। खास बात यह है कि अधिमास (पुरुषोत्तम मास) की वजह से आठ बड़े मंगल का विशेष संयोग मिलेगा, जो सामान्य वर्षों की तुलना में दोगुना है। इसकी वजह से हनुमान जी की उपासना का दोहरा अवसर प्राप्त होगा। इनमें पहले और अंतिम मंगल का विशेष धार्मिक महत्व होता है। इस दिन भक्त सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का पाठ करते हैं। मान्यता है कि यदि कोई व्यक्ति लगातार 40 दिनों तक सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का पाठ करता है, तो उसे हनुमान जी की विशेष कृपा प्राप्त होती है।

पं. मनोज कुमार द्विवेदी
आध्यात्मिक लेखक, ज्योतिषाचार्य

क्यों है ज्येष्ठ माह के मंगल की मान्यता

इस वर्ष ज्येष्ठ माह की शुरुआत 2 मई से होकर 29 जून तक रहेगी। पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ महीने का पहला बड़ा मंगल 5 मई को पड़ रहा है। यह दिन हनुमान भक्तों के लिए बेहद खास माना जाता है, क्योंकि इसी के साथ बड़े मंगल के पावन पर्व की शुरुआत होती है और भक्त पूरे उत्साह व श्रद्धा के साथ बजरंगबली की पूजा-अर्चना करते हैं।

रामायण की कथा के अनुसार जब प्रभु श्रीराम माता सीता की खोज कर रहे थे, तो हनुमान जी पहली बार राम जी से मिले थे। हनुमान जी ने राम जी और लक्ष्मण जी की सच्चाई जानने के लिए एक पुरोहित का रूप बनाया हुआ था। जब हनुमान जी ने प्रभु श्रीराम और लक्ष्मण जी की सच्चाई जानी, तो उन्होंने प्रभु श्रीराम को प्रणाम किया। हनुमान जी और प्रभु श्रीराम का मिलन पहली बार ज्येष्ठ माह के मंगलवार को हुआ था, इसलिए इस ज्येष्ठ माह के मंगलवार को बड़ा मंगलवार के नाम से जाना गया।

श्रद्धा और उपासना का पावन दिन ज्येष्ठ माह के 'बड़े मंगल' पर हनुमान मंदिरों में भक्तों का तांता लगा रहता है। इस दिन पवनपुत्र को सिंदूर और चोला अर्पित कर विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। हनुमान चालीसा और बजरंग बाण का पाठ करना भक्तों के लिए विशेष फलदायी और मानसिक शांति देने वाला माना जाता है। निःस्वार्थ सेवा की अनूठी परंपरा का प्रतीक यह पर्व केवल पूजा तक सीमित नहीं है, बल्कि सेवा का एक जीवंत उदाहरण है। जगह-जगह आयोजित होने वाले विशाल भंडारे इस दिन की पहचान हैं, जहां समाज का हर वर्ग एक साथ मिलकर प्रसाद ग्रहण करता है। बड़े मंगल पर जगह-जगह प्याऊ (ठंडा पानी) लगवाने और शरबत-प्रसाद वितरित करने का विधान है, जो हनुमान जी की कृपा पाने के लिए उत्तम माना जाता है।

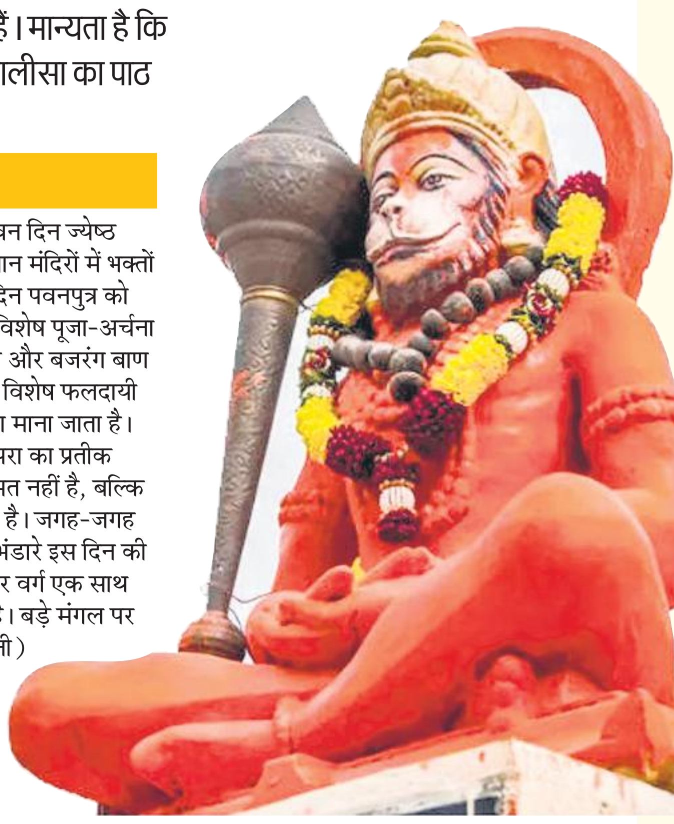

व्रत और उपायों का विशेष फल

ज्येष्ठ माह में किए गए व्रत और उपायों का विशेष फल मिलता है, क्योंकि इस समय सूर्य की प्रखरता अधिक होती है और यह ऊर्जा के स्तर को प्रभावित करता है। इस माह में की गई पूजा और तपस्या से पुण्य प्राप्ति होती है।

पूजा विधि

सुबह जल्दी स्नान कर लाल वस्त्र पहनें। हनुमान जी को सिंदूर का चोला और चमेली का तेल अर्पित करें। भोग में बूंदी के लड्डू या गुड़-चना चढ़ाएं। ॐ हं हनुमते नमः मंत्र का जाप करें और हनुमान चालीसा का पाठ करें।

बड़े मंगल व्रत के लाभ

- **संकटों से मुक्ति :** हनुमान जी को संकटमोचन कहा जाता है। बड़ा मंगल का व्रत करने से जीवन की बड़ी से बड़ी बाधाएं दूर हो जाती हैं।
- **मंगल दोष का निवारण :** जिनकी कुंडली में मंगल भारी है, उनके लिए ये 8 मंगलवार सेवा और दान के लिए महत्वपूर्ण हैं।
- **इच्छा पूर्ति :** सच्चे मन से सुंदरकांड या हनुमान चालीसा का पाठ करने से साधक की मनोकामनाएं पूरी होती हैं।
- **सेवा और दान :** इस दिन जगह-जगह भंडारे और पानी पिलाने की व्यवस्था करने की परंपरा है।

भक्ति का आनंद

भक्ति क्या है? भक्ति में आनंद कैसे आता है? भक्तों के सदा खुश रहने का कारण क्या है? भक्ति एक समर्पण है, जहां पर भक्त की नहीं, भगवान की चलती है, भक्ति मार्ग पर आपको खुद अपने को तराशना और परखना है कि तलवार के जैसे मार्ग पर आप चल पाएंगे, कहीं आप साधना की कठिनाइयों से घबरा तो नहीं जाएंगे? आपकी इसी दृढ़ इच्छा शक्ति को परखने लिए बार-बार गुरु और भगवान परीक्षा लेते हैं, इसीलिए यह सब तो वह ही बता सकता है, जिसने भक्ति की हो या खुद भक्ति करके जानो।

भक्ति का आनंद भक्ति करके ही पाया जा सकता है। भक्त के खुश रहने का कारण यह है कि वह अपना सबकुछ यानी सुख-दुःख सब अपने भगवान को अर्पित कर देता है, उनकी इच्छा पर सबकुछ छोड़ देता है।

यही कारण है कि उसको सुख, दुःख, धूप, छांहों नहीं हरा पाती और वह हर हाल में सदा खुश रहता है, क्योंकि वह हर चीज के पीछे भगवान की इच्छा मानता है। यह निष्काम स्थिति तब आती है, जब भक्त पूर्ण रूप से कामना रहित हो जाता है, उसके मन में किसी तरह की कोई कामना नहीं रहती, जब मन से कामनाओं का अंत हो जाता है। तब ही भगवान का साक्षात्कार हो जाता है।

भगवान खुद अपने भक्त का ध्यान रखने लगते हैं, जिस तरह एक मां अपने बच्चे का ध्यान रखती है, वह उसको एक पल के लिए अकेला नहीं छोड़ती, लेकिन जैसे-जैसे बच्चा बड़ा होता जाता है, वह खुद सारे निर्णय लेने लगता है, धीरे-धीरे मां उसे उसके हाल पर छोड़कर निश्चिंत हो जाती है और बच्चा अपने भले बुरे के लिए खुद जिम्मेदार होता है। उसी तरह जब हम भगवान का साथ छोड़ देते हैं, तो भगवान भी हमारा साथ छोड़ देते हैं।

इसलिए भगवान के सामने सदैव बच्चा बने रहो, इसी में हमारा फायदा है। भगवान पर पूरी तरह अपना बिश्वास बनाएं रखो, अपने विश्वास को किसी भी स्थिति में कमजोर मत पड़ने दो, यकीन रखो वह जो करेगा, अच्छा ही करेगा, यही भरोसा आपको कहीं कमजोर नहीं पड़ने देगा।

अनिल सुधांशु
ज्योतिषाचार्य

पौराणिक कथा

जहां भाव, वहां भगवान

बहुत समय पहले वृंदावन में कृष्णदास नाम के एक बाबा रहते थे। एक बार उन्होंने किसी ग्रंथ में पढ़ा कि यदि कोई सेवा बिना नागा किए लगातार बारह वर्ष तक की जाए, तो साधक को मनचाहा फल अवश्य मिलता है। बाबा ने निश्चय किया कि वे बारह वर्ष तक प्रतिदिन ठाकुर जी को माला पहनाएंगे और फलस्वरूप बस यही चाहेंगे कि तेरहवें वर्ष के पहले दिन स्वयं ठाकुर जी उनकी कुटिया पर आकर उनसे माला ग्रहण करें।

उस दिन से बाबा की सेवा आरंभ हो गई। वे प्रतिदिन मंदिर जाते, प्रेम से माला पहनाते और मुस्कुराकर कहते-"लाला, अब इतने दिन हो गए, बस इतने दिन और।" समय बीतता गया और देखते-देखते बारह वर्ष पूर्ण होने को आए। अंतिम दिन बाबा ने बड़े विश्वास से कहा-"मेरी सेवा पूर्ण हुई, अब कल आपको मेरी कुटिया पर आना ही होगा। मैं छप्पन भोग सजाकर प्रतीक्षा करूंगा।"

अगले दिन बाबा भोर में उठे, स्नान किया, कुटिया सजाई और छप्पन भोग तैयार कर दिए। फिर वे पूरे दिन ठाकुर जी की राह देखते रहे। समय बीतता गया-दोपहर, संध्या, फिर रात्रि यहां तक कि मंदिर में शयन आरती भी हो गई, पर ठाकुर जी नहीं आए। अब बाबा का हृदय टूट गया। वे क्रोध और वेदना में भर उठे-"मेरी ही भूल थी, मैं किसी और की आराधना करता तो अच्छा होता।" क्रोध में उन्होंने कुटिया उजाड़ दी, उपवन नष्ट कर दिया और छप्पन भोग की पोटली बांधकर चल पड़े। चलते-चलते उन्होंने सोचा-"बारह वर्ष कृष्ण को दिए, अब बारह दिन श्रीजी को देकर देखता हूं।" यह सोचकर वे बरसाना की ओर बढ़ चले। मार्ग में अचानक गायों का विशाल झुंड आ गया। बाबा किनारे खड़े हो गए। समय बीतता गया, पर गायों का अंत न हुआ। तभी एक नन्हा ग्वाला दिखाई दिया। बाबा ने पूछा- "ये किसकी गायें हैं?" ग्वाले ने हंसकर कहा- "नंद भवन की हैं, पूरी नौ लाख। अभी देर लगेगी, आप बैठ जाइए।" बाबा थके और भूखे थे। ग्वाले ने उनकी पोटली से आती सुगंध पाकर कहा- "मुझे भी थोड़ा खाने को दे दो।" बाबा ने पोटली खोली। ग्वाले ने कहा- "मेरे हाथ गंदे हैं, आप अपने हाथ से खिला दीजिए।" जैसे ही बाबा ने पहला कौर उसके मुख में रखा, उसकी आंखें भर आईं। बाबा ने पूछा-"क्या हुआ?" ग्वाला बोला-"आज सुबह से प्रतीक्षा कर रहा था, किसी ने मुझे माला नहीं पहनाई।" इतना सुनते ही बाबा चौंक उठे- "अरे, कन्हैया तू!" और वे उसे गले से लगा बैठे। ठाकुर जी ने अपना दिव्य रूप प्रकट किया। बाबा भाव-विभोर हुए, पर अगले ही क्षण बोले- "अब समझा, आज तू क्यों आया है। जब तेरी ओर से हटकर मैंने श्रीजी की ओर कदम बढ़ाया, तब तू दौड़ा चला आया। जब एक कदम पर तू मिल गया, तो यदि मैं उनके चरणों में ही समर्पित हो जाऊं, तो क्या होगा!" यह कहकर बाबा बरसाना की ओर दौड़ पड़े। ठाकुर जी उन्हें रोकने के लिए पीछे-पीछे भागे। अंततः बाबा ने शेष जीवन श्रीजी के चरणों में समर्पित कर दिया और कृष्णदास से किशोरीदास बन गए।

-प्रमोद श्रीवास्तव

बोध कथा

खाली कटोरे का सच

एक छोटे से गांव में हरिदास नाम का एक वृद्ध संत रहते थे। लोग दूर-दूर से उसके पास अपनी समस्याएं लेकर आते और संत उन्हें सरल शब्दों में जीवन का मार्ग दिखाते। एक दिन एक धनवान व्यापारी उसके पास आया। वह बहुत चिंतित और असंतुष्ट दिख रहा था। व्यापारी बोला, "गुरुदेव, मेरे पास धन-दौलत, बड़ा घर, परिवार सब कुछ है, फिर भी मन में शांति नहीं है। मुझे हर समय किसी न किसी बात की चिंता रहती है। कृपया मुझे कोई उपाय बताइए।" संत हरिदास मुस्कुराए और बोले- "पहले तुम मेरे लिए एक काम करो। सामने रखे इस कटोरे में पानी भरकर ले आओ।"

व्यापारी ने कटोरा उठाया और पास के कुएं से पानी भरकर ले आया। संत ने कटोरे को देखा और बोले, "अब इसमें थोड़ा और पानी भरो।" व्यापारी ने कहा, "गुरुदेव, यह कटोरा तो पहले ही पूरा भर चुका है, अब इसमें और पानी नहीं आ सकता।" संत ने शांत स्वर में कहा, "यही तुम्हारे मन की स्थिति है। तुमने अपने मन को इच्छाओं, चिंताओं और लालच से इतना भर लिया है कि उसमें शांति के लिए कोई जगह ही नहीं बची।"

व्यापारी चुप हो गया। संत ने आगे कहा- "जब तक तुम अपने मन के इस कटोरे को खाली नहीं करोगे, तब तक उसमें सुकून नहीं भर सकता। तुम्हें अपनी अनावश्यक इच्छाओं को त्यागना होगा और जो है, उसमें संतोष करना सीखना होगा।" व्यापारी ने विनम्रता से पूछा, "गुरुदेव, यह कैसे संभव है?" संत ने उत्तर दिया, "हर दिन कुछ समय अपने लिए निकालो। अपनी उपलब्धियों के लिए आभार प्रकट करो और उन चीजों को छोड़ना सीखो, जो तुम्हें भीतर से बोझिल बनाती हैं। धीरे-धीरे तुम्हारा मन हल्का होने लगेगा और शांति अपने आप उसमें स्थान बना लेगी।" व्यापारी ने संत के चरणों में झुककर प्रणाम किया। उस दिन के बाद उसने अपने जीवन में छोटे-छोटे बदलाव करने शुरू किए। समय के साथ उसकी चिंताएं कम होने लगीं और वह पहले से अधिक संतुष्ट और शांत रहने लगा। कथा की सीख है कि जब तक मन इच्छाओं और चिंताओं से भरा रहेगा, तब तक उसमें शांति के लिए स्थान नहीं बन सकता।

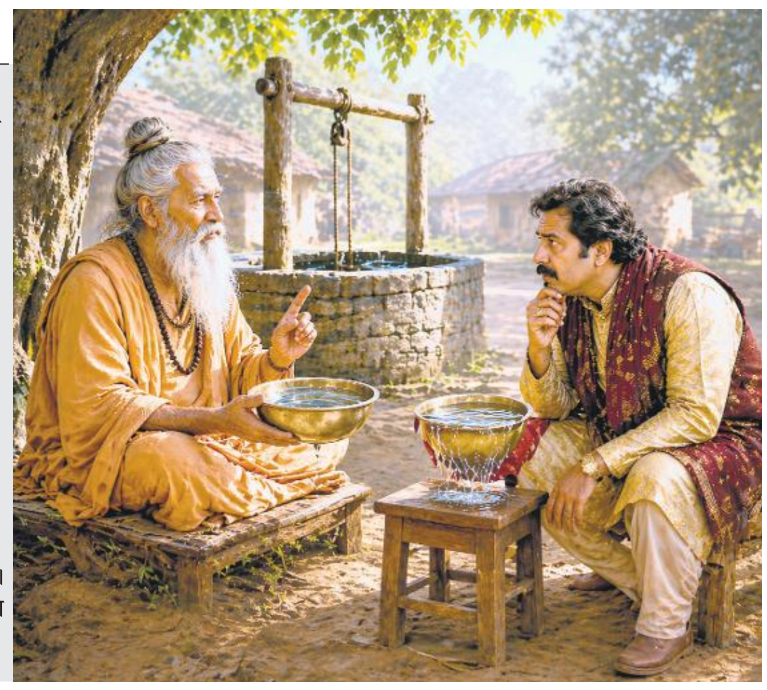

अद्वैतभाव का व्यक्त स्वरूप रासलीला

रासलीला एक दिव्य प्रेम सुधा रस का समुद्र है। उसकी दो धाराएं हैं। दो ओर से आती हैं। टकराती हैं और एक हो जाती हैं। पहली लहर दूसरी हो जाती है। दूसरी लहर पहली हो जाती है। इस प्रकार प्रेमी-प्रियतम, प्रियतम-प्रेमी के अन्यतम मिलन की यह अनंत धारा चलती रहती है। नया मिलन, नया रूप, नया रस, नई प्सास और नई तृप्ति। यही प्रेम रस का अद्वैत स्वरूप है। इसी का नाम रास है। एक कृष्ण, एक वृत्ति की अद्वैत रसभावना से ओत-प्रोत हृदय के रंगमंच पर संधिस्थानीय श्याम-ब्रह्म और तदाकार-वृत्तियों की धारा के रूप में गोपियों का नृत्य ही रासलीला है। रास में साहित्य, संगीत और कला (नृत्य) का समन्वय होता है। सत्यं शिवम सुंदरम् की यही पहचान है। इस रासलीला में काम (वासना) अंशमात्र भी नहीं है। देव, गंधर्व, किन्नर तथा नारद आदि भी आकाश से एवं श्रीमहादेव जी ने स्वयं गोपी बनकर गोपीश्वर महादेव के रूप में वंशीवट पर वृंदावन में रासलीला में प्रवेश कर महारास को अपने तीनों नेत्रों से निहारा करते हैं। आज भी श्रीगोपेश्वर महादेव के रूप में निहार रहे हैं।

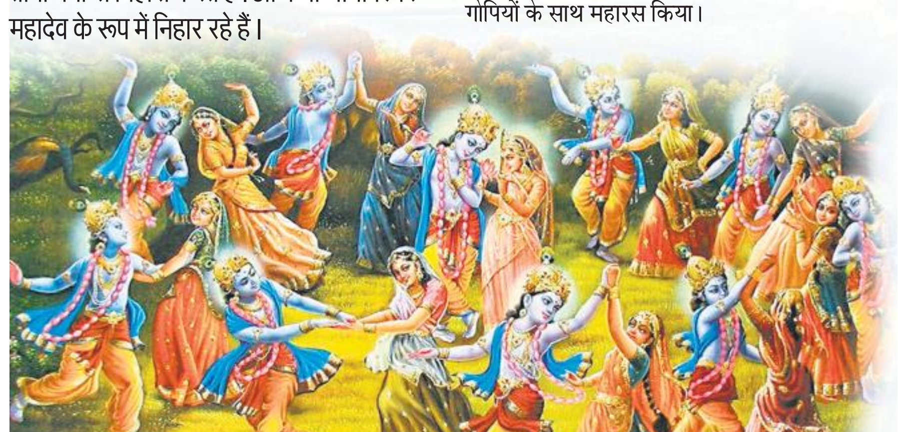

एक बात स्पष्ट समझ लेनी चाहिए कि रासलीला में गोपी के शरीर के साथ कोई लेना-देना नहीं है। यह साधारण स्त्री व पुरुष का नहीं, जीव और ब्रह्म का मिलन है। शुद्ध जीव का ब्रह्म के साथ विलास ही रास है। शुद्ध जीव का अर्थ है- माया के आवरण से रहित जीव। ऐसे जीव का ही ब्रह्म से मिलन होता है। इसीलिए गोपियों के साथ श्रीकृष्ण ने महारास से पूर्व चीरहरण लीला की थी। चीरहरण लीला में जब बाहरी आवरण उपाधि नष्ट हुई तो रासलीला हुई। जीव और ब्रह्म का तादात्म्य हुआ। जिस प्रकार वस्त्र देह ढकता है, उसी प्रकार वासना और अज्ञान आत्मा को ढक देते हैं और परमात्मा को दूर करते हैं। जब तक अज्ञान और वासना का आच्छादन दूर नहीं हो जाता, तब तक शिव से मिलन नहीं हो पाता। वस्त्र हरण लीला बुद्धिगत वासना, बुद्धिगत अज्ञान को उड़ा ले जाने की लीला है। वासना और अज्ञान रूपी वस्त्र प्रभु मिलन में बाधक हैं। इन्द्रियों के काम को हटाना सरल है, किंतु बुद्धिगत काम को निकाल बाहर करना बड़ा कठिन है। श्रीकृष्ण ने गोपियों के वासना रूपी आवरण को हटा दिया। शुद्ध-बुद्ध गोपियों के साथ महारस किया।

श्रीधरस्वामी के अनुसार पंच्चाध्यायी (भागवत में रास के 5 अध्याय) रासलीला निवृत्ति धर्म का परम फल है। रासलीला के 5 अध्याय पंच प्राणों के सूचक प्रतीत होते हैं। पंच प्राणों का ईश्वर के साथ रमण ही रास है। वेणुगीत की बांसुरी तो केवल पशु-पक्षियों को ही नहीं सबको सुनाई देती है। किंतु रासलीला की बांसुरी तो ईश्वर से मिलनातुर अधिकारी जीव गोपी को ही सुनाई देती है।

रासलीला कोई साधारण स्त्री की नहीं, देह-मान भूली हुई, देहाध्यास से मुक्त स्त्री की कथा है। देहाध्यास नष्ट होने पर प्रभु की चिन्मयी लीला में प्रवेश मिलता है। अंतर्मुखी दृष्टि करके जीव जब भगवान के पास पहुंचता है, तब वे पूछते हैं- मेरे पास क्यों आया है? गोपियों से भी पूछा था- मेरे पास क्यों आई हो? पति सेवा तथा संतान सेवा करो, रात्रि में मिलन उचित नहीं। जीव को परमात्मा सहज नहीं मिलते हैं। जीव को भ्रांति होती है। संसार में रत रहो, वहीं तुमको सुख मिलेगा। मै सुख नहीं, केवल आनंद ही दे सकता हूं।

ब्रह्म जीव को संसार में लौटाता है, प्रलोभन देता है। माया जाल में फंसाता है। नटवर नागर श्रीकृष्ण के इतना कहने पर गोपियां कहती हैं- 'पादौ पदं न चलतस्तव पादमूलाद यामः कथं व्रजमधो करवाम किं वा।। (श्रीमदभागवत 10/29/34)। अर्थात हे गोविन्द! हमारे पांव आपके चरण कमलों को छोड़कर एक पग भी पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। हम ब्रज को लौटें तो कैसे? और यदि हम लौटें भी तो मन के बिना वहां हम क्या करें? हमारा मन आप में ही रमा हुआ है। हम भी आपके स्वरूप से तदाकार होना चाहती हैं। प्रभु ने सोचा कि इन गोपियों का प्रेम सच्चा है। जीव शुद्ध भाव से मुझसे मिलने आया है, तो उसे अपना लिया। श्रीकृष्ण ने एक साथ अनेक स्वरूप धारण किए। जितनी गोपियां थीं, उतने स्वरूप बना लिए और प्रत्येक गोपी के साथ एक-एक स्वरूप रखकर रासलीला आरंभ की। हजारों जन्मों का विरही जीव आज प्रभु के सम्मुख उपस्थित हो सका है। जीव आज ईश्वरमय हो गया। वे दोनों एक हो गए। इस मिलन से जीव और ईश्वर दोनों को अति आनंद हुआ। गोपियां श्रीकृष्णमय तथा भगवन्मय हो गईं। सभी हाथों से हाथ मिलाकर नृत्य करने लगीं। यह तो ब्रह्म से जीव का मिलन हुआ है। इस प्रकार अद्वैत सिद्धांत के आचार्य श्रीशुकदेवजी ने रासलीला में अद्वैत का वर्णन किया है।

डॉ. प्रदीप द्विवेदी 'रमण'
आध्यात्मिक लेखक

महारास देखते-देखते ब्रह्माजी सोचने लगे कि कृष्ण और गोपियां निष्काम तो हैं, फिर भी देहभान भूलकर इस प्रकार पराई नारी से लीला करना शास्त्र मर्यादा का उल्लंघन ही है। ब्रह्माजी सशंकित हुए। ब्रह्माजी यह नहीं जानते थे कि यह रासलीला धर्म नहीं धर्म का फल है। श्रीकृष्ण ने एक और खेल रचा- उन्होंने सभी गोपियों को अपना स्वरूप दे दिया। अब तो सर्वत्र कृष्ण ही कृष्ण दिखाई दे रहे थे। गोपियां थी ही नहीं। सभी पीतांबरी कृष्ण हैं और एक दूसरे से रास खेल रहे हैं। ब्रह्माजी ने मान लिया कि यह स्त्री-पुरूष का मिलन नहीं है। श्रीकृष्ण गोपीरूप हो गए हैं। ब्रह्माजी ने श्रीकृष्ण को साष्टांग प्रणाम किया। यह विजातीय तत्व का स्त्रीत्व और पुरुषत्व का मिलन नहीं अंश और अंशी का मिलन है। गोपियां श्रीकृष्णमय हो गईं, प्रभुरूप बन गईं। ब्रह्मरूप हो जाने के बाद जीव का स्वत्व कहां रहा?

शास्त्र कहता है कि श्रीकृष्णस्तु भगवान स्वयं। तब यह बात अपने आप स्पष्ट हो जाती है कि कृष्ण कामी नहीं, भोगी नहीं, बल्कि निष्काम कर्म के अधिष्ठाता एवं स्वयं योगेश्वर हैं। जिस प्रकार उन्होंने ब्रह्माजी का गर्व गो-वत्स हरण लीला करके, अग्नि का गर्व दावानल पान लीला करके और इन्द्र का गर्व गोवर्धन धारण लीला करके नष्ट किया, उसी प्रकार उन्होंने रासलीला करके कामदेव का गर्व भी नष्ट किया। इन लीला प्रसंगों में यह बात स्पष्ट हो जाती है कि रासलीला महालीला है। अद्वैतभाव का व्यक्त स्वरूप है। अंश का अंशी में परम मिलन है। भेदबुद्धि रूप लौकिक दृष्टि का निरसन कर अभेदबुद्धि रूप आध्यात्मिक यथार्थ तत्व का महिमामंडित स्वरूप है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	77,303.63	24,092.70
बढ़त	639.42	194.75
प्रतिशत में	0.83	0.81

सोना 1,56,100 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,50,000 प्रति किलो

अमृत विचार
हल्द्वानी, मंगलवार, 28 अप्रैल 2026
www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन- तुलसी 2535, राज श्री 1940, फ़ॉर्चून कि. 2695, रविन्द्रा 2480, फॉर्चुन 13kg 2375, जय जवान 2080, सचिन 2300, सूरज 2080, अवसर 2125, उजाला 2070, गृहणी 13 kg 2130, क्लासिक (kg) 2440, मोर 2285, चक्र टिन 2505, ब्लू 2380, आशीर्वाद मस्टर्ड 2400, स्वास्तिक 2490

किराना- निजामाबाद हल्दी 16000-18000, जीरा 25500, लाल मिर्च 21500-24000, धनिया 14000-18000, अजवायान 14000-19000, मेथी 7000-8000 सौंफ 11000-20000, सोंठ 33000, (प्रतिकि0) लौंग 850-1000, बादाम 750-1050, काजू 2 पीस 830, किसमिस पीली 330-380, मखाना 800-1150

चावल (प्रति कु0)- डबल चाबी सेला 10800, आभा स्पाइस 8300, शरबती कच्ची 6500, शर्बती स्टीम 6500, मंसूरी 4500, महबूब सेला 4600, गौरी रॉयल 10200, राजभोग 8250, हरी पत्ती (1kg,5kg) 11700, हरी पत्ति नेचुरल 10900, गौरी स्पेशल 10100, गौरी प्रीमियम 11500, जन्नत 3700, गौरी डिलाइट 10800, मंसूरी पनघट 4400, लाडली 4400

दाल दलहन- मूंग दाल इंदौर 9900, मूंग धोवा 10100, राजमा चित्रा 11500-13000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7450-9600, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800-9800, मसूर दाल छोटी 10700-12200, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800-11500, चना काला 7200, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7400, चना अकोला 6600, डबरा 7000-8400, सच्चा मोती 8700, मोटा सफेद 9700, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11000-11600, अरहर कोरी छोटी 12600

चीनी- द्वारकेश 4300, बहेड़ी 4280, सितारगंज 4250

बरेली सर्राफा

दाम प्रति 10 ग्राम- सोना पक्के आभूषण 154000, सोना गिन्नी 150000, चांदी (पक्की) 2480 (अनुमानित)

हल्द्वानी मंडी

नोट : दाम प्रति क्विंटल में

चावल :- शरबती- 6800-7400 बासमती- 10500-12000 परमल- 3000-3600

दाल दलहन :-काला चना- 6200-6800 साबुत चना दाल- 6800 मूंग साबुत- 10200 राजमा- 11000-12200 दाल उड़द- 9000-11300 साबुत मसूर दाल- 7200-7500 मसूर दाल- 9000 1000 उड़द साबुत- 10200 काबुली चना- 10000-10500 अरहर दाल- 9200 -11200 लोबिया/करमानी- 1400-2200

शेयर बाजार में तीन दिन बाद तेजी लौटी, सेंसेक्स 639 अंक चढ़ा

ईरान-अमेरिका के बीच तनाव घटने के संकेतों से रुकी तीन दिन से चल रही गिरावट

मुंबई, एजेंसी

वैश्विक संकेतों में सुधार और प्रमुख कंपनियों में खरीदारी के चलते घरेलू शेयर बाजारों में तीन दिन की गिरावट के बाद सोमवार को तेजी लौटी। सेंसेक्स 639 अंक चढ़कर बंद हुआ जबकि निफ्टी में 195 अंकों की बढ़त दर्ज की गई।

विश्लेषकों के मुताबिक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और सन फार्मा के शेयरों में जोरदार लिवाली आने से मानक सूचकांकों में उछाल देखा गया। इसके अलावा ईरान और अमेरिका के बीच तनाव घटने के संकेतों ने भी धारणा को मजबूती दी।

बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 639.42 अंक यानी 0.83 प्रतिशत उछलकर 77,303.63 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 755.83 अंक तक चढ़कर 77,420.04 के स्तर तक पहुंच गया था। इसी तरह, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 194.75 अंक यानी 0.81% बढ़कर 24,092.70 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से सन फार्मा का शेयर करीब सात प्रतिशत तक उछल गया। सन फार्मा द्वारा अमेरिकी कंपनी ऑर्गेनॉन के अधिग्रहण के लिए 11.75 अरब डॉलर के सौदे की घोषणा के बाद इसमें तेज खरीदारी देखी गई। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में भी 2.88 प्रतिशत की तेजी आई।

स्मॉलकैप में 2 और मिडकैप में रही 1.35 % की तेजी

छोटी कंपनियों का बीएसई स्मालकैप सेलेक्ट सूचकांक दो प्रतिशत चढ़ गया जबकि मझोली कंपनियों का मिडकैप सेलेक्ट सूचकांक 1.35 प्रतिशत की तेजी पर रहा। बाजार में चौतरफा तेजी के बीच सभी क्षेत्रवार सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए। इसकी अगुवाई जन केंद्रित सेवाओं ने 2.50 प्रतिशत तेजी के साथ की जबकि स्वास्थ्य देखभाल खंड में 2.43 प्रतिशत और फोकस आईटी खंड में 2.41 प्रतिशत की बढ़त रही। बीएसई पर सूचीबद्ध कुल 3,075 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए जबकि 1,288 शेयरों में गिरावट रही और 193 अन्य अपरिवर्तित रहे।

दबाव ग्रस्त शेयरों में सुधार से आई तेजी

रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजीत मिश्रा ने कहा कि यह तेजी मुख्य रूप से विभिन्न क्षेत्र के दबावग्रस्त शेयरों, खासकर रिलायंस इंडस्ट्रीज में आए सुधार की उपज रही। वैश्विक अधिग्रहण से जुड़ी खबरों के बाद दवा कंपनियों में तेज खरीदारी देखी गई। कच्चे तेल की कीमतों का ऊंचे स्तर पर बने रहना बाजार के लिए एक जोखिम कारक बना हुआ है। लाइवलॉन्ग वेल्थ के संस्थापक एवं शोध विश्लेषक हरिप्रसाद के. ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास अमेरिका और ईरान के बीच संभावित तनाव घटने की खबरों से वैश्विक निवेशकों का भरोसा बढ़ा।

इन शेयरों में रही तेजी

सन फार्मा और रिलायंस इंडस्ट्रीज, अदाणी पोर्ट्स, टेक महिंद्रा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एनटीपीसी, एचसीएल टेक और टीसीएस बढ़त में रहे।

इनमें रही गिरावट

एक्सिस बैंक, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, ट्रेंट और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए।

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और चीन का शंघाई कंपोजिट बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि हांगकांग का हैंगसेंग गिरावट में रहा। यूरोपीय बाजारों में भी दोपहर कारोबार में सकारात्मक रुख था।

इससे घरेलू बाजारों को भी समर्थन मिला। इस बीच, वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 2.53 प्रतिशत बढ़कर 107.9 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। शुक्रवार को विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 8,827.87 करोड़ रुपये के शेयर बेचे थे। इससे पहले शुक्रवार को सेंसेक्स 999.79 अंक टूटकर 76,664.21 अंक और निफ्टी 275.10 अंक की गिरावट के साथ 23,897.95 अंक पर बंद हुए थे।

भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौता समझें किसको होगा कितना फायदा

कई क्षेत्रों में पहुंच के साथ 5,000 भारतीय पेशेवरों को मिलेगा वीजा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और न्यूजीलैंड वस्तुओं एवं सेवाओं के द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने तथा निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर सोमवार को हस्ताक्षर किये गये। इस एफटीए पर भारत और न्यूजीलैंड के विदेश मंत्रियों ने हस्ताक्षर किये। समझौता दोनों पक्षों द्वारा सहमत वास्तविक तय तारीख से लागू होगा।

118 क्षेत्रों में मिलेगी पहुंच

सेवाओं के क्षेत्र में भारत को कंप्यूटर, दूरसंचार, वित्त, शिक्षा, पर्यटन और पेशेवर सेवाओं सहित 118 क्षेत्रों में बाजार पहुंच मिलेगी, जबकि 139 उप-क्षेत्रों में 'सर्वाधिक तरजीही देश' (एमएफएन) का प्रावधान होगा। समझौते में भारतीय पेशेवरों के लिए 5,000 वीजा का प्रावधान किया गया है, जिसमें आईटी, इंजीनियरिंग, स्वास्थ्य, शिक्षा, योग और अन्य कुशल क्षेत्रों को शामिल किया गया है।

पढ़ाई के बाद वर्क वीजा

साथ ही, न्यूजीलैंड ने पहली बार छात्रों के लिए विशेष आवाजाही सिद्धांत और अध्ययन के बाद कामकाजी वीजा देने का भी प्रावधान किया है।

वित्त वर्ष 2024-25 में भारत और न्यूजीलैंड के बीच द्विपक्षीय वस्तु व्यापार 1.3 अरब डॉलर रहा, जिसमें भारत का निर्यात 71.11 करोड़ डॉलर और आयात 58.71 करोड़ डॉलर रहा। वहीं, 2024 में वस्तु एवं सेवाओं का कुल व्यापार लगभग 2.4 अरब डॉलर रहा, जिसमें केवल सेवाओं का व्यापार 1.24 अरब डॉलर रहा।

ये करेंगे निर्यात-आयात

न्यूजीलैंड को होने वाले भारत के प्रमुख निर्यातों में विमानन ईंधन, दवाएं, मोटर वाहन, पेट्रोलियम उत्पाद, रेडीमेड परिधान और मशीनरी शामिल हैं। वहीं आयात में लकड़ी एवं लकड़ी उत्पाद, लोहा-इस्पात, कच्चा ऊन, डेयरी उत्पाद, धातु स्क्रैप, कोयला और कृषि से जुड़े उत्पाद शामिल हैं।

इस समझौते के लिए दोनों देशों के बीच बातचीत का दौर दिसंबर, 2025 में पूरा हुआ था।

एफटीए पर हस्ताक्षर के समय गोयल ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में 38 विकसित देशों को समाहित करने वाला यह भारत का नौवां व्यापार समझौता है।

उन्होंने कहा कि इस समझौते का केंद्रबिंदु निर्यात को बढ़ावा देना, कृषि उत्पादकता में सुधार, छात्र गतिशीलता, कौशल विकास, निवेश और सेवाओं को सशक्त करना है।

न्यूजीलैंड में इस समझौते को लेकर कुछ राजनीतिक विरोध भी सामने आया है, हालांकि लक्सन सरकार ने संसद में इसे पारित कराने के लिए पर्याप्त समर्थन होने का भरोसा जताया है।

न्यूजीलैंड प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई कर रहे मैक्ले ने कहा कि इससे व्यापार में बाधाएं कम होंगी, स्पष्ट नियम बनेंगे।

क्या होता है एफटीए

मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए), दो या अधिक देशों के बीच एक आर्थिक व्यवस्था है जिसमें वे आपस में व्यापार होने वाली अधिकतम वस्तुओं पर सीमा शुल्क समाप्त करने या काफी हद तक कम करने पर सहमत होते हैं। इसके साथ ही वे उन बाधाओं को भी कम करते हैं जो दोतरफा व्यापार एवं निवेश को प्रभावित कर सकती हैं।

खरीफ सत्र में यूरिया व अन्य उर्वरक आयात करेगा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने सोमवार को कहा कि इस खरीफ सत्र में 64 लाख टन यूरिया और 19 लाख टन अन्य उर्वरक आयात करने की योजना बनायी जा रही है। यह खरीद योजना ऐसे समय बन रही है जब पश्चिम एशिया संकट के कारण वैश्विक कीमतें लगभग दोगुनी हो गई हैं।

पश्चिम एशिया में हाल के घटनाक्रमों के प्रभाव पर अंतर-मंत्रालयीय संवाददाता सम्मेलन में उर्वरक विभाग की अतिरिक्त सचिव अपर्णा एस शर्मा ने कहा कि यूरिया और डाई अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) की खुदरा कीमतें अपरिवर्तित रहेंगी और खरीफ सत्र के लिए पर्याप्त आपूर्ति उपलब्ध है।

उन्होंने कहा कि यूरिया और डीएपी जैसे उर्वरकों का एमआरपी (अधिकतम खुदरा मूल्य) वही रहेगा। इसमें कोई बदलाव नहीं हुआ है। यूरिया अभी भी 266.50 रुपये प्रति 45 किलोग्राम के बैग और डीएपी 1,350 रुपये प्रति 50 किलोग्राम के बैग के हिसाब से बेचा जा रहा है। नियोजित आयात में से, संकट शुरू होने के बाद से 9.4 लाख टन यूरिया पहले ही प्राप्त हो चुका है। फरवरी में एक वैश्विक निविदा के माध्यम से 13.07 लाख टन और सुरक्षित किया गया था, जबकि 25 लाख टन और उर्वरकों के लिए निविदा जारी की गई है और इसके मई में आने की उम्मीद है।उन्होंने कहा कि अधिकांश आयात होर्मुज जलडमरूमध्य के बाहर से हो रहे हैं। मार्च में गैस की डिलीवरी बाधित होने के कारण उत्पादन 60-65 प्रतिशत तक घट गया था। यूरिया इकाइयों के लिए गैस की उपलब्धता अब 97 प्रतिशत हो गई है। इसलिए उसके बाद हमारा यूरिया उत्पादन बहुत अच्छा रहा है।

पश्चिम एशिया संकट : चावल निर्यातकों ने की निर्यात शुल्क पर सरकारी हस्तक्षेप की मांग

नयी दिल्ली,एजेंसी

बासमती चावल किसान एवं निर्यातक विकास मंच (बीआरएफईडीएफ) ने सरकार से कुछ निर्यात शुल्क पर तत्काल हस्तक्षेप करने का सोमवार को आग्रह किया। बीआरएफईडीएफ ने इन शुल्क को मनमाना और अपारदर्शी करार दिया जिससे कई व्यापारियों के लिए निर्यात व्यावसायिक रूप से अव्यवहार्य हो गया है।

मंच के अनुसार, युद्ध-जोखिम अधिभार 800 डॉलर से 6,000 डॉलर प्रति कंटेनर तक रहा है, जो अक्सर बिना पूर्व सूचना के लगाया जाता है या माल भेजे जाने के बाद संशोधित किया जाता है। कुछ मामलों में कुल शुल्क माल के मूल्य के 60 से 70 प्रतिशत तक होता है। बीआरएफईडीएफ की चेयरपर्सन

प्रियंका मित्तल ने एक बयान में कहा कि निर्यातकों से उन परिस्थितियों के लिए असीमित वित्तीय बोझ उठाने को कहा जा रहा है जिन पर उनका कोई नियंत्रण नहीं है।

पश्चिम एशिया संकट के कारण शिपिंग कंपनियों ने एकतरफा रूप से माल को जेबेल अली (संयुक्त अरब अमीरात), सोहर तथा सलालाह (ओमान) जैसे बंदरगाहों की ओर मोड़ दिया है। कंटेनर को 'ट्रांसशिपमेंट' केंद्रों पर आगे की आवाजाही की स्पष्टता के बिना रोक दिया है और कुछ मामलों में उन्हें मूल बंदरगाहों पर वापस भेज दिया है। निर्यातकों का कहना है कि इन फैसलों की पूरी वित्तीय लागत उन्हें ही उठानी पड़ रही है जबकि इन पर उनका कोई नियंत्रण नहीं है।

बीआरएफईडीएफ ने मांग की कि मंत्रालय शुल्क को केवल दी गई सेवाओं से जोड़े, शिपिंग कंपनियों को विवादित शुल्क से जोड़कर कंटेनर रोकने के बजाय उन्हें जारी करने के लिए बाध्य करे और भू-राजनीतिक व्यवधानों के दौरान माल ढुलाई के लिए स्पष्ट नियामकीय दिशानिर्देश बनाए।

मंच ने स्वीकार किया कि भारत के महानिदेशालय शिपिंग ने निर्यातकों की शिकायतों को औपचारिक रूप से दर्ज किया है और उन्हें अंतर-मंत्रालयी समूह को भेजने के लिए 'ट्रैकिंग नंबर' दिए हैं लेकिन जमीनी स्थिति अब भी बेहद चुनौतीपूर्ण बनी हुई है।

वेदान्ता के बिजली संयंत्र में विस्फोट दुःखद : अग्रवाल

नई दिल्ली, एजेंसी

- संचालन और रखरखाव का जिम्मा एनटीपीसी-जीई के पास

वेदांता लिमिटेड के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने सोमवार को कहा कि छत्तीसगढ़ के बिजली संयंत्र में हुआ विस्फोट एक दुःखद घटना है और उनके लिए व्यक्तिगत क्षति है। घटना के लगभग दो सप्ताह बाद उन्होंने यह भी कहा कि संयंत्र के संचालन एवं रख-रखाव (ओएंडएम) की पूरी जिम्मेदारी एनटीपीसी और जीई की संयुक्त उद्यम एनजीएसएल को सौंपी गई थी।

अग्रवाल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि हमारे एथेना संयंत्र में हमने सुरक्षा के उच्चतम मानक लागू किए थे। संचालन एवं रखरखाव की पूरी जिम्मेदारी एनजीएसएल को दी गई थी जो एनटीपीसी एवं जीई के बीच साझेदारी है और भारत की सबसे भरोसेमंद संस्थाओं में एक मानी जाती है। ठेकेदार, दल और तकनीकी विशेषज्ञता...सभी उन्हीं के थे। इसी भरोसे पर हमने संयंत्र का संचालन और रखरखाव उन्हें सौंपा था। फिर भी यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई।

उन्होंने वाहन मालिक के भरोसेमंद चालक को गाड़ी सौंपने से तुलना करते हुए कहा कि कभी-कभी सभी सावधानियों के बावजूद हादसे हो जाते हैं।गौरतलब है कि 14 अप्रैल को छत्तीसगढ़ के सिंहितराई गांव स्थित वेदांता के बिजली संयंत्र में बॉयलर की स्टील ट्यूब में विस्फोट हुआ था। इसमें 25 मजदूरों की मौत हो गई और कई अन्य गंभीर रूप से झुलस गए। वेदांता ने मृतकों के परिजन को 35 लाख रुपये एवं रोजगार तथा घायलों को 15 लाख रुपये देने की घोषणा कर दी है।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव महासंग्राम

अमित शाह ने किया रोड शो, बोले- दीदी के गुंडों से डरे बिना करें मतदान

कोलकाता, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद कम से कम दो महीने तक केंद्रीय सुरक्षा बल तैनात रहेंगे। शाह ने मतदाताओं से कहा कि वे अंतिम चरण में 'दीदी के गुंडों' के डर के बिना मतदान करें।

उनकी यह टिप्पणी चुनाव के बाद संभावित हिंसा रोकने के लिए केंद्र की प्रतिबद्धता का संकेत देती है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे एवं अंतिम चरण के मतदान के लिए चुनाव प्रचार के आखिरी दिन एक सभा को संबोधित करते हुए शाह ने ये बातें कहीं। इससे पहले शाह ने बेहला में एक रोड शो किया, जहां बुधवार को मतदान होगा।

पश्चिम बंगाल की 294-सदस्यीय विधानसभा के लिए पहले चरण के चुनाव में 23 अप्रैल को 152 सीटों पर मतदान हुआ था। पहले चरण में रिकॉर्ड 93 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। वोटों की गिनती चार मई को होगी।

शाह ने कहा-भाइयो और बहनो, 29 तारीख को जाकर वोट डालिए, दीदी (ममता बनर्जी) के गुंडों की चिंता मत कीजिए। निर्वाचन आयोग ने हर जगह केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल को तैनात कर रखा है, और मैं आपको बता रहा हूं कि भले ही चुनाव के बाद भाजपा सत्ता में आ जाए, केंद्रीय बल अगले 60 दिनों तक यहां मौजूद रहेंगे।' यह रोड शो बेहला पूर्व और बेहला पश्चिम सीटों के भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन में प्रचार के अंतिम दिन आयोजित किया गया, जिससे दक्षिण कोलकाता का यह इलाका भगवा रंग में रंग गया।

प. बंगाल के बेहाला पश्चिम में रोड शो करते गृह मंत्री अमित शाह। **फोटो : शुभंकर चक्रवर्ती**

दूसरे चरण के चुनाव के दौरान समूह में बाइक यात्रा पर रोक

कोलकाता, एजेंसी

- हाईकोर्ट ने कहा-मतदान से दो दिन पहले और 29 अप्रैल को कैसी भी मोटरसाइकिल रैली या समूह में बाइक चलाना प्रतिबंधित रहेगा

कलकत्ता उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने राज्य में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए समूह में बाइक यात्रा करने पर सोमवार को प्रतिबंध लगा दिया। न्यायमूर्ति शंपा सरकार की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने एकल पीठ के 20 अप्रैल के आदेश में संशोधन करते हुए इसमें "समूह में बाइक यात्रा करने पर रोक" को शामिल कर दिया।

खंडपीठ ने निर्देश दिया कि मतदान से दो दिन पहले और 29 अप्रैल को मतदान के दिन किसी भी तरह की मोटरसाइकिल रैली या समूह में बाइक चलाना प्रतिबंधित रहेगा। उसने स्पष्ट किया कि एकल पीठ के आदेश का बाकी हिस्सा अपरिवर्तित रहेगा। एकल पीठ ने आदेश दिया था कि मतदान के दिन से 12 घंटे पहले चिकित्सा आपात स्थिति/पारिवारिक समारोह या स्कूल के बच्चों को छोड़ने/लेने जैसे अन्य आवश्यक कार्यों को छोड़कर, मोटरसाइकिल पर पीछे बैठकर सवारी करने की अनुमति नहीं होगी। एकल पीठ ने यह भी कहा था कि मतदान के उद्देश्य से और चिकित्सा आपातकाल या पारिवारिक समारोह आदि जैसे अन्य आवश्यक कार्यों के लिए सुबह छह बजे से शाम छह बजे तक मोटरसाइकिल पर परिवार के सदस्यों को पीछे बैठाकर यात्रा करने की अनुमति होगी।

ममता बनर्जी ने दक्षिण कोलकाता में किया रोड शो, मांगा जनसमर्थन

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए प्रचार समाप्त होने से कुछ घंटे पहले, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार दोपहर को दक्षिण कोलकाता में रोड शो किया।

तृणमूल कांग्रेस प्रमुख के साथ पार्टी की राज्यसभा सदस्य सागरिका घोष और टॉलीगंज और रासबिहारी से उम्मीदवार क्रमशः अरूप बिस्वास और देबाशीष कुमार भी थे। सड़क किनारे, छतों और बालकनी में इंतजार कर रहे लोगों ने बनर्जी का हाथ हिलाकर अभिवादन किया, जिन्होंने हाथ जोड़कर उनका जवाब किया और तेजी से आगे बढ़ती रहीं, जिससे उनकी पार्टी के साथियों को उनके साथ कदम मिलाकर चलने में मुश्किल हो रही थी। मुख्यमंत्री भवानीपुर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रही हैं, जहां उनका मुकाबला भाजपा के उनके कट्टर प्रतिद्वंद्वी शुभेंदु अधिकारी से है, जिन्होंने 2021 के चुनावों में नंदीग्राम में उन्हें हराया था। इसके बाद बनर्जी भवानीपुर से उपचुनाव में निर्वाचित हुईं।यादवपुर क्षेत्र के सुकांत सेतु से शुरू हुआ यह रोड शो, उनके कालीघाट स्थित आवास के पास से गुजरते हुए गोपालनगर चौराहे पर समाप्त होना था। सड़कें तृणमूल कांग्रेस के झंडे, बनर्जी के कटआउट से पटी थीं।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता में रोड शो कर मांगा समर्थन। **फोटो : अमृत विचार**

शुभेंदु अधिकारी की उम्मीदवारी रद्द करने की मांग वाली जनहित याचिका खारिज

कोलकाता,एजेंसी। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने सोमवार को एक जनहित याचिका खारिज कर दी, जिसमें भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी की भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवारी रद्द करने की मांग की गई थी।

पश्चिम बंगाल की इस सीट पर दूसरे चरण में 29 अप्रैल को मतदान होना है। भवानीपुर सीट पर अधिकारी का मुकाबला मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी से है। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया था कि अधिकारी ने कुछ ऐसी टिप्पणियां की हैं जो देश के धर्मनिरपेक्ष ढांचे के खिलाफ हैं, इसलिए उनकी उम्मीदवारी रद्द की जानी चाहिए।

हालांकि, अदालत के इस सवाल पर याचिकाकर्ता कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका कि संविधान के किस प्रावधान के तहत उनकी उम्मीदवारी रद्द की जा सकती है। मुख्य न्यायाधीश सुजॉय पॉल की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने याचिका को सुनवाई के लिए स्वीकार करने से इनकार करते हुए खारिज कर दिया।

अधिकारी के वकील बिल्वादल भट्टाचार्य ने दावा किया कि यह याचिका राजनीतिक उद्देश्य से दायर की गई है, ताकि भवानीपुर से अधिकारी की उम्मीदवारी को प्रभावित किया जा सके।

प्रचार के साथ थम गया आरोप-प्रत्यारोप और वादों का दौर

कोलकाता,एजेंसी

- भाजपा और तृणमूल कांग्रेस ने झोंकी पूरी ताकत
- 152 सीटों पर 29 अप्रैल को मतदान, 4 मई को होगी मतगणना

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे और आखिरी चरण के लिए प्रचार सोमवार शाम थम गया।

इस दौरान मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर), घुसपैठ, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी सहित अन्य मुद्दों को लेकर सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने एक-दूसरे पर तीखे आरोप लगाए तथा मतदाताओं से कई लुभावने वादे किए। दूसरे चरण में राज्य के 142 विधानसभा क्षेत्रों में 29 अप्रैल को मतदान होगा, जिसमें 1,64,35,627 पुरुष, 1,57,37,418 महिलाओं और 792 तृतीय-लिंग के मतदाताओं समेत कुल 3,21,73,837 मतदाता मतदान के पात्र हैं। पहले चरण में 152 सीट पर चुनाव के लिए मतदान 23 अप्रैल को हुआ था, जिसमें रिकॉर्ड 93.19 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाले थे। दूसरे चरण के लिए धुआंधार प्रचार अभियान के दौरान भाजपा नेताओं ने तृणमूल कांग्रेस पर पश्चिम बंगाल को घुसपैठियों का अड्डा बनाने का आरोप लगाया। वहीं, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दावा किया कि भाजपा विभाजनकारी राजनीति में लिप्त है। वह राज्य को बांटने का प्रयास कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सहित अन्य शीर्ष नेताओं ने चुनाव प्रचार के दौरान कानून-व्यवस्था में गिरावट, महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध, राजनीतिक हिंसा, घुसपैठ और भ्रष्टाचार को लेकर तृणमूल को घेरा।

वर्ल्ड ब्रीफ

अगले महीने नेपाल का दौरा कर सकते हैं विदेश सचिव मिसरी

काठमांडू। विदेश सचिव विक्रम मिसरी अगले महीने नेपाल की यात्रा पर जा सकते हैं। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को बताया कि मार्च में बालेंद्र शाह के नेतृत्व वाली सरकार के गठन के बाद भारत की ओर से यह पहली उच्च स्तरीय यात्रा होगी। नेपाल के विदेश मंत्रालय के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, यह दौरा मई के पहले पखवाड़े में होने की उम्मीद है। मिसरी की यात्रा के दौरान द्विपक्षीय संबंधों और भारत द्वारा वित्तपोषित परियोजनाओं की समीक्षा एजेंडा में शामिल होगी। इस महीने की शुरुआत में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मॉरीशस में नेपाली समकक्ष शिशिर खनाल से मुलाकात की, जहां उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों और सहयोग पर चर्चा की थी।

दिनेश त्रिवेदी बांग्लादेश में भारत के उच्चायुक्त नियुक्त

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री दिनेश त्रिवेदी को सोमवार को बांग्लादेश में भारत का अगला उच्चायुक्त नियुक्त किया गया। दोनों देशों के बीच संबंधों में सुधार की कोशिशों के बीच त्रिवेदी की नियुक्ति का फैसला लिया गया है। मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के दौरान दोनों देशों के संबंध काफी तनावपूर्ण हो गए थे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि त्रिवेदी जल्द ही कार्यभार संभालेंगे। वह प्रणय वर्मा का स्थान लेंगे जिन्हें बेल्जियम और यूरोपीय संघ में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया है। अगस्त 2024 में शेख हसीना सरकार के पतन और यूनुस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार बनने के बाद भारत और बांग्लादेश के बीच संबंधों में काफी गिरावट आई थी।

मादक पदार्थों तस्करी के शक नौका पर हमला, तीन की मौत

वाशिंगटन। अमेरिकी सेना ने मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल होने के संदेह में पूर्वी प्रशांत महासागर में एक नौका पर गोलीबारी की जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई। ट्रंप प्रशासन ने लातिनी अमेरिकी जल क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ पिछले साल सितंबर में अभियान शुरू किया था और इसके तहत अब तक 186 लोग मारे गए हैं। अमेरिकी दक्षिणी कमान ने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें एक नौका विस्फोट से पहले पानी में तेजी से बढ़ती हुई दिख रही है और फिर वह आग की लपटों में घिर जाती है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि लातिनी अमेरिका क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल गिरोहों के खिलाफ अमेरिका सख्त कार्रवाई करता रहेगा।

उठ रहे हैं सवाल... हमला ट्रंप की गिरती लोकप्रियता को बचाने का प्रयोग तो नहीं

हमले को अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर से प्रायोजित होने का शक जता रहे हैं विरोधी, सोशल मीडिया पर भी गूंज रहे हैं साजिश के आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी

व्हाइट हाउस की ओर से पत्रकारों के लिए आयोजित रात्रिभोज के दौरान 25 अप्रैल को चली गोलियां हत्या की एक कोशिश थी या राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की गिरती साख को बढ़ाने के लिए किया गया एक प्रायोजित प्रयास, इसको लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। सबसे गंभीर सवाल यह है कि सुरक्षा घेरे को तोड़ने के बाद हमलावर अंदर कैसे घुसा, इसका अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है।

जांचकर्ताओं का कहना है कि हमलावर 31 वर्षीय कोल टॉमस एलेन होटल में एक मेहमान के रूप में रह रहा था, जिससे उसे होटल के सामान्य बाहरी घेरे को पार करने की अनुमति मिल गई। बार कार्ट के लिए इस्तेमाल होने वाले पास के एक स्टोरेज रूम से निकला और शॉटगन, एक सेमी-ऑटोमैटिक हैंडगन और कई चाकुओं के साथ सीक्रेट सर्विस चेकपॉइंट की ओर झपटा। एलेन ने एक सीक्रेट सर्विस एजेंट पर गोली चलाई जिसने बुलेटप्रूफ जैकेट पहन रखी थी। सुरक्षाकर्मियों ने एलेन पर काबू पा लिया, इस दौरान उसके घुटने में चोट भी आई। यह हमला ऐसे समय में हुआ जब अमेरिका-ईरान युद्ध के बाद ट्रंप की लोकप्रियता में भारी गिरावट आई है। इसी लिहाज से ट्रंप के कुछ विरोधी इसे ट्रंप प्रशासन की घटती लोकप्रियता को बढ़ाने के लिए एक प्रायोजित हमला करार दे रहे हैं।

अप्रैल की रेटिंग ट्रंप की लोकप्रियता को उनके पिछले कार्यकाल की तुलना में कम बताती है, जो वर्तमान में ईरान युद्ध और महंगाई के कारण 30 से 37 प्रतिशत के बीच रह गई है। सहानुभूति बटोरने या व्हाइट हाउस बॉलरूम प्रोजेक्ट के लिए समर्थन जुटाने के लिए हमले के प्रायोजित होने का दावा करने वाले षड्यंत्र के सिद्धांत भी सोशल मीडिया पर प्रसारित होने लगे हैं। हालांकि, एफबीआई और न्याय विभाग सहित कानून प्रवर्तन एजेंसियां इस घटना की जांच राजनीतिक हिंसा के कृत्य के रूप में कर रही हैं। प्रारंभिक जांच के बाद बताया गया है कि हमलावर का इरादा ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों को निशाना बनाना था। एलेन के नाम से लिखे गए घोषणापत्र सहित अन्य लेखों में ट्रंप प्रशासन की नीतियों की आलोचना की गई थी। हालांकि अधिकारी षड्यंत्र के सिद्धांत को खारिज कर चुके हैं। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि संदिग्ध हमलावर होटल में एक पंजीकृत मेहमान के रूप में रह था।

इस बार नहीं रुकी लोकप्रियता में गिरावट, महंगाई और ईरान युद्ध भारी

आंकड़ा बताता है कि उनकी रेटिंग को नीचे खींचने वाले मुद्दे विशेष रूप से अमेरिका-ईरान युद्ध और घरेलू महंगाई उनकी लोकप्रियता पर ज्यादा भारी पड़ रहे हैं। अप्रैल के मध्य के हमले से पहले के पोल उनकी स्वीकृति को 30 और 37 प्रतिशत के बीच दिखा रहे थे, सार्वजनिक अस्वीकृति हाल ही में 58 प्रतिशत के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गई थी। हालांकि, 2024 की घटना के उलट वर्तमान रेटिंग से पता चलता है कि ताजा हमले के बाद भी ट्रंप की लोकप्रियता में कोई उछाल नहीं आया है।

- **2024 के हमले के बाद बढ़ी थी लोकप्रियता**

  2024 के हत्या के प्रयास के बाद, ट्रंप ने अपने मतदान और रेटिंग में महत्वपूर्ण उछाल का अनुभव किया था। एबीसी न्यूज के एक पोल के अनुसार, 2024 की शूटिंग के बाद के सप्ताह में ट्रंप की लोकप्रियता बढ़कर 40 प्रतिशत हो गई थी, जो 30 प्रतिशत से एक महत्वपूर्ण छलांग थी। यह चार साल में उनकी सबसे ऊंची रेटिंग थी।

बॉलरूम प्रोजेक्ट के लिए हमले को कैश करने की कोशिश

ट्रंप ने इस घटना का इस्तेमाल अपने 400 मिलियन अमेरिकी डॉलर के व्हाइट हाउस बॉलरूम प्रोजेक्ट की मंजूरी के लिए दबाव बनाने के लिए भी किया है। ट्रंप ने कहा कि यही वजह है कि अमेरिकी सेना, सीक्रेट सर्विस और 150 वर्षों से हर राष्ट्रपति मांग कर रहे हैं कि व्हाइट हाउस के मैदान में सुरक्षित बॉलरूम बनाया जाए।

जस्टिस स्वर्णकांता की अदालत में पेश होने से केजरीवाल का इन्कार

आबकारी मामले की सुनवाई से नहीं हटने पर आप प्रमुख का जवाबी फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी

आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने आबकारी मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय की न्यायाधीश स्वर्ण कांता शर्मा के समक्ष पेश होने से इन्कार कर दिया है। उन्होंने न्यायाधीश को पत्र लिखकर कहा है कि वह उनके समक्ष न तो व्यक्तिगत रूप से पेश होंगे और न ही वकील की मार्फत। केजरीवाल ने चार पन्नों के इस पत्र में न्याय न मिलने की ओर इशारा करते हुए कहा कि इस मामले को लेकर उनकी गंभीर चिंताएं हैं। केजरीवाल ने एक्स पर एक वीडियो संदेश भी पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने कहा कि उनकी लड़ाई जीत या हार के बारे में नहीं है, बल्कि सही और गलत के बारे में है।

केजरीवाल ने यह भी कहा कि वह इस मामले में न्यायमूर्ति शर्मा की ओर से पूर्व में दिए गए आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी कर रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, लोग मुझसे पूछ सकते हैं कि यदि मैं मामले की सुनवाई से खुद को अलग नहीं करने संबंधी उनके आदेश से खुश नहीं हूं तो मैं सुप्रीम कोर्ट क्यों नहीं जाता। मैं उसके लिए तैयारी कर रहा हूं, यह बहुत संवेदनशील मामला है। केजरीवाल ने कहा, कानून, सम्मान और न्यायपालिका में जनता के भरोसे को ध्यान में रखते हुए, मैं एक बार में एक ही कदम उठा रहा हूं। मैं यह कदम अहंकार, विद्रोह या न्यायपालिका के अपमान के तौर पर नहीं हूं। उन्होंने पत्र में लिखा, मैंने तय किया है कि इस मामले में आगे की कार्यवाही में मैं भाग नहीं लूंगा।

केजरीवाल ने जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा को लिखा है, न्याय न केवल होना चाहिए, बल्कि होता हुआ दिखना भी चाहिए। यह सिद्धांत लोकतंत्र में न्यायालय की नागरिकों को सबसे मूलभूत गारंटियों में से एक है। महात्मा गांधी के दिखाए रास्तों और सत्याग्रह के सिद्धांतों का उल्लेख करते हुए केजरीवाल ने कहा कि उनका मकसद न्यायपालिका को मजबूत करना और उसे कमजोर होने से बचाना है। आप प्रमुख ने कहा कि न्यायमूर्ति शर्मा को मामले की सुनवाई से अलग किए जाने संबंधी उनकी याचिका को व्यक्तिगत हमले के रूप में लिया गया। उन्होंने लिखा, इस फैसले के बाद मुझे यह दुखद एहसास हुआ कि जिसे मैंने आशंका की एक वैध कानूनी दलील के रूप में रखा था, उसे माननीय न्यायाधीश महोदया पर व्यक्तिगत हमले और संस्था पर आक्रमण के रूप में देखा गया।

शक... इस अदालत में निष्पक्ष सुनवाई असंभव

केजरीवाल ने पत्र में कहा कि अब न्यायमूर्ति शर्मा की अदालत में निष्पक्ष सुनवाई होना असंभव हो गया है। केजरीवाल ने न्यायमूर्ति शर्मा को सुनवाई से अलग करने संबंधी याचिका में पहले बताए गए दो आधार को भी दोहराया। उन्होंने लिखा, पहला, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े संगठन अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद के मंच पर बार-बार सार्वजनिक रूप से भागीदारी का मुद्दा। इसके साथ केजरीवाल ने यह भी रेखांकित किया कि न्यायमूर्ति शर्मा की संतान केंद्र सरकार के कई अधिवक्ता पैनल में पेशेवर रूप से जुड़े हुए हैं। कार्यवाही के दौरान के अपने व्यक्तिगत अनुभव को याद करते हुए दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने न्यायपालिका में जनता के भरोसे पर इस मामले के व्यापक असर को लेकर चिंता जताई और साथ ही यह भी कहा कि वह न्यायपालिका का पूरा सम्मान करते हैं।

बोले- अंतरात्मा की आवाज पर फैसला नतीजे के लिए तैयार

केजरीवाल ने कहा कि यह फैसला उन्होंने अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनकर लिया है और वह इसके नतीजे भुगतने को तैयार हैं। उन्होंने लिखा, हो सकता है कि इससे मेरे अपने कानूनी हितों को नुकसान पहुंचे। मुझे पता है कि इस अदालत के समक्ष अपनी दलीलें रखने का मौका मैं गंवा सकता हूं और गंभीर अंजाम भी भुगतने पड़ सकते हैं। मैं इसके लिए तैयार हूं। उन्होंने लिखा, मेरी आपत्ति उच्च न्यायालय या व्यापक न्यायिक व्यवस्था से नहीं है। आपत्ति केवल इस बात से है कि यह मामला न्यायमूर्ति शर्मा के समक्ष ऐसे हालात में जारी है जहां गंभीर और अनसुलझे सवाल और परिस्थितियां उनके निष्पक्ष न्याय कर सकने पर जनता में गहरा संदेह पैदा कर रही हैं।

कनाडा में सिख पर हमला, कहा- मेरे देश से निकल जाओ

टोरंटो। कनाडा में एक युवक ने एक बुजुर्ग सिख व्यक्ति पर हमला कर दिया और नस्लवादी टिप्पणियां करते हुए कहा- मेरे देश से बाहर निकल जाओ। इस घटना के बाद पुलिस ने इसे घृणा से प्रेरित हमला मानते हुए जांच शुरू कर दी है।

वुडस्टॉक पुलिस के मुताबिक घटना 22 अप्रैल को ओंटारियो के वुडस्टॉक में हुई। बुजुर्ग फुटपाथ पर चल रहे थे तभी एक युवक ने उन्हें धक्का दे दिया। युवक ने पीड़ित को उनकी नस्लीय पहचान के आधार पर निशाना बनाया और टिप्पणियां की व अपशब्द कहे। जांच में पाया गया कि युवक ने बिना किसी उकसावे के बुजुर्ग पर हमला किया। हमले के बाद युवक टर्टल आइलैंड स्कूल की बाड़ फांदकर परिसर में घुस गया और फिर वहां से निकल भागा। पुलिस ने बताया, जांच के बाद घृणा से प्रेरित हमले के आरोप में युवक को गिरफ्तार कर लिया गया। जमानत सुनवाई तक उसे हिरासत में रखा गया है।

जिहादियों के हमले में मारे गए माली के रक्षा मंत्री

डाकार (सेनेगल), एजेंसी

- **विद्रोहियों ने अलग-अलग इलाकों में हमला कर कई शहरों और सैन्य अड्डों पर किया कब्जा**

माली में जिहादियों और विद्रोहियों के एक बड़े और सुनियोजित हमले में देश के रक्षा मंत्री जनरल सादियो कमारा की मौत हो गई। विद्रोहियों ने कई शहरों और सैन्य अड्डों पर कब्जा कर लिया। यह जुंटा के शासन वाले इस देश में हिंसा की ताजा घटना है। माली लंबे समय से अल-कायदा और इस्लामी स्टेट से जुड़े आतंकवादियों के साथ-साथ उत्तर में अलगाववादी विद्रोह से जूझ रहा है।

माली सरकार ने रक्षा मंत्रालय के फेसबुक पेज पर एक पोस्ट करके रक्षा मंत्री के मारे जाने की पुष्टि की और उनके परिवार के प्रति संवेदना जताई। शनिवार को माली की राजधानी बमाको और कई अन्य शहरों पर एक साथ हमला हुआ जो देश की सेना पर अब तक के सबसे बड़े हमलों में से एक था। इस हमले ने माली के सुरक्षा साझेदार रूस को भी चुनौती दी, जिसके सैनिक इस पश्चिम अफ्रीकी देश में तैनात हैं।

सरकार ने शनिवार के हमलों में मारे गए लोगों की संख्या अभी तक नहीं बताई है। पहले केवल यह कहा गया था कि 16 लोग घायल हुए हैं। सरकार ने इसे आतंकी हमला करार दिया है।

सरकार की ओर से जारी बयान के अनुसार, शनिवार को कमारा के आवास को आत्मघाती कार बम हमलावर और अन्य हमलावरों ने निशाना बनाया। उन्होंने हमलावरों से लोहा लिया और कुछ को मार गिराया। भीषण हमले में वह घायल हो गए और जब उन्हें अस्पताल ले जाया जा रहा था तो रास्ते में ही दम तोड़ दिया।

पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन 31 जुलाई तक होंगे

नई दिल्ली। कला, साहित्य , शिक्षा, खेल, चिकित्सा, समाज सेवा, विज्ञान-इंजीनियरिंग, लोक कार्य, सिविल सेवा, व्यापार एवं उद्योग क्षेत्रों में विशिष्ट तथा असाधारण उपलब्धियों के लिए दिए जाने वाले पद्म पुरस्कारों के नामांकन और सिफारिश 31 जुलाई तक की जा सकती है।

प्रत्येक वर्ष गणतंत्र दिवस पर घोषित किए जाने वाले पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन या सिफारिशें भेजने की प्रक्रिया 15 मार्च से शुरू हो गई हैं। नामांकन और सिफारिशें राष्ट्रीय पद्म पुरस्कार पोर्टल पर केवल ऑनलाइन की जा सकती हैं। महिलाओं, समाज के कमजोर वर्गों, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों, दिव्यांग व्यक्तियों और समाज के लिए निस्वार्थ सेवा कर रहे लोगों में से ऐसे लोगों की पहचान के प्रयास किए जा सकते हैं जिनकी उपलब्धियां वास्तव में पहचाने जाने योग्य हैं।

समुद्र का काला कोना जहां घुटने टेक देता है विज्ञान

हम अक्सर अंतरिक्ष की बात करते हैं, लेकिन यह कम ही लोगों को पता है कि हमारे अपने पैरों के नीचे यानी समुद्र की गहराइयों में एक अलग ही ब्रह्मांड बसता है।

यह समुद्र का वह काला कोना है जहां विज्ञान भी घुटने टेक देता है। सामान्य भाषा में हम इसे पाताल के नाम से जानते हैं जिसे किसी ने नहीं देखा है और जहां सूरज की रोशनी भी जाने से डरती है। असल में, पृथ्वी का 70 प्रतिशत हिस्सा पानी ही है, लेकिन वैज्ञानिकों ने मंगल और चंद्रमा का नक्शा समुद्र के तल से कहीं बेहतर बनाया है। समुद्र का 80 प्रतिशत हिस्सा आज भी अनकहा और अनसुना है।

कैसी है पाताल की दुनिया

पाताल में रहने वाले एलियंस

- गहरे समुद्र में रहने वाले जीव किसी दूसरी दुनिया के प्राणियों जैसे दिखते हैं। चूंकि वहां 24 घंटे अंधेरा रहता है, इसलिए प्रकृति ने उन्हें अजीबोगरीब शक्तियां दी हैं।
- यहां जीव खुद अपनी रोशनी पैदा करते हैं। कुछ तरह की मछलियां अपने सिर पर कुदरती लालटेन लेकर चलती हैं तो कुछ अंधेरे में नीली रोशनी से चमकती हैं।
- कई जीव कांच की तरह पारदर्शी होते हैं ताकि शिकारियों को दिखाई न दें। कुछ जीवों की आंखें ही नहीं होतीं, वे सिर्फ कंपन और रसायनों से शिकार का पता लगाते हैं।

दबाव ऐसा कि लोहा भी पिचक जाए

जैसे-जैसे आप नीचे जाते हैं, पानी का वजन आप पर बढ़ता जाता है। समुद्र के सबसे गहरे बिंदु को मारियाना ट्रेंच के नाम से जाना जाता है जहां इतना अधिक दबाव होता है जो एक इंसान के ऊपर 50 जंबो जेट विमान रखने के बराबर है। वहां एक साधारण पनडुब्बी भी डिब्बे की तरह पिचक सकती है।

अनसुलझे रहस्य

समुद्र की अनंत गहराई में केवल जीव नहीं, ऐसी आवाजें और घटनाएं भी कैद हैं जिनका जवाब आज तक किसी वैज्ञानिक के पास नहीं है।

- द ब्लूप... 1997 में समुद्र के भीतर एक ऐसी शक्तिशाली आवाज रिकॉर्ड की गई जो हजारों किलोमीटर दूर तक सुनी गई। वैज्ञानिकों का मानना था कि यह किसी विशाल जीव की आवाज है, जो ब्लू व्हेल से भी कई गुना बड़ा हो सकता है। हालांकि बाद में इसे बर्फ के टूटने की आवाज कहा गया, लेकिन कई लोग आज भी मानते हैं कि नीचे कुछ बहुत विशाल और जीवित छिपा है।

पाताल की नदियां और ज्वालामुखी

- सुनने में अजीब लगता है, लेकिन वैज्ञानिक अनुमान है कि समुद्र के तल पर भी नदियां और झीलें होती हैं। इनका पानी इतना खारा और घना होता है कि यह बाकी समुद्री पानी में नहीं मिलता और नीचे अपनी अलग धारा बनाता है।
- समुद्र के फर्श पर ऐसी दरारें हैं जहां से उबलता हुआ जहरीला पानी और रसायनों का धुआं निकलता है। जहां जीवन नामुमकिन होना चाहिए, वहां बैक्टीरिया और केकड़े पनपते हैं जो रोशनी के बिना केवल रसायनों से ऊर्जा बनाते हैं।

गायब होते जहाज और शहर

द्वारका से अटलांटिस तक ऐसी कई प्राचीन सभ्यताओं के अवशेष आज भी समुद्र की गोद में दबे हैं। अनुमान है कि गहराई में रहने वाले जीवों ने इनमें अपना घर बना लिया होगा।

एक पूरी परग्रही दुनिया हमारे ठीक नीचे मौजूद है। वैज्ञानिक अंतरिक्ष की अनंतता तो माप रहे हैं, लेकिन इस रहस्यमयी नीले अंधेरे को पूरी तरह नहीं जान पाए।

पश्चिमी देशों में परमाणु हथियारों की तैनाती पर रूस ने जताई गहरी चिंता

मास्को। रूस ने पश्चिमी देशों के अपने क्षेत्रों में परमाणु हथियार तैनात करने की बढ़ती होड़ पर गहरी चिंता व्यक्त की है और चेतावनी दी है कि यह रुझान भविष्य में और तेजी से बढ़ सकता है। परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) समीक्षा सम्मेलन में रूसी प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख और रूसी विदेश मंत्रालय के एंबेसडर एट लार्ज आंद्रेई बेलौसोव ने एक साक्षात्कार में कहा कि रूस एनपीटी के संदर्भ में कई मुद्दों को लेकर गंभीर रूप से चिंतित है।

बेलौसोव के अनुसार, पश्चिम के देशों में एक ऐसा चलन देखा जा रहा है जो जल्द ही हिमस्खलन जैसी वृद्धि में बदल सकता है। एनपीटी की 11वीं समीक्षा बैठक सोमवार से से 22 मई तक न्यूयॉर्क में आयोजित की जा रही है। बेलौसोव ने कहा, गैर परमाणु पश्चिमी देशों में तैनाती करने की मांग की जा रही है। नाटो के संयुक्त परमाणु मिशनों और विस्तारित या अग्रिम परमाणु निवारण (न्यूक्लियर डिटरेंस) की योजनाएं गहरी अस्थिरता पैदा करने वाली और एनपीटी को नुकसान पहुंचाने वाली हैं। रूसी राजनयिक ने यूरोपीय संघ (ईयू) को परमाणु क्षमता संपन्न बनाने की कोशिश और इसके गैर-परमाणु सदस्य देशों द्वारा खुद के परमाणु हथियार हासिल करने की दिशा में बढ़ने की संभावना पर भी चिंता जताई।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष – आज आपको गुप्त शत्रुओं से भय हो सकता है। आपको शुभ समाचार मिल सकते हैं। राजनीति से जुड़े लोगों को मान-सम्मान प्राप्त होगा।

तुला – आज काम की उलझनों के कारण आप कुछ परेशान रहेंगे। अपरिचित लोगों से अधिक मेलजोल न रखें। बच्चों की पढ़ाई पर ध्यान दें।

वृष – आज आपकी मन:स्थिति कुछ विचलित हो सकती है। मांगलिक कार्य की योजना बनाएंगे। अपने खानपान को संयमित रखें।

वृश्चिक – आज दिखावे के लिए धन खर्च कर सकते हैं। उच्च अधिकारी आपका प्रोत्साहन बढ़ाएंगे। अव्यावहारिक लक्ष्य प्राप्त करने का प्रयास करेंगे।

मिथुन – आज आप अत्यंत निष्ठापूर्वक कार्य करेंगे। शत्रुओं के ऊपर विजय मिलेगी। महिलाओं का स्वास्थ्य बहुत अच्छा रहेगा।

धनु – आज सरकारी कार्यों में रुकावट आ सकती है। काम की उलझनों के कारण आप फंस सकते हैं। आपकी कार्यकुशलता में वृद्धि होगी।

कर्क – आज दिनचर्या में कुछ परिवर्तन कर सकते हैं। पारिवारिक जीवन अत्यंत सुखद रहेगा। विदेश यात्रा में आ रही रुकावट दूर होगी।

मकर – आज नई नौकरी शुरू करने के लिए समय उत्तम है। कारोबार में बड़ा लाभ प्राप्त होगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रदर्शन उत्कृष्ट रहेगा।

सिंह – आज व्यापार में बेहतरीन अवसर मिल सकते हैं। जोड़ों में दर्द की शिकायत हो सकती है। अनैतिक कार्यों से आपको दूर रहना चाहिए।

कुंभ – आज अनावश्यक खर्चों की चिंता मन में रहेगी। अधीनस्थ कर्मचारियों पर अधिक विश्वास न करें। दूसरों की भावनाओं का ध्यान रखें।

कन्या – आज पुराने मामलों का निपटारा हो सकता है। धन से जुड़े मामलों को लेकर भाग्यशाली रहेंगे। घर के कार्यों में आपका मन नहीं लगेगा।

मीन – आज आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मन में नए-नए विचार उत्पन्न होंगे। अपनी सोच का दायरा विस्तृत रखें।

आज का पंचांग

-आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
astrompandey@gmail.com

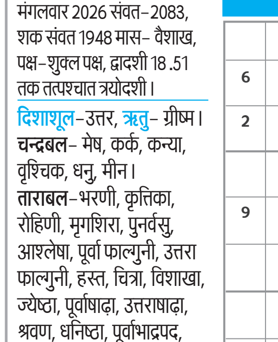

आज की ग्रह स्थिति : 28 अप्रैल, मंगलवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- वैशाख, पक्ष-शुक्ल पक्ष, द्वादशी 18.51 तक तत्पश्चात त्रयोदशी।

दिशाशूल-उत्तर, **ऋतु**- ग्रीष्म।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल-भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-उत्तराफाल्गुनी 22.36 तक तत्पश्चात हस्त।

सुडोकू - 132 का हल

3	2	5	1	9	7	6	4	8
4	7	8	2	5	6	9	1	3
9	1	6	3	8	4	5	2	7
7	6	3	9	1	5	4	8	2
2	5	4	7	6	8	3	9	1
8	9	1	4	2	3	7	5	6
1	4	9	6	3	2	8	7	5
6	8	2	5	7	9	1	3	4
5	3	7	8	4	1	2	6	9

सुडोकू -133

		7			9			6
6			5					
2					4			
	1			4	8			
9			3					8
			9	5				
			4		7			
	4				1			
7	2					3		

एम्स दिल्ली के अंतरिम निदेशक बने डॉ. निखिल टंडन

नई दिल्ली। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) दिल्ली ने एंडोक्रिनोलॉजी विभाग के प्रमुख एवं डीन (अकादमिक) डॉ. निखिल टंडन को तत्काल प्रभाव से संस्थान का अंतरिम निदेशक नियुक्त किया है।

डॉ. एम. श्रीनिवास के नीति आयोग के पूर्णकालिक सदस्य बनने के बाद यह व्यवस्था 6 महीने या नियमित नियुक्ति होने तक लागू रहेगी। डॉ. टंडन तब तक अंतरिम निदेशक के रूप में कार्य करते रहेंगे जब तक इस पद पर किसी नियमित व्यक्ति की नियुक्ति नहीं हो जाती। यह व्यवस्था एम्स नियम, 2019 के नियम 9(4) के तहत है।

ऐतिहासिक पहल

दोनों ने मुलाकात में जताया संकल्प, जटिल मतभेद दूर करने के प्रयास जारी रखेंगे

कल्पना से परे... कैंटरबरी की आर्चबिशप से मिले पोप लियो

वेटिकन सिटी, एजेंसी

पोप लियो 14वें ने सोमवार को वेटिकन में कैंटरबरी की आर्कबिशप सारा मुलाली के साथ प्रार्थना की और संकल्प जताया कि मतभेद चाहे कितने ही जटिल क्यों न हों, उन्हें दूर करने के प्रयास जारी रहेंगे। यह मुलाकात ऐतिहासिक मानी जा रही है, क्योंकि सारा मुलाली चर्च ऑफ इंग्लैंड की पहली महिला प्रमुख और वैश्विक एंग्लिकन कम्यूनियन की आध्यात्मिक नेता हैं।

ईसाई धर्म के इन दो प्रमुख धार्मिक नेताओं के बीच यह मुलाकात कुछ वर्ष पहले तक कल्पना से परे मानी जाती थी, खासकर महिलाओं के शीर्ष पद पर अभिषेक और मुलाली की नियुक्ति को लेकर दोनों चर्चों के बीच मतभेदों के कारण। पोप ने स्वीकार किया कि दोनों चर्चों के संबंधों में नए मुद्दे जुड़ गए हैं, जो पहले से मौजूद ऐतिहासिक मतभेदों के साथ जुड़े हुए हैं। इसके बावजूद उन्होंने पूर्व पोप परंपरा को जारी रखते हुए चर्चों के एकीकरण के प्रयास जारी रखने का वादा किया। एंग्लिकन चर्च 1534 में हेनरी अष्टम के समय रोम से अलग हो गया था, जब उनके विवाह को निरस्त करने से इन्कार कर दिया गया था। 1960 के दशक से औपचारिक धर्मशास्त्रीय संवाद शुरू होने के बावजूद, महिलाओं को पादरी बनाने जैसे मुद्दों पर मतभेद बने हुए हैं।

रोमन कैथोलिक चर्च में यह पद केवल पुरुषों के लिए आरक्षित है। लियो ने पोप फ्रांसिस का हवाला देते हुए कहा कि यदि मतभेदों के कारण वे अपने साझा उद्देश्य मसीह का संदेश फैलाने को पूरा नहीं करते तो यह गलत होगा। उन्होंने कहा, मेरी ओर से मैं जोड़ना चाहूंगा कि यदि हम अपने मतभेदों को दूर करने के लिए प्रयास जारी नहीं रखते तो यह भी गलत होगा, चाहे वे कितने ही कठिन क्यों न हों। मुलाली की नियुक्ति से पहले से विभाजित एंग्लिकन समुदाय में और मतभेद उभरे हैं। वह पिछले महीने पदभार संभालने के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा पर वेटिकन पहुंचीं। उन्होंने स्वागत के लिए पोप का आभार जताया। दोनों धर्मगुरुओं ने पोप के पुस्तकालय में मुलाकात के बाद एपोस्टोलिक पैलेस के अर्बन आठवें चैपल में संयुक्त प्रार्थना की। वेटिकन के अनुसार यह प्रार्थना का विशेष क्षण था।

कैंटरबरी की आर्चबिशप सारा मुलाली के साथ पोप लियो।

> अमानवीय हिंसा, गहरे विभाजन और तेज सामाजिक बदलाव के बीच हमें एक आशा से भरी कहानी सुनानी होगी कि हर मानव जीवन अनमोल है और हम सभी ईश्वर की संतान हैं। हमें साझा भलाई के लिए हमेशा पुल बनाते हुए मिलकर काम करना चाहिए, न कि दीवारें बनाना चाहिए।
> – सारा मुलाली

"चोटों से जूझने वाले बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मोहसिन खान के भारत के लिए पदार्पण करने के बीच फिटनेस ही एकमात्र रुकावट है। जब भी वह मेडन ओवर डालता है तो हमेशा बल्लेबाज का विकेट लेने में कामयाब रहता है।
-इरफान पठान

स्टेडियम

हल्द्वानी, मंगलवार, 28 अप्रैल 2026

अमृत विचार
www.amritvichar.com

IPL 2026

आज के मुकाबले

पंजाब किंग्स
बनाम
राजस्थान रॉयल्स

समय - शाम 7:30 बजे

आरसीबी ने तूफानी प्रदर्शन कर दिल्ली कैपिटल्स की बखिया उधेड़ी

आईपीएल-2026 : सिर्फ 75 रनों पर समेटने के बाद 6.3 ओवर में हासिल किया लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी

भुवनेश्वर कुमार (तीन ओवर में पांच रन पर तीन विकेट) और जोश हेजलवुड (3.3 ओवर में 12 रन पर चार विकेट) की कमाल की गेंदबाजी के दम पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी20 मैच में सोमवार को यहां दिल्ली कैपिटल्स को 81 गेंद शेष रहते नौ विकेट से करारी शिकस्त दी।

कैपिटल्स की पारी को 16.3 ओवर में 75 रन पर समेटने के बाद आरसीबी ने देवदत्त पडिक्कल (13 गेंद में नाबाद 34 रन) और विराट कोहली (15 गेंद में नाबाद 23 रन) की आक्रामक बल्लेबाजी से 6.3 ओवर में एक विकेट पर 77 रन बनाकर एकतरफा जीत दर्ज की। टीम ने आठ मैचों में यह छठी जीत दर्ज कर तालिका में दूसरे स्थान पर अपनी स्थिति और मजबूत की, जबकि दिल्ली की यह आठ मैचों में पांचवीं हार है। आरसीबी ने इसके साथ ही आईपीएल इतिहास में गेंद के हिसाब से दूसरा सबसे तेज लक्ष्य हासिल कर मौजूदा सत्र में 18 अप्रैल को कैपिटल्स से मिली हार का बदला भी चुकता कर लिया।

पिछले मैच में पंजाब किंग्स के खिलाफ दो विकेट पर 264 रन के साथ अपना सबसे बड़ा स्कोर बनाने वाली कैपिटल्स टीम का यह आईपीएल में तीसरा सबसे कम स्कोर है। टीम के लिए अभिषेक पोरेल ने सबसे ज्यादा 30 रन का योगदान दिया। उनके अलावा डेविड मिलर (19) और काइल जैमीसन (12) ही दहाई के आंकड़े में रन बना सके। हेजलवुड और भुवनेश्वर की टेस्ट मैच जैसी ऑफ स्टंप के बाहर स्विंग होती गेंदों का कैपिटल्स के बल्लेबाजों के पास कोई जवाब नहीं था और टीम ने शुरुआती तीन ओवर में नौ रन तक छह विकेट गंवा दिए। पावरप्ले के बाद कैपिटल्स का स्कोर छह विकेट पर 13 रन था। यह आईपीएल में पावरप्ले का सबसे कम स्कोर है। राजस्थान रॉयल्स ने 2009 में आरसीबी के खिलाफ दो विकेट पर 14 रन बनाए थे। सुयश शर्मा ने चार ओवर में सिर्फ सात रन देकर एक सफलता हासिल की। रसिख सलाम और कृणाल पंड्या को भी एक-एक सफलता मिली। लक्ष्य का पीछा करते हुए जैकब बेथेल (20) ने पारी की पहली ही गेंद पर जैमीसन के खिलाफ चौका जड़ा और फिर इस गेंदबाज के दूसरे ओवर में लगातार दो छक्के लगाए। कोहली ने छठे ओवर की आखिरी गेंद पर एक रन लेकर आईपीएल में अपने 9000 रन पूरे किए।

इससे पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर कैपिटल्स की शुरुआत बेहद खराब रही। पारी की दूसरी ही गेंद पर अनुभवी भुवनेश्वर कुमार ने पदार्पण कर रहे बाएं हाथ के युवा बल्लेबाज साहिल पारख को खाता खोले बिना बोल्ड किया, तो वहीं हेजलवुड ने शुरुआती दो गेंदों पर शानदार लय में चल रहे लोकेश राहुल (एक) और समीर रिजवी को आउट किया। ट्रिस्टन स्टब्स (पांच) ने हेजलवुड के खिलाफ चौका जड़कर उन्हें हैट्रिक पूरी करने से रोका, लेकिन भुवनेश्वर ने तीसरे ओवर की पहली गेंद पर दक्षिण अफ्रीका के इस बल्लेबाज और फिर कप्तान अक्षर पटेल (शून्य) को आउट कर सात रन तक कैपिटल्स की आधी टीम को पवेलियन भेज दिया। कैपिटल्स को इसके बाद तीसरे ओवर में ही इम्पैक्ट प्लेयर का इस्तेमाल करना पड़ा, जब पारख की जगह पोरेल बल्लेबाजी के लिए आए लेकिन हेजलवुड ने पडिक्कल के हाथों नीतीश राणा (एक) को कैच कराया, जिससे टीम ने आठ रन तक छह विकेट गंवा दिए।

दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल को आउट करने के बाद जश्न मनाते रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के भुवनेश्वर कुमार। एजेंसी

दिल्ली कैपिटल्स

75/10 (16.3 ओवर)

साहिल पारख बो भुवनेश्वर	00
लोकेश राहुल का जितेश बो हेजलवुड	01
नीतीश राणा का पडिक्कल बो हेजलवुड	01
समीर रिजवी का जितेश बो हेजलवुड	00
ट्रिस्टन स्टब्स का पडिक्कल बो भुवनेश्वर	05
अक्षर पटेल का जितेश बो भुवनेश्वर	00
अभिषेक पोरेल बो हेजलवुड	30
डेविड मिलर का जितेश बो सलाम	19
काइल जैमिसन पगबाधा पंड्या	12
कुलदीप यादव पगबाधा सुयश	03
दुष्मंता चमीरा नाबाद	00

अतिरिक्त : 04, विकेट पतन : 1-0, 2-2, 3-2, 4-7, 5-7, 6-8, 7-43, 8-62, 9-71

गेंदबाजी : भुवनेश्वर 3-0-5-3, हेजलवुड 3.3-0-12-4, सलाम 2-0-21-1, शेफर्ड 2-0-21-0, सुयश 4-0-7-1, कृणाल 2-0-9-1

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

77/1 (6.3 ओवर)

जैकब बेथल का नटराजन बो जैमीसन	20
विराट कोहली नाबाद	23
देवदत्त पडिक्कल नाबाद	34

अतिरिक्त : 00, विकेट पतन : 1-26,

गेंदबाजी : जैमीसन 3-0-42-1, चमीरा 2-0-18-0, अक्षर 1-0-5-0, नटराजन 0.3-12-0

ऑरेंज कैप

- अभिषेक शर्मा हैदराबाद -380 रन
- केएल राहुल दिल्ली-358 रन
- वैभव सूर्यवंशी राजस्थान-357 रन

पर्पल कैप

- भुवनेश्वर कुमार राजस्थान-14 विकेट
- अंशुल कंबोज चेन्नई -14 विकेट
- इशान मलिंगा हैदराबाद-14 विकेट

अंक तालिका

	टीम	मैच	जीते	हारे	रद्द	अंक	नेट रन रेट
1.	पंजाब किंग्स	7	6	0	1	13	1.333
2.	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	7	5	2	0	10	1.101
3.	सनराइज़र्स हैदराबाद	8	5	3	0	10	0.815
4.	राजस्थान रॉयल्स	8	5	3	0	10	0.602
5.	गुजरात टाइटंस	8	4	4	0	8	-0.475
6.	चेन्नई सुपर किंग्स	8	3	5	0	6	-0.121
7.	दिल्ली कैपिटल्स	7	3	4	0	6	-0.184
8.	कोलकाता नाइट राइडर्स	8	2	5	1	5	-0.751
9.	मुंबई इंडियंस	7	2	5	0	4	-0.736
10.	लखनऊ सुपर जाएंट्स	8	2	6	0	4	-1.106

हमें ब्रेक चाहिए और खिलाड़ियों को जिम्मेदारी लेनी होगी : रिषभ पंत

लखनऊ। लखनऊ सुजर जायंट्स के कप्तान रिषभ पंत ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में मिली लगातार पांचवीं हार के बाद कहा कि हमें ब्रेक की जरूरत है और हर खिलाड़ी को जिम्मेदारी लेनी होगी। कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ रविवार को उतार-चढ़ाव भरे मैच के सुपर ओवर में मिली हार के बाद पंत ने कहा देखिए, मुझे लगता है कि हमें निश्चित तौर पर एक ब्रेक चाहिए। हम खुद को तरोताजा करेंगे। दबाव तो हमेशा रहेगा, और यह हमेशा दबाव वाला खेल रहेगा। लेकिन साथ ही हमें जवाब बाहर नहीं, अपने भीतर ढूंढने होंगे। चीजों को सरल रखना होगा। हर खिलाड़ी को जिम्मेदारी लेनी होगी। यह एक या दो खिलाड़ियों की बात नहीं हो सकती, पूरी टीम की बात है। और बहुत से लोग इसकी जिम्मेदारी लेंगे, इसमें कोई शक नहीं। लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए एक चिंता निकोलस पूरन की फॉर्म भी रही है, जिन्होंने अब तक सिर्फ़ 82 रन बनाए हैं, औसत 10.25 और स्ट्राइक रेट 81.18 रहा है। इसके बावजूद एलएसजी ने सुपर ओवर में पूरन और पंत को बल्लेबाजी के लिए भेजा। पूरन पहली ही गेंद पर बोल्ड हो गए, जबकि एलएसजी कुल तीन गेंद ही खेल सकी। अन्य बल्लेबाज एडन मारक्रम भी बिना खाता खोले आउट हो गए। पंत ने कहा हमने टीम के रूप में चर्चा की थी और जो नाम सामने आया, वह पूरन का था। हो सकता है वह इस समय अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ फ़ॉर्म में न हों, लेकिन मुश्किल समय में आपको अपने खिलाड़ी पर भरोसा करना होता है।

हाईलाइट

एशियाई चैंपियनशिप से बाहर हो सकती हैं चोटिल मीराबाई चानू

नई दिल्ली। भारत की स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू अगले महीने गांधीनगर में होने वाली एशियाई चैंपियनशिप में कंधे की चोट के कारण हिस्सा नहीं ले पाएंगी। टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता और पूर्व विश्व चैंपियन मीराबाई को फरवरी में हुई राष्ट्रीय चैंपियनशिप के दौरान यह चोट लगी थी। इस मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने पीटीआई को बताया, राष्ट्रीय चैंपियनशिप के दौरान मीराबाई के कंधे में हल्की चोट लग गई थी। यह साल बहुत अहम है क्योंकि राष्ट्रमंडल खेल और एशियाई खेल होने वाले हैं और वह कोई भी जोखिम नहीं ले सकतीं। भारतीय टीम में मीराबाई की जगह कोमल कोहर को शामिल किए जाने की संभावना है।

अंगकृष रघुवंशी पर मैच फीस का लगा 20 प्रतिशत जुर्माना

लखनऊ। नाइट राइडर्स (केकेआर) के विकेटकीपर बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी पर ऑब्स्ट्रक्शन ऑफ द फील्ड (क्षेत्ररक्षण में बाधा पहुंचाना) दिए जाने के बाद गुस्सा दिखाने के कारण उनकी मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और उनके खाते में एक डिमैरिट अंक भी जोड़ा गया है। रघुवंशी को रविवार को लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ खेले गए आईपीएल मैच के दौरान आचार संहिता का उल्लंघन करने दोषी पाया गया। उन्होंने केकेआर की पारी के पांचवें ओवर में घटी घटना के बाद पवेलियन लौटते समय गुस्से में सीमा रेखा पर अपने बल्ला मारा था और डग आउट में अपना हेलमेट फेंका था।

ऑस्ट्रेलिया को हरा भारत थॉमस कप के क्वार्टर फाइनल में

होर्सेंस (डेनमार्क)। भारतीय पुरुष टीम ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए सोमवार को यहां ग्रुप ए के मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 5-0 से करारी शिकस्त देकर थॉमस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। भारत और चीन इस ग्रुप में शीर्ष पर हैं। 2022 के चैंपियन भारत ने कनाडा पर 4-1 से जीत के साथ शुरुआत की थी। चीन ने अपने पहले मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 5-0 से हराया था। उसने सोमवार को कनाडा को 4-1 से पराजित किया। भारत और चीन अब बुधवार को अपने अंतिम ग्रुप मुकाबले में एक दूसरे का सामना करेंगे, जिससे ग्रुप में शीर्ष स्थान का फैसला होगा। पेरिस ओलंपियन और राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन लक्ष्य सेन ने एफ्रेम स्टीफन सैम पर 21-14, 21-16 से जीत हासिल करके भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई।

भारत को हराकर दक्षिण अफ्रीका ने टी-20 सीरीज में कब्जा किया

बेनोनी (दक्षिण अफ्रीका), एजेंसी

कप्तान लॉरा वोलवार्ट के नाबाद अर्धशतक के बाद नोनकुलुलेको मलाबा और नेदिन डि क्लर्क की धारदार गेंदबाजी से दक्षिण अफ्रीका ने पांचवें और अंतिम महिला टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में सोमवार को यहां भारत को 23 रन से हराकर पांच मैच की सीरीज 4-1 से अपने नाम की।

दक्षिण अफ्रीका के 156 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम मलाबा (15 रन पर दो विकेट) और डि क्लर्क (26 रन पर दो विकेट) की प्रभावी गेंदबाजी के सामने आठ विकेट पर 132 रन ही बना सकी। एलिज मारी मार्क्स, क्लो ट्रायोन और अयाबोंगा खाका ने भी एक-एक विकेट चटकाया। भारत की ओर से भारत फुलमाली ने सर्वाधिक 40 रन बनाए। उनके अलावा ऋचा घोष (नाबाद 25) और कप्तान हरमनप्रीत कौर (22) ही 20 रन के आंकड़े को पार कर पाईं।

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर।

- **कप्तान लॉरा वोलवार्ट ने नाबाद अर्धशतकीय पारी खेली**

दक्षिण अफ्रीका की धारदार गेंदबाजी के सामने भारतीय टीम ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और टीम कभी लक्ष्य के करीब पहुंचने की स्थिति में भी नहीं दिखी।

दक्षिण अफ्रीका ने इससे पहले बेहतरीन फॉर्म में चल रही वोलवार्ट की नाबाद 92 रन की पारी से छह विकेट पर 155 रन बनाए। शुरुआती चार मैच में एक शतक और दो अर्धशतक जड़ चुकी वोलवार्ट ने 26 गेंद की अपनी पारी में 11 चौके और दो छक्के मारे। भारतीय गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट चटकाए लेकिन वोलवार्ट एक छोर पर डटी रहीं। लक्ष्य का पीछा करने उतरे भारत ने चौथे ओवर तक ही सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा (04) और जेमिमा रोड्रिग्स (01) के विकेट गंवा दिए। शेफाली को मार्क्स ने पवेलियन भेजा जबकि जेमिमा की पारी का अंत खाका ने किया। दोनों बल्लेबाजों के कैच ट्रायोन ने लपके। सलामी बल्लेबाज अनुष्का शर्मा (17) भी इसके बाद डि क्लर्क की गेंद पर ट्रायोन को कैच दे बैठीं जिससे भारत का स्कोर आठवें ओवर में तीन विकेट 38 रन हो गया। भारती और हरमनप्रीत ने चौथे विकेट के लिए 38 रन जोड़कर पारी को संभालने की कोशिश की लेकिन रन गति में इजाफा करने में नाकाम रहीं। मलाबा ने हरमनप्रीत को वोलवार्ट के हाथों कैच कराके इस साझेदारी को तोड़ा।

पंजाब को रोकना आसान नहीं होगा राजस्थान के लिए

मुल्लांपुर, एजेंसी

पिछले कुछ मैचों में अपेक्षित परिणाम हासिल नहीं कर पाने वाले राजस्थान रॉयल्स को मंगलवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में अगर पंजाब किंग्स का अजेय रथ रोकना है तो रन बनाने के लिए जूझ रहे कप्तान रियान पराग को आगे बढ़कर नेतृत्व करना होगा।

रिकी पोंटिंग का मुख्य कोच का पद संभालने और श्रेयस अय्यर के कप्तान बनने के बाद पंजाब किंग्स में आमूलचूल बदलाव देखने को मिले हैं और उसने तब से लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। पिछले साल उसकी टीम उप विजेता रही थी और इस साल उसने शुरू से ही अच्छा प्रदर्शन किया है।

विराट कोहली ने वर्षों तक अपनी शानदार निरंतरता के दम पर ''लक्ष्य का पीछा करने में माहिर यानी चेज़-मास्टर' का तमगा अपने नाम किया था और अब अय्यर भी उसी राह पर हैं।

कप्तान और बल्लेबाज के रूप में उन्होंने बेहद दबाव वाली परिस्थितियों में सराहनीय धैर्य का प्रदर्शन करते हुए पंजाब किंग्स के टूर्नामेंट में अब तक अजेय रहने में अहम भूमिका निभाई है। अय्यर ने शानदार कप्तानी की है, लेकिन उनकी पूरी टीम ने एकजुट होकर अपना योगदान दिया है।

अभ्यास के दौरान राजस्थान रॉयल्स के धाकड़ बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी। एजेंसी

फील्डिंग पर ध्यान देना होगा सनराइजर्स को

राजस्थान रॉयल्स पिछले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अपने मजबूत स्कोर का बचाव नहीं कर पाया था। उसकी फील्डिंग काफी खराब रही और सनराइजर्स ने 239 रन का लक्ष्य आसानी से हासिल कर दिया। पराग ने कहा मुझे लगता है कि हर दिन अलग-अलग मैदान, अलग-अलग मैच और उनसे निपटने के अलग-अलग तरीके होते हैं। अभी हमें नहीं पता कि चंडीगढ़ में क्या होगा। मेरे कहने का मतलब यह है कि उन्होंने दिल्ली में बड़ा लक्ष्य हासिल कर लिया था लेकिन चंडीगढ़ एक नया मैदान है, नई पिच है, नई मिट्टी है। इसलिए उम्मीद है कि मैच उस स्थिति तक नहीं जाएगा। पंजाब किंग्स ने अपने घरेलू मैदान पर खेले गए पिछले मैच में 254 रन बनाए थे और उसके बल्लेबाज अपना शानदार प्रदर्शन जारीरखने के लिए प्रतिबद्ध होंगे।

- **इस सीजन में अब तक अजेय रहा है पंजाब किंग्स**

टीम

पंजाब किंग्स : श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, हरनूर सिंह, प्रभसिमरन सिंह, मिचेल ओवेन, नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसन, मुशीर खान, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्यूसन, हरप्रीत बराड़, विजयकुमार विशाक, यश ठाकुर, कूपर कोनोली, बेन ड्वार्शुइस, प्रवीण दुबे, विशाल निशाद, पाइला अविनाश।

राजस्थान रॉयल्स : शुभम दुबे, शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, रियान पराग (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, डोनोवन फरेरा, रवींद्र जड़ेजा, जोफ्रा आर्चर, नांद्रे बर्गर, तुषार देशपांडे, क्वेना मफाका, संदीप शर्मा, युद्धवीर सिंह चरक, रवि बिश्नोई, अमन राव पेराला, एडम मिल्ने, कुलदीप सेन, दासुन शनाका, सुशांत मिश्रा, विग्नेश मिश्रा पुथुर, रवि सिंह, ब्रिजेश शर्मा।

सफलता का राज

ट्रैप निशानेबाज जोरावर सिंह ने विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने के पीछे की मेहनत को बयां किया

पदक की चाह में हर साल करीब 50,000 निशाने साधे

नई दिल्ली, एजेंसी

ट्रैप निशानेबाज जोरावर सिंह ने अपना करियर हिम्मत, कड़ी मेहनत और अनुशासन के दम पर बनाया है और उन्हें पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक के रूप में बड़ी सफलता मिली। उनका कहना है कि यह सफलता कोई संयोग नहीं थी बल्कि यह हर साल करीब 50,000 'क्ले टारगेट' पर निशाना साधने और हर तरह के मौसम में लगातार ट्रेनिंग करने का नतीजा थी। इस चैंपियन ट्रैप निशानेबाज ने कहा मैंने यह सब और इससे भी अधिक किया है।

उन्होंने बताया कि उनके इस सफर में हर साल करीब 45,000 से 50,000 कारतूसों का इस्तेमाल करना पड़ा। दिग्गज निशानेबाजों करणी सिंह और मानवजीत सिंह संधू के बाद 48 साल के जोरावर विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने वाले सिर्फ तीसरे भारतीय ट्रैप निशानेबाज बने। इससे पहले 2006 में क्रोएशिया के जागरेब में मानवजीत ने स्वर्ण पदक जीता था। जोरावर के लिए पिछले साल एथेंस में मिला यह बहुप्रतीक्षित पदक तीन दशकों से भी अधिक लंबे उनके पेशेवर निशानेबाजी करियर में की गई सारी मेहनत का नतीजा था।

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के 75 साल पूरे होने के मौके पर सोमवार को यहां आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान जोरावर ने कहा मैं 2022 से ही इस काम में जुटा हुआ हूं। उन्होंने कहा राष्ट्रीय खेलों के बाद मेरी योजना एकदम साफ थी कि फाइनल में जगह बनानी है। मैंने अपने लिए एकदम सटीक लक्ष्य तय किए थे क्योंकि मुझे पता था कि फाइनल में जगह पक्की करने के लिए मुझे कड़ी टक्कर वाले मुकाबलों में शूट-ऑफ से गुजरना पड़ेगा। जोरावर ने कहा क्योंकि तभी पदक जीतना मुमकिन हो पाता।

मेरा पहला लक्ष्य सिर्फ फाइनल तक पहुंचना था और उसके बाद मेरा ध्यान सिर्फ अपनी प्रक्रिया पर भरोसा करने और नतीजों की चिंता नहीं करने पर था... और देखिए आज हम यहां हैं। अब जोरावर का अगला लक्ष्य 2028 के लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करना है। क्वालीफिकेशन की प्रक्रिया इसी साल के आखिर में होने वाली विश्व चैंपियनशिप से शुरू होगी।

जोरावर ने कहा अभी विश्व चैंपियनशिप होनी है, उसके बाद अगला साल भी काफी व्यस्त और मुश्किल भरा रहने वाला है। साथ ही निशानेबाजी के नियमों में भी कई बदलाव हुए हैं जिन्हें हमें अच्छी तरह समझना होगा।

दिल्ली के इस निशानेबाज ने कहा जाहिर है जो कम समय में सबसे अच्छी तरह से ढल जाएगा वही सफल होगा। इस साल सितंबर-अक्टूबर में जापान में एशियाई खेल भी होने हैं लेकिन इस बात की संभावना कम है कि यह चैंपियन निशानेबाज भारतीय दल में शामिल होगा।

चयन तय करना राष्ट्रीय महासंघ का काम

जोरावर ने कहा एशियाई खेलों में चयन तय करना राष्ट्रीय महासंघ का काम है—उनकी चयन नीति क्या है और वे अंततः किसे चुनते हैं। एक खिलाड़ी के तौर पर हमें उसका पालन करना होता है। जोरावर को मई में कजाखस्तान के अल्माटी में होने वाले आईएसएसएफ विश्व कप और जुलाई में लोनाटो में होने वाले आईएसएसएफ विश्व कप के लिए 'जीरो' निशानेबाज के तौर पर शामिल किया गया है जिसका मतलब है कि वह बिना पदक के लिए पात्र हुए प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे।

ग्रुप में दबदबा बनाने के लक्ष्य के साथ उतरेगी भारतीय टीटी टीम

लंदन, एजेंसी

विश्व टेबल टेनिस चैंपियनशिप

भारत की पुरुष और महिला टीम मंगलवार से यहां शुरू हो रही 2026 विश्व टीम टेबल टेनिस चैंपियनशिप में उम्मीद और दबाव के जाने-पहचाने मेल के साथ उतरेंगी। मानव ठक्कर (विश्व रैंकिंग 38), जी साथियान (42), मानुष शाह (51), हरमीत देसाई (80) और पायस जैन (127) की मौजूदगी वाली भारतीय पुरुष टीम ग्रुप सात में स्लोवाकिया, ट्यूनीशिया और ग्वाटेमाला के खिलाफ प्रबल दावेदार के तौर पर शुरुआत करेगी।

कागज पर रैंकिंग भारत के पक्ष में दिखती है, विशेषकर लुबोमीर पिस्टेज (149) और यांग वांग (184) की अगुवाई वाली स्लोवाकिया की टीम के खिलाफ। फिर भी अब संन्यास ले चुके शरत कमल के अनुभव की कमी करीबी मुकाबलों में खल सकती है।

महिला टीम ग्रुप छह में यूक्रेन, युगांडा और रवांडा के साथ है। मनिका बत्रा (49) की अगुवाई वाली भारतीय टीम में यशस्विनी घोरपड़े (88), दीया चितले (92), सुतीर्था मुखर्जी (120) और सिंड्रेला दास (175) भी शामिल हैं। सिंड्रेला 16 साल की उम्र में इस चैंपियनशिप में खेलने वाली देश की सबसे कम उम्र की खिलाड़ी हैं। मार्गरीटा पेसोत्स्का (51) की अगुवाई वाली यूक्रेन की टीम भारत को ठोस चुनौती पेश करेगी जिससे पुरुषों के ग्रुप की तुलना में महिला वर्ग में अधिक कड़ा मुकाबला देखने को मिल सकता है। बुसान में हुए 2024 टूर्नामेंट में भारत की दोनों टीम नॉकआउट चरण तक पहुंचीं थी लेकिन राउंड ऑफ 32 में बाहर हो गईं। लंदन में खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट का प्रारूप मुकाबले को और भी रोमांचक बना देता है। सिर्फ ग्रुप में शीर्ष पर रहने वाली टीम को ही मुख्य ड्रॉ में सीधे प्रवेश मिलेगा। दूसरे नंबर पर रहने वाली टीम को मुश्किल क्वालीफिकेशन का सामना करना पड़ेगा। पुरुषों के लिए टीम की गहराई अब भी एक मजबूत पक्ष है। साथियान और ठक्कर टीम में निरंतरता लाते हैं जबकि शाह का लगातार बेहतर होता प्रदर्शन टीम की ताकत को और बढ़ाता है।